राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 थी ।यूपी में बनेंगी 114 टाउनशिप.....

इमरान खान के इलाज को लेकर चिंता बढ़ी..... 12

वर्ष : 16 | अंक : 284 | नई दिल्ली, मंगलवार, 17 फरवरी, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C

न्यूनतम तापमान 20.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,52,099

चांदी 2,92,200

सेंसेक्स 84,233

निफ्टी 25,953

भारतीय लेखा और अन्य सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा, रक्षा वैमानिक गुणवत्ता आश्वासन सेवा तथा भारतीय व्यापार सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से यहां राष्ट्रपति भवन में सोमवार को शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिष्ठित सेवाओं में उनका चयन राष्ट्रसेवा का एक महत्वपूर्ण अवसर है। अनेक युवा जहां तक पहुंचने का सपना देखते हैं, वहां तक पहुंचने का अवसर कुछ ही लोगों को मिलता है। ऐसे में वे अनेक युवाओं के लिए प्रेरणा और आदर्श बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि उदाहरण प्रस्तुत कर नेतृत्व करना उनकी पूरी सेवा-यात्रा के दौरान उनकी जिम्मेदारी रहेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि जब अधिकारी प्रतिबद्धता के साथ भारत के विकास और प्रत्येक नागरिक के कल्याण के लिए कार्य करते हैं, तो राष्ट्र और अधिक सशक्त, सक्षम और वैश्विक मंच पर सम्मानित बनता है। आपका उत्साह और समर्पण ह्यनए भारतह्ल के निर्माण में परिवर्तनकारी शक्ति बन सकता है। भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे जनविश्वास के संरक्षक और वित्तीय अनुशासन के प्रहरी हैं। कार्यपालिका और लेखा परीक्षा संस्थानों के बीच समन्वय से शासन व्यवस्था में जवाबदेही की प्रभावशीलता बढ़ती

है। एक प्रभावी साझेदारी सार्वजनिक व्यय की दक्षता बढ़ाने तथा वांछित परिणाम प्राप्त करने में सहायक होती है। उन्होंने अधिकारियों से संविधान और सेवा की परंपराओं व मूल्यों को सदैव बनाए रखने का आग्रह किया। भारतीय व्यापार सेवा के अधिकारियों से राष्ट्रपति ने कहा कि वे निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजन करने तथा भारतीय उद्योगों को नवाचार, विस्तार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी नीतियों और निर्णयों का मार्गदर्शक सिद्धांत सदैव भारत का राष्ट्रीय हित होना चाहिए। प्रत्येक व्यापार बाधा के समाधान और प्रत्येक समझौते का समर्थन भारत को एक मजबूत और सम्मानित वैश्विक व्यापार भागीदार बनाने में सहायक होगा। रक्षा वैमानिक गुणवत्ता आश्वासन सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सशस्त्र बलों के लिए अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय हथियार एवं गोला-बारूद की उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी है। उनकी भूमिका विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और राष्ट्रीय रक्षा के महत्वपूर्ण संगम पर स्थित है।

दिल्ली को संवारने के लिए एमसीडी को मिली करोड़ों रुपए की विशेष आर्थिक मदद

सामुदायिक भवनों के सुधार के लिए भी 50 करोड़ रुपये का बजट दिया गया

●विकास के लिए स्थानीय निकायों को सशक्त करना सरकार की प्राथमिकता: सीएम रेखा गुप्ता

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी को साफ, विकसित और प्रदूषण-मुक्त बनाने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। इसी दिशा में उन्होंने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को करोड़ों रुपये की विशेष आर्थिक मदद दी है। यह राशि सड़कों की मरम्मत, सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, नगर निगम के स्कूलों को सुधारने और लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के पूरे विकास के लिए नगर निगम जैसे स्थानीय निकायों को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता है। इस मदद में मुख्यमंत्री विकास फंड (सीएमडीएफ) से भी विशेष राशि शामिल है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजधानी में साफ-सफाई की व्यवस्था और 60 फुट से कम चौड़ी सड़कों का रखरखाव दिल्ली नगर निगम के पास है। इसी को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान सड़कों को पक्का करने और विकास कार्यों के लिए लगभग 1330 करोड़ रुपये के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इसके माध्यम से लगभग 1000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण, मरम्मत और सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। यह पहल विशेष रूप से धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि दिल्ली में मॉनसून के बाद अक्टूबर-नवंबर के महीनों में प्रदूषण स्तर में तीव्र वृद्धि देखी जाती है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि सभी सड़क सुधार कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं, ताकि 30 सितंबर 2026 तक प्रमुख परियोजनाओं का निष्पादन सुनिश्चित हो सके। इसके लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को गति देने, अग्रिम तैयारियां शुरू करने और निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है। उनका कहना है कि समय पर काम पूरे होने से नागरिकों को प्रदूषण से राहत मिलेगी और राजधानी की आधारभूत संरचना मजबूत होगी।

सफाई व्यवस्था को और आधुनिक बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने करीब 2300 करोड़ रुपये की लंबी अवधि की योजना को मंजूरी दी है। यह योजना 10 साल के ओपेक्स मॉडल पर चलेगी। इसके तहत सड़कों की बेहतर सफाई के लिए 70 नई मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई जा रही हैं। ये मशीनें पहले से काम कर रही मशीनों के साथ मिलकर सड़क की धूल और कचरे को प्रभावी तरीके से साफ करेंगी। इसके अलावा 1000 इलेक्ट्रिक लिटर पिकर भी तैनात किए जा रहे हैं, जिससे सफाई व्यवस्था और तेज, पर्यावरण के अनुकूल और आधुनिक बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम प्रदूषण कम करने की दिशा में स्थायी समाधान साबित होगा। शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने नगर निगम के प्राथमिक स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त 50 करोड़ रुपये देने का निर्णय लिया है। इस राशि से स्कूलों की इमारतें मजबूत की जाएंगी, साफ-सफाई की सुविधाएं सुधारी जाएंगी, कक्षाओं को आधुनिक बनाया जाएगा और बच्चों के लिए अच्छा पढ़ाई का माहौल तैयार किया जाएगा। इसके अलावा, नगर निगम के सामुदायिक भवनों की मरम्मत के लिए भी 50 करोड़ रुपये अलग से दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटी कॉलोनियों में बने निगम के करीब 298 सामुदायिक भवनों में गरीब परिवार शादी और अन्य कार्यक्रम करते हैं, इसलिए इन भवनों का सुधार जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली को ऐसे आधुनिक महानगर के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां स्वच्छ पर्यावरण, मजबूत बुनियादी ढांचा, बेहतर शिक्षा व्यवस्था और सुगम नागरिक सुविधाएं एक साथ सुनिश्चित हों। दिल्ली नगर निगम को प्रदान किया गया यह विशेष वित्तीय सहयोग केवल बजटीय सहायता नहीं, बल्कि राजधानी के भविष्य में किया गया निवेश है। सरकार का लक्ष्य है कि विकास कार्यों की गति तेज हो, प्रदूषण में ठोस कमी आए और नागरिकों के जीवन स्तर में प्रत्यक्ष सुधार दिखाई दे।

प्रधानमंत्री ने एआई इम्पैक्ट समिट में वैश्विक नेताओं का किया स्वागत

1.4 बिलियन लोगों की शक्ति से प्रेरित भारत एआई परिवर्तन में अग्रणी स्थान पर: मोदी

भरत पांडेय /प्रात: किरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में विश्व भर के नेताओं, उद्योगपतियों, नवोन्मेषकों, नीति निमार्ताओं, शोधकताओं और प्रौद्योगिकी को लेकर उत्साही व्यक्तियों का स्वागत किया। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की थीम पर आधारित यह शिखर सम्मेलन, मानव-केंद्रित प्रगति और समावेशी विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, शासन और उद्यम सहित विभिन्न सेक्टरों में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिखर सम्मेलन में होने वाली चचाएं एआई के नवाचार, सहयोग और जिम्मेदार उपयोग पर वैश्विक विमर्श को समृद्ध करेंगी, जिससे एक प्रगतिशील, नवोन्मेषी और अवसर-उन्मुख भविष्य का निर्माण होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक एआई परिवर्तन में भारत के नेतृत्व पर बल दिया, जो इसकी 1.4 बिलियन की जनसंख्या, मजबूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम और अत्याधुनिक अनुसंधान की शक्ति से प्रेरित है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई में भारत की प्रगति महत्वाकांक्षा और जिम्मेदारी दोनों को दशार्ती है, जिसने देश को प्रौद्योगिकीय उन्नति में अग्रणी स्थान पर ला खड़ा किया है। मोदी ने एक्स पर एक थ्रेड पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि एआई पर चर्चा करने के लिए पूरी दुनिया एकत्रित है। आज से भारत दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट का आयोजन कर रहा है। मैं इस समिट में वैश्विक नेताओं, उद्योगपतियों, नवप्रवर्तकों, नीति निमार्ताओं, शोधकताओं और प्रौद्योगिकीय को लेकर उत्साही व्यक्तियों का हार्दिक स्वागत करता हूं। समिट की थीम सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय है, जो मानव-केंद्रित प्रगति के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है। आज एआई स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, शासन और उद्यम सहित कई सेक्टरों में बदलाव ला रहा है। एआई इम्पैक्ट समिट एआई के विविध पहलुओं, जैसे नवाचार, सहयोग, जिम्मेदार उपयोग आदि पर वैश्विक चर्चा को समृद्ध करेगा। मुझे विश्वास है कि शिखर सम्मेलन के परिणाम एक प्रगतिशील, नवोन्मेषी और अवसर-उन्मुख भविष्य को आकार देने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की 1.4 बिलियन जनता की बदौलत हमारा देश एआई परिवर्तन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से लेकर एक जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम और अत्याधुनिक अनुसंधान तक, एआई में हमारी प्रगति महत्वाकांक्षा और जिम्मेदारी दोनों को दशार्ती है।

संक्षिप्त खबरें

राजधानी में अब भी डेंगू का बना हुआ है प्रकोप

नई दिल्ली। देश की राजधानी में मच्छरों जनित रोग डेंगू अब भी सक्रिय बना हुआ है, हालांकि पिछले सालों के मुकाबले इसकी रफतार काफी धीमी है। नगर निगम की जारी रिपोर्ट में डेंगू के 5 नये रोगियों की पुष्टि की गई है। डेंगू के नये रोगियों की पुष्टि से इसके पीड़ितों का आंकड़ा बढ़कर 27 हो गया है। नगर निगम के मध्य क्षेत्र से 1, सिविल लाइन और ग्रामीण क्षेत्र नजफगढ से 2-2 रोगी की पुष्टि हुई है। वहीं दिल्ली छावनी के इलाके में भी एक मरीज की पुष्टि की गई है। हालांकि पिछले सालों की तुलना करें तो वर्ष 2023 के बाद फरवरी माह में डेंगू की दस्तक राजधानी में तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2023 में 16 फरवरी को डेंगू के 19 मरीजों की पुष्टि हुई थी। वहीं 16 फरवरी 2024 में यह आंकड़ा बढकर 61 हो गया था। 16 फवरी 2025 में डेंगू के 55 रोगियों की पुष्टि की गई थी। मौजूदा साल में 16 फरवरी तक डेंगू के 27 रोगियों की पुष्टि हुई है। वहीं 16 फरवरी तक मच्छर जनित रोग मलेरिया के पिछले साल 13 मामले दर्ज किये गये थे। निगम की मुस्तैदी और सख्त निगरानी की वजह से इस साल मलेरिया और चिकनगुनिया 5 मामले दर्ज हुए हैं। गनीमत यह है कि मच्छर जनित रोगों में इस साल किसी भी रोगी की पुष्टि नहीं की गई है, जबकि पिछले साल एक मामला दर्ज किया गया था।

आयरलैंड के मंत्री से मिले जितिन प्रसाद, डिजिटल सहयोग और निवेश पर चर्चा

नई दिल्ली। एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेने यहां आए आयरलैंड के सार्वजनिक व्यय एवं डिजिटलीकरण मंत्री जैक चेम्बर्स से वाणिज्य एवं उद्योग और सूचना एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सुधार आधारित शासन, उभरती प्रौद्योगिकियों और निवेश संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आर्थिक संबंधों की मजबूती के लिए नॉर्वे पहुंचीं, सीईओ और निवेशकों से मुलाकात करेंगी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण यूरोपीय देश नॉर्वे की यात्रा पर है और यहां वह नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर और नॉर्वे के वित्त मंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग और व्यापार एवं उद्योग मंत्री सेसिली मायर्सेथ के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से सोमवार को दी गई। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि वह नॉर्वेजियन सीईओ और निवेशकों के साथ एक गोलमेज चर्चा भी करेंगी और एक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत करेंगी। मंत्रालय ने बताया, ओस्लो (नॉर्वे की राजधानी) में अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर से मुलाकात करेंगी, नॉर्वे के वित्त मंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग और व्यापार एवं उद्योग मंत्री सेसिली मायर्सेथ के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी, साथ ही ओस्लो साइंस पार्क में स्टार्टअप्स के साथ बातचीत करेंगी। इससे पहले, वित्त मंत्री सीतारमण ने जर्मनी दौरे के दौरान शीर्ष नेताओं और उद्योगपतियों से मुलाकात की और यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौते के मद्देनजर द्विपक्षीय व्यापार संबंधों पर चर्चा की। उन्होंने म्यूनिख में एपीएम टर्मिनल्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कीथ स्वेन्डसेन से मुलाकात की। स्वेन्डसेन ने भारत के साथ मस्र्क के सकारात्मक और दीर्घकालिक संबंधों के बारे में बात की और भारत के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में किए गए प्रमुख निवेशों और साझेदारियों का जिक्र किया। मंत्रालय ने बताया कि दोनों ने हाल ही में संपन्न हुए भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लाभों पर भी चर्चा की, जिसमें भारतीय और यूरोपीय बाजारों को खोलना और भविष्य में दोनों पक्षों के व्यवसायों के लिए संभावित लाभ शामिल हैं। वित्त मंत्री ने जर्मनी के वाइस चांसलर और फेडरल वित्त मंत्री लार्स क्लिंगबील से मुलाकात की और इस साल जनवरी में भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फेडरल चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच हुई बैठक पर चर्चा की, जिससे द्विपक्षीय संबंध, विशेष रूप से रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में, मजबूत हुए।

नए डिजाइन वाले आधार कार्ड में दिखेगा सिर्फ फोटो और क्यूआर कोड

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। जल्द ही आधार कार्ड का नया डिजाइन पेश किया जाएगा, जिसमें केवल कार्डधारक की फोटो और एक क्यूआर कोड दिखेगा। इस बदलाव का उद्देश्य फोटोकॉपी के जरिए आधार की व्यक्तिगत जानकारी के गलत इस्तेमाल को रोकना है। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने यह जानकारी दी है कि नए आधार ऐप के लॉन्च के बाद इस बदलाव को लागू किया जाएगा। यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार ने ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस में बताया कि आधार कार्ड की फिजिकल कॉपी में अक्सर आधार नंबर, नाम, पता और जन्मतिथि जैसी सेंसिटिव जानकारी होती है, जिसका गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। नए डिजाइन में केवल फोटो और क्यूआर कोड शामिल होंगे। क्यूआर कोड स्कैन करने पर ही बैंकिंग, सिम जारी करने और सरकारी योजनाओं जैसी सेवाओं के लिए वेरिफिकेशन होगा। उडई ने हाल ही में नया आधार ऐप लॉन्च किया है, जिसमें यूजर्स अपने मोबाइल नंबर, पता और अन्य डिटेल्स सीधे अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा, ऐप के जरिए आधार बायोमेट्रिक्स को लॉक और अनलॉक करना भी संभव है। इस बदलाव से आधार कार्ड का उपयोग एक सुरक्षित फोटो आइडेंटिटी कार्ड के रूप में किया जा सकेगा, जबकि कार्डधारक की अन्य व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रहेगी। यह कदम आधार के मिसयूज को रोकने और प्राइवेसी बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, क्यूआर कोड-बेस्ड वेरिफिकेशन सिस्टम से न केवल गलत इस्तेमाल का खतरा कम होगा ।

बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा 9 मार्च को, सरकार बहुमत को लेकर आश्वस्त

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 9 मार्च को लोकसभा में चर्चा और मतदान हो सकता है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा, कि बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन इस प्रस्ताव पर बहस कराई जाएगी और उसके बाद वोटिंग होगी। संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने रविवार को कहा, कि सरकार इस मुद्दे को शीघ्र निपटाना चाहती है ताकि स्पीकर सदन की कार्यवाही सामान्य रूप से संचालित कर सकें और सरकार अपने विधायी एजेंडे पर आगे बढ़ सके। उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को सदन में पर्याप्त समर्थन प्राप्त है। 542 सदस्यीय लोकसभा में एनडीए के पास 293 सांसदों का समर्थन है और कुछ अन्य दलों के सदस्यों का भी समर्थन मिलने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सरकार को विश्वास है कि प्रस्ताव पारित नहीं हो पाएगा। सूत्रों के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन इस राजनीतिक विवाद को लंबा खींचने के पक्ष में नहीं है। माना जा रहा है कि सरकार स्पीकर के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना चाहती है।

दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस में शामिल हुए अमित शाह, 10 नई परियोजनाओं का शिलान्यास

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को 79वें दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस पर हिस्सा लिया, जहां उन्होंने पुलिस कर्मियों को मेडल दिए और उनके समर्पण, जन सुरक्षा भूमिका और बेहतरीन सेवा की सराहना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ह्लदिल्ली पुलिस की 10 नई परियोजनाओं का आज यहां पर शिलान्यास हुआ है। दिल्ली को 10 हजार कैमरों से जोड़ने के कार्यक्रम के प्रथम चरण में 2100 कैमरे लाइव जुड़ चुके हैं। दिल्ली में पहले से मौजूद 15 हजार से ज्यादा कैमरों को इसके साथ जोड़ने का काम पूरा हो चुका है। मुझे विश्वास है कि सेफ सिटी योजना आने वाले दिनों में दिल्ली की सुरक्षा को बहुत आगे तक ले जाएगा। देश की राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी कारण दिल्ली पुलिस की जिम्मेदारियां और उनका प्रभावी निर्वहन पूरे देश के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली केवल एक शहर नहीं है, बल्कि हमारे देश के लोकतंत्र की धड़कन है। यह राष्ट्र के स्वाभिमान और अस्मिता का केंद्र है। राजधानी होने के कारण यहां की सुरक्षा व्यवस्था का स्तर सर्वोच्च होना अत्यंत आवश्यक है। दिल्ली में अनेक कूटनीतिक बैठकें, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन होता है। साथ ही यहां माननीय राष्ट्रपति जी का निवास तथा प्रधानमंत्री जी का आधिकारिक निवास है। इन सभी महत्वपूर्ण संस्थानों और आयोजनों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस की जिम्मेदारियां और भी अधिक बढ़ जाती हैं। अमित शाह ने कहा, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नशीले पदार्थों के सिंडिकेट, जाली भारतीय मुद्रा नोटों के गिरोह, जटिल साइबर अपराधों और संगठित अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की है। इतना ही नहीं, आतंकवादी घटनाओं की जांच में भी स्पेशल सेल ने सफल और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जब देश में न्याय की बात होगी, तब तीन नए आपराधिक कानूनों का जिक्र, जिनका उद्देश्य दंड नहीं, बल्कि न्याय है, इतिहास अवश्य करेगा। ये कानून भारतवासियों की अपनी संसद में बनाए गए हैं। अंग्रेजों द्वारा लगभग 150 साल पहले बनाए गए कानूनों को निरस्त कर हमने न्याय-केंद्रित प्रणाली स्थापित की है। इन कानूनों के देश भर में पूर्ण क्रियान्वयन के बाद, देश के किसी भी कोने में हुए अपराध में 3 साल के भीतर सुप्रीम कोर्ट तक न्याय दिलाना हम सुनिश्चित करेंगे।

3.25 लाख करोड़ में भारत करेगा फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमानों की डील

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत 114 राफेल लड़ाकू विमानों का फ्रांस के साथ सौदा 3.25 लाख करोड़ रुपए में करने जा रहा है। 17 फरवरी से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रों की तीन दिन की भारत यात्रा शुरू हो रही है। इस दौरान यह डील फाइनल होगी। इन 114 में से 24 विमान सुपर राफेल होंगे, जिन्हें फ्रांस की विमान निमार्ता कंपनी दसॉ एविएशन एफ-5 नाम से बना रही है। अभी भारतीय वायुसेना के पास एफ-3 राफेल हैं, जो 4.5 जेनरेशन के लड़ाकू विमान हैं। इनमें स्टेल्थ क्षमता और परमाणु हथियार दागने की शक्ति है, लेकिन नए विमान एफ-4 पीढ़ी के हैं। इसलिए इन्हें 5वीं जेनरेशन का कहा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय मानकों के हिसाब से एफ-5 राफेल असल में छठी पीढ़ी के जेट होंगे। फ्रांस के बाद इस तरह के सबसे बेहतर विमान भारतीय वायुसेना के पास ही होंगे।

आप सड़क से सदन तक लड़ेगी लड़ाई.....

निगम सदन बैठक चढ़ी हंगामे की भेंट, विपक्ष ने साधा निशाना

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की सदन बैठक उस समय हंगामे की भेंट चढ़ गई जिस समय आम आदमी पार्टी के निगम में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा निगम आयुक्त की वित्तीय शक्ति 5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपए किए जाने का मामला उठाया। इस पर महापौर आसन संभाल रहे उपमहापौर जय भगवान यादव ने नेता विपक्ष नारंग से कहा कि इस विषय पर अब यहां चर्चा संभव नहीं है। इस मामले को लेकर नेता विपक्ष महापौर आसन के पास जा पहुंचे जिसके बाद सत्तापक्ष के पार्षद भी बचाव में उठ खड़े हुए। नेता विपक्ष नारंग ने कहा कि भाजपा की चुने हुए पार्षदों को दरकिनार कर अफसरशाही को खुली छूट क्यों? लोकतंत्र कमजोर करने की साजिश बर्दाश्त नहीं होगी। आप सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ेगी। बता दें कि महापौर राजा इकबाल की अध्यक्षता में सदन की प्रारंभिक प्रक्रिया शौक प्रस्ताव, दुर्घटना रिपोर्ट पढ़ी गई। इसके बाद पार्षदों ने बोलना शुरू किया जिसके कुछ समय बाद किसी जरूरी कार्य के चलते महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह को बाहर जाना पड़ा। इसके बाद उपमहापौर जय भगवान यादव ने महापौर का आसन संभाला। भाजपा पार्षद प्रीति और रितु गोयल ने बाद नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने निगम आयुक्त की वित्तीय शक्तियां बढ़ाने का मामला जोर शोर से उठाया। सतापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप का भी दौर चला और नेता सदन प्रवेश वाही ने विपक्ष के आरोपों को भ्रमित करने वाले बताया। इस दौरान नेता विपक्ष महापौर आसन की तरफ बढ़ थे तब नेता सदन प्रवेश वाही ने महापौर की अनुमति से प्रस्ताव पारित करने शुरू कर दिए और हंगामें के बीच ही सदन बैठक को स्थगित कर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

तेजी से बढ़ रहे साइबर ठगी के नए ट्रेंड, पांच वर्षों में उत्तराखंड के लोगों से ठगे 468 करोड़ रुपये

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में साइबर क्राइम के मामले बढ़ रहे हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो इसकी संख्या पांच वर्षों में 12 गुना से भी अधिक है। अब तक 90 हजार से भी ज्यादा लोग ठगी का शिकार हो चुके हैं। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के डाटा के अनुसार 2021 से 2025 तक पूरे प्रदेश में साइबर ठगों ने लोगों से 468 करोड़ रुपये से भी ज्यादा ठगे हैं। करीब 90 हजार लोग साइबर ठगी का शिकार हुए हैं। हालांकि, सीमित संसाधनों के बल पर पुलिस 70 करोड़ रुपये से ज्यादा बचाने में भी कामयाब रही है। साइबर ठगी के मामलों में अगर बढ़ोतरी की बात करें तो पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार यह पांच साल में 12 गुना से भी ज्यादा है। हर साल साइबर ठगी के नए ट्रेंड चलते हैं। ताजा सबसे अधिक और घातक ट्रेंड डिजिटल गिरफ्तारी का भय दिखाकर ठगने का है। पांच साल में डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 37 लोगों को शिकार बनाया गया। इनसे करोड़ों रुपये की ठगी की गई। पुलिस लगातार जागरूकता अभियान भी चलाती है। पिछले दिनों कॉलरट्यून के माध्यम से केंद्र सरकार ने भी चेताने का प्रयास किया मगर ठगों ने पैंतरे बदल लिए और फिर से एक नया खेल शुरू कर दिया।

भगवानपुर में टेंपो ट्रैवलर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रूडकी, एजेंसी। कस्बे में मस्जिद कट के पास रविवार सुबह टेंपो ट्रैवलर ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने वाहनों को कब्जे में लेकर थाने भिजवाया। दुर्घटना के बाद से युवक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 11:30 बजे सिद्धार्थ (18) निवासी नन्हेड़ा अनंतपुर थाना भगवानपुर बाइक से जा रहा था। तभी रास्ते में हरिद्वार से आ रहे टेंपो ट्रैवलर ने युवक की बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना होती देख राहगीर घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। इस बीच खुद को लोगों से घिरता देखकर टेंपो ट्रैवलर का चालक फरार हो गया। युवक को कस्बे के निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से टेंपो ट्रैवलर और बाइक को कब्जे में लिया है। थाना प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। मौके पर मिले वाहन पुलिस के कब्जे में हैं। पीड़ित परिवार की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

क्षय रोग के मद्देनजर 2.5 लाख लोगों की सूची तैयार करेंगी आशाएं

रूडकी, एजेंसी। क्षय रोग (टीबी) के उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एक बड़ा महाअभियान शुरू करने की घोषणा की है। इस अभियान के तहत आशा कार्यकर्ता करीब 2.5 लाख लोगों की सूची तैयार करेंगी। इसके लिए वे गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों की जानकारी एकत्र करेंगी। सिविल अस्पताल के क्षय रोग उन्मूलन केंद्र के एसटीएस (सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर) आशीष शर्मा ने बताया कि यह अभियान राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 20 फरवरी के बाद से चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य संभावित टीबी मरीजों की पहचान कर उन्हें समय पर जांच और उपचार से जोड़ना है ताकि टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को तेजी से हासिल किया जा सके। उन्होंने बताया कि विभाग के निर्देशानुसार आशा कार्यकर्ता शहर एवं गांव में घर-घर जाकर सर्वे करेंगी। इस दौरान वे परिवार के लोगों की सूची तैयार कर जिला अस्पताल को भेजेगी। इसके बाद एएनएम टीम की ओर से सूची के आधार पर गांव-गांव जाकर लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी और टीबी के मरीजों को चिह्नित कर उनका इलाज किया जाएगा। सर्वे के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता लोगों को टीबी के लक्षण, जांच प्रक्रिया और मुफ्त इलाज की सुविधा के बारे में भी जागरूक करेंगी।झ बढेडी राजपूतान, बेड़पुर, बेलड़ी सल्हापुर, बेल्डा, ढंडेरी, हत्याथल, इब्राहिमपुर देह, इमली खेड़ा, करौंदी, किशनपुर, लोदीवाला, माधोपुर, मेवहड़ कला, एवं मेहवड़ खुर्द, मोहम्मदपुर पांडा, नन्हेड़ा, अनंतपुर, पनियाला, पुहाना, सालियर, साहपुर, तांशीपुर, सलेमपुर, रामपुर, पाडली गुर्जर और रुड़की नगरीय क्षेत्र।

मुर्गी फार्म में चोरी का आरोपी गिरफ्तार

रूडकी, एजेंसी। कस्बा पुलिस ने ठसका में एक मुर्गी फार्म से हुई मुर्गी दाने की चोरी का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से 10 बैग मुर्गी दाने के बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी का चालान कर दिया है। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के ठसका में रेखा रानी की ओर से संचालित मुर्गी फार्म से 18 जनवरी को चोरों ने गोदाम का ताला तोड़कर 90 बैग मुर्गी दाना चोरी कर लिया था। पीड़िता ने गांव के ही दो युवकों, धर्मवीर और भूरा के खिलाफ नामजद प्राथमिकी को दर्ज कराया था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए नामजद दो आरोपियों में से एक को धर दबोच लिया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी के पास से 10 बैग मुर्गी दाना बरामद हुआ है।

आपराधिक इतिहास ने छीनी अग्निवीर की नौकरी, अब चोरी की बैटरियों के साथ हुआ गिरफ्तार

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बरेली क्षेत्र का रहने वाला अग्निवीर परीक्षा पास युवक हल्द्वानी आकर चोर बन गया. जिसने अपने दो दोस्तों के संग मिलकर सड़क किनारे खड़े ट्रकों और डंफर से बैटरी चुरा लिए. फिर एक कबाड़ी को बेच दिए. अब पुलिस ने कबाड़ी समेत चारों को गिरफ्तार कर लिया है. बताया जा रहा है कि युवक अग्निवीर भर्ती परीक्षा पास कर चुका था, लेकिन आपराधिक इतिहास होने के चलते नौकरी से वंचित रह गया. हल्द्वानी सीओ अमित कुमार ने बताया कि बीती 12 फरवरी को बनभूलपुरा निवासी जुहैब आलम हुसैन ने पुलिस में एक तहरीर दी थी. जिसमें उन्होंने बताया कि 7 फरवरी को उनका ट्रक संख्या ष्ठरुद्धत्र 5376 इंद्रानगर गेट के पास खड़ा था, जिसमें से अज्ञात चोरों ने बैटरी चुरा ली. इसके अलावा आसपास खड़े अन्य वाहनों से भी बैटरियां चोरी होनी की बात भी सामने आई. वहीं, तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम का गठन किया गया. घटना के अनावरण के लिए टीम ने घटना स्थल समेत आसपास के क्षेत्रों के लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो पुलिस के हाथ अहम सुराग लगे. इसी कड़ी में 14 फरवरी को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गौला बाईपास रोड से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया. आरोपियों के कब्जे से चोरी में इस्तेमाल कार और 6 बैटरी भी बरामद हुई है. कबाड़ी को बेचते थे चुराई गई बैटरियां: पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि

वो गौला नदी के पास खड़े ट्रकों से कई बार बैटरी चोरी कर चुके हैं. चोरी की बैटरियां वो कबाड़ी जलील अहमद को बेच देते थे. कुछ बैटरियां आसपास छिपाकर रखते थे और मौका देखकर उठाकर ले जाते थे. पुलिस ने कबाड़ी को भी दबोचा: आरोपियों से बैटरियां लेकर कबाड़ी जलील अहमद उसे तोड़ देता था. फिर वो आगे बेच देता था. ऐसे में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कबाड़ी जलील अहमद को भी गिरफ्तार कर लिया.

आरोपी रंजीत, विनोद और रंजीत पुत्र राम भरोसे के खिलाफ बहेड़ी थाने में दो मुकदमे दर्ज हैं. अब आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जा रहा है. आरोपी विनोद कर चुका है अग्निवीर परीक्षा पास: पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी विनोद ने पहले अग्निपथ योजना के तहत अग्रिवीर भर्ती में हिस्सा लिया था. जिसे उसने पास भी कर दिया था, लेकिन आपराधिक इतिहास होने के चलते वो भर्ती नहीं हो पाया.

ढोल-नगाड़ों के साथ निकाली शिव की बरात

ऋषिकेश, एजेंसी। शिव बरात वीरभद्र महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर वीरभद्र मार्ग, आवास विकास, कोयल घाटी, हरिद्वार मार्ग, क्षेत्र रोड, मुखर्जी मार्ग, रेलवे रोड, तिलक रोड होते हुए पुनः वीरभद्र मार्ग से मंदिर परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। शिव बरात में फाइबर से निर्मित भव्य बैल पर भगवान शिव एवं माता पार्वती विराजमान रहे।

उनके पीछे भूत-पिशाचों के वेश में सजे कलाकारों की टोली आकर्षण का केंद्र बनी। सज रहे भोले बाबा निराले दूल्हे में जैसे भजनों पर कलाकारों की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। शोभायात्रा के दौरान हर ओर रंग-गुलाल उड़ता नजर आया। शोभायात्रा में राधा-कृष्ण, मां काली, हनुमान सहित अनेक आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर व्यापारियों एवं स्थानीय लोगों ने फूलों की वर्षा कर शिव बरात का स्वागत किया एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। शिव बरात के मंदिर परिसर पहुंचने पर महंत राजगिरी महाराज ने भगवान शिव एवं माता पार्वती का तिलक कर विधिवत स्वागत किया। इसके पश्चात बारात में शामिल सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

बाजपुर पप्पू हत्याकांड में 10 साल बाद फैसला, आरोपी पत्नी और प्रेमी बरी

बाजपुर, एजेंसी। उधम सिंह नगर में वर्ष 2015 में बाजपुर में हुए चर्चित मजदूर पप्पू हत्याकांड में तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश मुकेश चंद्र आर्य की अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट ने मृतक की पत्नी और उसके कथित प्रेमी को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया है. अदालत ने कहा अभियोजन पक्ष आरोप सिद्ध करने में असफल रहा, जिसके चलते आरोपियों को संदेह का लाभ दिया गया. जनपद उधम सिंह नगर बाजपुर में वर्ष 2015 में हुए मजदूर पप्पू हत्याकांड में अदालत का फैसला लगभग एक दशक बाद आया है. तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश मुकेश चंद्र आर्य की अदालत ने मृतक की पत्नी और उसके कथित प्रेमी मलखान सिंह को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया है. दोनों पर अवैध संबंधों के चलते पप्पू की बिजली के तार से गला घोंटकर हत्या करने का आरोप था. मामले के अनुसार, गणेश घाट, स्वार, रामपुर निवासी मनोज कुमार

ने थाना बाजपुर में मुकदमा दर्ज कराया था. उसने आरोप लगाया था कि उसका बड़ा भाई पप्पू पिछले चार वर्षों से बाजपुर में रहकर दिहाड़ी मजदूरी करता था. उसने यह भी कहा कि पप्पू की पत्नी के हकीमगंज, स्वार (उत्तर प्रदेश) निवासी मलखान सिंह से अवैध संबंध थे. जिसको लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था. 22 अप्रैल 2015 की रात पप्पू का शव थाना बाजपुर क्षेत्र के एक खेत में मिला था. पुलिस जांच के दौरान पत्नी से पूछताछ की गई. जिसमें कथित रूप से उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या करने की बात स्वीकार की थी. पुलिस के अनुसार घटना के समय पप्पू शराब के नशे में था. हालांकि, अदालत में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता विक्रमजीत सिंह और आरडी मजूमदार ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत करने में असफल रहा है. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने पाया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर्याप्त नहीं हैं. इसी आधार पर संदेह का लाभ देते हुए दोनों को दोषमुक्त करार दिया गया है. इस फैसले के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है, जो वर्षों तक क्षेत्र में सुर्खियों में बना रहा था.

खेल सुधारेगा और डेटा भी देगा सेंसर वाला बल्ला, टेक्नोलॉजी से युवाओं के खेल को निखार रहे कोच

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। हल्द्वानी में खेल बाजार में सेंसर बैट, बॉल मशीन, ग्रेफाइट हॉकी और हल्के आधुनिक उपकरणों के बढ़ते इस्तेमाल ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को नई दिशा दी है। हल्द्वानी के खेल मैदान में फैसलों को तकनीक के साथ लेने पर स्पोर्ट्स बाजार में भी टेक्नोलॉजी ने जगह बनाई है। कभी लकड़ी की हॉकी से शुरू हुआ सफर ग्रेफाइट की हॉकी और सामान्य क्रिकेट बैट की जगह सेंसर वाले बैट बाजार में पहुंच गए हैं।

खेल बाजार में आए बदलाव ने खेल को आसान बनाने के साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी निखारा है। समय के साथ क्रिकेट को निखारने के लिए बाजार में तमाम उपकरणों ने जगह बनाई है। इसमें बॉल मशीन, सेंसर बैट प्रमुख है। बॉल मशीन को हल्द्वानी की एकेडमी में कोचिंग देने के लिए कोच इस्तेमाल करते हैं।

इससे खिलाड़ियों को तेज स्पीड से बिना गेंदबाज के फेंका जाता है। सेंसर बैट से खिलाड़ी अपनी बैटिंग स्किल को बेहतर बनाते हैं।

हालांकि सेंसर वाला बैट केवल प्रैक्टिस में इस्तेमाल किया जा सकता है। टेनिस बैट पहले भारी और सामान्य साइज के रहते थे। अब ये काफी हल्के और लेंथ में बड़े बनाए जा रहे हैं जिससे टी-20 फॉर्मेट में पसंद किया जा रहा है। कोच दान सिंह कन्याल बताते हैं कि खिलाड़ियों के पहले की तुलना में आगे बढ़ने के काफी मौके हैं जिसमें तकनीक की अहम भूमिका है। तमाम तकनीक उपकरणों ने खेल को आसान बना दिया है। हॉकी कोच गोविंद लटवाल बताते हैं कि पुराने समय में हॉकी की स्टिक लकड़ी की होती थी जिसकी कीमत मात्र 500 से 700 रुपये होती थी। एस्ट्रो टर्फ के मैदान में यह पानी से फूल जाती थी। अब ग्रेफाइट और कार्बन फाइबर हॉकी को खिलाड़ी पसंद कर रहे हैं।

इनकी कीमत दो हजार से शुरू होकर 25 हजार रुपये तक है। ये मजबूत होने के साथ वजन में हल्की और शॉट सटीक लगाती है। करीब 20 वर्ष पहले काले रंग की साधारण फुटबॉल आती थी जिसमें सिलाई और ब्लेडर का इस्तेमाल होता था।

अब वन पीस पीयू मटीरियल वाली वाटरप्रूफ फुटबॉल का दौर है जिसका वजन भी पहले के मुकाबले 100 से 150 ग्राम कम कर दिया गया है। एक दौर था जब हेवी शूज आते थे लेकिन अब इनकी जगह लाइट वेट जूतों ने ले ली है। खेल सामग्री कारोबारी अशोक कनवाल बताते हैं कि फुटबॉल के सामान में भी बड़ा बदलाव हो गया है। कपिल बोरा बताते हैं कि क्रिकेट के सामान में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ा है। बैट में सेंसर के साथ, बॉल मशीन के साथ प्रैक्टिस के लिए नए उपकरण लगातार आ रहे हैं। विदेशों में चिप वाली सेंसर बॉल भी इस्तेमाल होने लगी जिसके जल्द भारतीय बाजार में पहुंचने की उम्मीद है। धागे वाली साधारण रस्सी की जगह अब लेदर और गियर वायर वाली स्किपिंग रोप ने ले ली है। इनमें बेरिंग और काउंटर लगे होते हैं जो स्पीड बढ़ाने और जंप गिनने में मदद करते हैं। खिलाड़ियों की ड्रेस अब नायलॉन या कॉटन के बजाय फोर-वे लाइक्रा और एनएस फैब्रिक की बन रही हैं। यह कपड़ा शरीर के मूवमेंट के साथ आसानी से खिंचता है जिससे खिलाड़ियों को मैदान पर अधिक लचीलापन मिलता है।

हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष समेत तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

ऋषिकेश, एजेंसी। कोटद्वार में चल रहे मोहम्मद दीपक मामले में हिंदू रक्षा दल ने बृहस्पतिवार को वहां जाने का ऐलान किया था। इसको लेकर पुलिस सतर्क थी। दल के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा अपने साथियों के साथ देहरादून से ऋषिकेश होते हुए कोटद्वार के लिए निकले। पुलिस टीम ने उन्हें और करीब बीस कार्यकर्ताओं को इंद्रमणि बडोनी चौक के समीप रोक दिया।

इसके बाद सभी को लेकर पुलिस कोतवाली पहुंची। मामले में कोतवाली के अपर उप निरीक्षक मनीष पंवार की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बताया कि दोपहर करीब डेढ़ बजे हिंदू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा, अंतरराष्ट्रीय धर्म प्रचारक मंडल के महंत अनुपम गिरी, धर्म प्रचारक शिव मोहन बाबा आदि को शांति और कानून व्यवस्था को देखते हुए इंद्रमणि बडोनी चौक से कोतवाली लाया गया।

ये लोग कोटद्वार जाने की तैयारी में थे।

बाद में उन्होंने कोटद्वार जाने से मना कर दिया।

जब वह कोतवाली से जाने लगे तो परिसर के गेट के सामने मौजूद पत्रकारों के समक्ष भड़काऊ और आपत्तिजनक बयानबाजी की। मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने, समाज में वैमनस्यता फैलाने, किसी व्यक्ति को उकसाने के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है।

प्रभारी निरीक्षक केसी भट्ट ने कहा कि मामले में जांच की जा रही है। जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के जेवरात के साथ एक गिरफ्तार

रूडकी, एजेंसी। गंगनहर कोतवाली को डोडी चौहान निवासी सिंचाई विभाग कॉलोनी ने तहरीर देकर बताया था कि छह फरवरी को वह ड्यूटी पर गए थे। परिवार के लोग छत पर थे। कुछ देर बाद परिवार के सदस्य कमरे में पहुंचे तो अलमारी खुली मिली और वहां से जेवरात गायब थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी खंगालने के अलावा संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। इंस्पेक्टर मनी भूषण श्रीवास्तव ने बताया कि शुभम निवासी मिलाप नगर ढंढेरा कोतवाली रुड़की को जेवरात के साथ गिरफ्तार किया गया है।

कुमाऊं में शिवरात्रि पर सात रंग बदलता है शिवलिंग, मसूरी का मौसी फॉल मंदिर भी है खास

खटीमा/मसूरी/बेरीनाग, एजेंसी। महाशिवरात्रि 2026 के पावन अवसर पर देशभर के शिवालयों में भक्तों का सैलाब उमड़ा हुआ है. सीमांत क्षेत्र खटीमा के चकरपुर स्थित प्राचीन और ऐतिहासिक वनखंडी महादेव मंदिर में भी आस्था का महासागर देखने को मिला. जहां तड़के चार बजे से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई. कुमाऊं के इतिहास में वर्णित यह एक ऐसा शिवालय है, जिसका शिवलिंग शिवरात्रि पर सात रंग बदलता है. यही वजह है कि भारत और नेपाल के लाखों श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचकर जलाभिषेक करते हैं. बता दें कि देवभूमि उत्तराखंड में सैकड़ों की संख्या में मंदिर मौजूद हैं. सभी मंदिरों की अपनी-अपनी मान्यताएं हैं. जिनको लेकर लाखों लोग इन धार्मिक स्थानों पर अपनी आस्था रखते हैं. ऐसा ही सीमांत क्षेत्र खटीमा के चकरपुर जंगलों के नजदीक वनखंडी महादेव का शिवालय है, जिसे पांडव काली माना जाता है. मान्याता है कि इस शिव मंदिर का शिवलिंग महाशिवरात्रि के दिन सात रंग बदलता है. रंग बदलते हैं स्वयंभू शिवलिंग: वनखंडी महादेव मंदिर के संबंध में मान्यता है कि यहां स्थापित स्वयंभू शिवलिंग महाशिवरात्रि के दिन सात रंग बदलता है. इसी चमत्कारी विश्वास के कारण यह मंदिर कुमाऊं क्षेत्र में विशेष आस्था का केंद्र बना हुआ है. स्थानीय बुजुर्गों का कहना है कि पांडव

कालीन इतिहास से जुड़े इस मंदिर का उल्लेख क्षेत्रीय लोक कथाओं में भी मिलता है. 12 दिवसीय मेला है खास: महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर परिसर में 12 दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया गया है. मेले में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भजन-कीर्तन, झांकियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं. बच्चों के लिए झूले और खेल-खिलौनों की दुकानें आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं. नेपाल से भी पहुंचे हजारों भक्त: वहीं, स्थानीय हस्तशिल्प और खाद्य पदार्थों की दुकानों पर भी भारी भीड़ देखी जा रही है. सीमांत क्षेत्र होने के कारण इस मेले में पड़ोसी देश नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. श्रद्धालु जल, दूध, बेलपत्र और धतूरा अर्पित कर भगवान शिव से सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे हैं. भक्तिमय हुआ खटीमा: महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर वनखंडी महादेव मंदिर में उमड़ी आस्था ने पूरे खटीमा क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया है. हर ओर गूंजते 'हर-हर महादेव' के जयकारों से सीमांत की फिजा पूरी तरह शिवमय हो उठी है. मसूरी के मौसी फॉल मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक: पहाड़ों की रानी कही जाने वाली मसूरी और उसके आसपास के मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. भक्तों ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर शिवलिंग पर दूध, जल और बेलपत्र अर्पित किए. महाशिवरात्रि पर मसूरी के बार्लोगंज के मेरिविल स्टेट क्षेत्र स्थित मौसी फॉल के प्राचीन शिव मंदिर में विशेष आकर्षण देखने को मिला. यहां तड़के चार बजे से ही भक्तों की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं. 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा. मंदिर परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन और रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया.

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने अत्याधुनिक मल्टी-लेवल कार पार्किंग का किया उद्घाटन

उप राज्यपाल के नेतृत्व और केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली सरकार अच्छे नतीजे दे रही है: सीएम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को नेहरू प्लेस स्थित छह मंजिला मल्टी-लेवल पार्किंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उप राज्यपाल का मार्गदर्शन दिल्ली के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने केंद्र और उप राज्यपाल के साथ समन्वय स्थापित करने का अपेक्षित प्रयास नहीं किया, जिस कारण अनेक जनहित से जुड़े कार्य वर्षों तक लंबित रहे। इसके विपरीत, उप राज्यपाल ने विभिन्न स्थलों का स्वयं निरीक्षण कर नालों की सफाई, सड़कों के निर्माण व बुनियादी

ढांचे से संबंधित परियोजनाओं की लगातार निगरानी की। वह उस समय भी दिल्लीवासियों की सेवा में सक्रिय रहे, जब व्यवस्थाएं ठहराव का सामना कर रही थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप राज्यपाल के नेतृत्व और केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली सरकार मिलकर काम कर रही है और अच्छे नतीजे दे रही है। इसी संयुक्त प्रयास से दिल्ली को साफ, सुव्यवस्थित और विकसित बनाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। मल्टी-लेवल पार्किंग की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि यह नई छह मंजिला आधुनिक पार्किंग एक समय में 650 चार पहिया और 352 दोपहिया वाहन खड़े करने की क्षमता रखती है। रोटेशन के आधार पर यहां प्रतिदिन करीब 2,000 वाहनों को पार्किंग की सुविधा मिलेगी। उन्होंने इसे दिल्ली की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि राजधानी के जिन इलाकों में पार्किंग की कमी है, वहां डीडीए की उपलब्ध जमीन पर पार्क या पार्किंग बनाने की व्यापक योजना तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि इससे पूर्व पंजाबी बाग में ऑटोमेटिक मल्टी-लेवल पजल पार्किंग और ग्रेटर कैलाश में आधुनिक ऑटोमेटिक शटल पार्किंग का उद्घाटन किया जा चुका है, जबकि पूर्ववर्ती सरकारों के समय में प्रस्तावित कई पार्किंग परियोजनाएं फाइलों में ही लंबित रहीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रुके हुए विकास कार्यों को गति देना जनता के एकमत की शक्ति का परिणाम है। उन्होंने उप राज्यपाल के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में जो भी उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं, उनमें उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भाजपा जनकल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐतिहासिक व भव्य स्वागत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भाजपा जनकल्याण मंच के दिल्ली प्रदेश मीडिया प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि विष्णु ग्रीन्स, आर्गन हॉल, जी.टी. रोड, लाल कुआँ में भाजपा जनकल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष दर्शन आर. शाह के सम्मान में एक भव्य, ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने पुष्पमालाओं, शाल एवं पगड़ी पहनाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष का गरिमामय स्वागत किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष दर्शन आर. शाह के साथ राष्ट्रीय महामंत्री भाविन भाई पटेल, राष्ट्रीय महामंत्री रमेश भाई महेश्वरी, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित संतोष मिश्रा तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष सनत कुमार प्रजापति का भी पुष्पमाला व पटका पहनाकर स्वागत किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर किशन मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रामजी लाल वैष्णव, किसान मोर्चा प्रदेश सचिव पंकज शर्मा, मेरठ मंडल अध्यक्ष सचिन कुमार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष रोहित यादव, जिला मंत्री किसान मोर्चा कृष्णपाल सिंह, प्रदेश मंत्री कुबेर दत्त शर्मा, मीडिया प्रभारी विनोद तिवारी सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, महामंत्री एवं सैकड़ों समर्पित कार्यकताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने ओजस्वी संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष दर्शन आर. शाह ने कहा कि भाजपा जनकल्याण मंच केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा, जनसेवा और जनविश्वास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में मंच का विस्तार देश के प्रत्येक प्रदेश, प्रत्येक जिले और प्रत्येक बूथ तक किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि भाजपा सरकार द्वारा गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्ग के लिए किए जा रहे ऐतिहासिक कार्यों को घर-घर तक पहुँचाना हम सभी का दायित्व है। जनसुनवाई, जनसमस्या समाधान और जनसंवाद को सशक्त बनाते हुए अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाना ही मंच का मूल उद्देश्य है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित संतोष मिश्रा ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि संगठन में अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति से ही परिवर्तन संभव होता है। उन्होंने मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा किए जा रहे निरंतर जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना करते हुए सभी को संगठित, जागरूक और सक्रिय रहने का संदेश दिया। विशेष रूप से मेरठ मंडल अध्यक्ष सचिन कुमार शर्मा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने इसे अन्य पदाधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। समारोह राष्ट्रसेवा के संकल्प, संगठन विस्तार की दृढ़ इच्छाशक्ति और भाजपा जनकल्याण मंच को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

दिल्ली विश्वविद्यालय में साहित्यिक मोड़ : शिक्षार्थ से सेवार्थ तक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय के 104 वर्ष के इतिहास में पहली बार आयोजित तीन दिवसीय साहित्य महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं था, बल्कि यह विश्वविद्यालय की बौद्धिक चेतना के सार्वजनिक पुनर्प्रस्तुतीकरण का अवसर था। विश्वविद्यालय परिसर में हुए इस व्यापक कार्यक्रम ने यह संकेत दिया कि शिक्षा संस्थान केवल डिग्री प्रदान करने वाले केंद्र नहीं, बल्कि विचार, संवाद और सांस्कृतिक आत्मबोध के मंच भी हैं। प्रस्तुत विवरण के आधार पर यदि इस महोत्सव का मूल्यांकन किया जाए तो स्पष्ट होता है कि यह आयोजन अपने स्वरूप, संरचना और संदेश—तीनों स्तरों पर एक महत्वपूर्ण पहल रहा। सबसे पहले, इस महोत्सव की ऐतिहासिकता उल्लेखनीय है। 104 वर्षों में पहली बार विश्वविद्यालय स्तर पर साहित्य के नाम से एक संगठित, बहुस्तरीय और बहु-विषयी उत्सव आयोजित होना यह दर्शाता है कि संस्थान अपनी सांस्कृतिक जिम्मेदारी को नए सिरे से समझ रहा है। किसी भी विश्वविद्यालय का बौद्धिक चरित्र उसके पाठ्यक्रमों से जितना बनता है, उतना ही उसके सार्वजनिक विमर्शों से भी बनता है। इस दृष्टि से यह महोत्सव एक नई परंपरा की शुरूआत माना जा सकता है। महोत्सव का उद्घाटन और समापन दोनों ही अवसरों पर कुलपति योगेश सिंह की उपस्थिति और उनके विचारों ने आयोजन को स्पष्ट वैचारिक दिशा प्रदान की। उनका यह कथन कि साहित्य हमें सोचना, समझना और बोलना सिखाता है केवल एक प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि वर्तमान समय की एक गंभीर टिप्पणी है। आज जब डिजिटल माध्यमों ने अभिव्यक्ति को आसान बना दिया है, तब विचार की गहराई कम होती प्रतीत होती है। ऐसे समय में साहित्य की ओर लौटना, ठहराव और चिंतन की संस्कृति को पुनर्जीवित करना, एक दूरदर्शी पहल है। मूल्यांकन के स्तर पर देखा जाए तो महोत्सव की सबसे बड़ी शक्ति उसका वैचारिक फोकस रहा—राष्ट्र प्रथम, एकता में अनेकता। यह ध्येय वाक्य केवल औपचारिक नारा नहीं था; पूरे आयोजन में इसकी छाया स्पष्ट दिखी। विभिन्न सत्रों में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता, भारतीय ज्ञान परंपरा और वैश्विक संदर्भ में भारत की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इससे यह स्पष्ट होता है कि साहित्य को केवल रचनात्मक अभिव्यक्ति तक सीमित न रखकर उसे राष्ट्रीय और सामाजिक विमर्श से जोड़ा गया। हालाँकि, किसी भी आयोजन का मूल्यांकन केवल उसकी भव्यता से नहीं, बल्कि उसकी गहराई से किया जाना चाहिए। प्रस्तुत विवरण से यह स्पष्ट है कि विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही—उन्होंने प्रश्न पूछे, संवाद में हिस्सा लिया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उपस्थित रहे। यह सकारात्मक संकेत है, क्योंकि विश्वविद्यालय का कोई भी आयोजन तभी सार्थक होता है जब विद्यार्थी केवल दर्शक न होकर सहभागी बनें। यदि इस भागीदारी को आगे भी संरक्षित और प्रोत्साहित किया जाए, तो यह महोत्सव वास्तव में एक बौद्धिक आंदोलन का रूप ले सकता है। कुलपति द्वारा बार-बार सोचने की क्षमता पर बल देना विशेष ध्यान देने योग्य है। उनका यह कहना कि यदि समाज की सोचने की क्षमता कमजोर हो जाए तो लोकतंत्र भी मजबूत नहीं रह सकता—एक गहरी राजनीतिक-सामाजिक टिप्पणी है। विश्वविद्यालयों की भूमिका केवल ज्ञान-संप्रेषण तक सीमित नहीं, बल्कि आलोचनात्मक चिंतन विकसित करना भी है। इस संदर्भ में साहित्य महोत्सव को एक अकादमिक विस्तार के रूप में देखा जा सकता है, जो औपचारिक कक्षाओं के बाहर भी बौद्धिक वातावरण निर्मित करता है। महोत्सव के दौरान आयोजित संवाद सत्रों का स्वरूप भी उल्लेखनीय रहा। कुलपति द्वारा विभिन्न वक्ताओं से सीधे और गहरे प्रश्न पूछना यह दशार्ता है कि मंच केवल औपचारिक भाषणों तक सीमित नहीं था। प्रश्नोत्तर की यह संस्कृति विश्वविद्यालय की जीवंतता का प्रमाण है। संवाद का यह मॉडल यदि भविष्य में भी जारी रहता है, तो यह छात्रों में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित करने में सहायक होगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और कवि सम्मेलन को भी इस मूल्यांकन में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। साहित्य केवल बौद्धिक विमर्श नहीं, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति भी है। वीर रस, हास्य रस, प्रेम और राष्ट्रभक्ति—इन सबके माध्यम से यह संदेश गया कि साहित्य बहुआयामी है। हालांकि संपादकीय दृष्टि से यह भी आवश्यक है कि भविष्य में विविध वैचारिक धाराओं को और अधिक संतुलित रूप से मंच दिया जाए, ताकि साहित्यिक विविधता और भी व्यापक रूप में सामने आए।

जेएनयू में राष्ट्र विरोधी नारेबाजी के खिलाफ वकील विनीत जिंदल ने की शिकायत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) परिसर में निकले चेतावनी जुलूस और कथित तौर पर वामपंथियों के दिए ब्राह्मण-ठाकुर विरोधी भड़काऊ नारेबाजी को लेकर उच्चतम न्यायालय के वकील विनीत जिंदल ने सोमवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त को औपचारिक शिकायत दी। उन्होंने एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। वकील विनीत जिंदल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि जेएनयू में हुए एक विरोध-प्रदर्शन के दौरान ब्राह्मण व ठाकुर समाज के लिए भड़काऊ और आपत्तिजनक नारेबाजी को लेकर दिल्ली पुलिस आयुक्त को औपचारिक शिकायत दी है। विनीत जिंदल ने कहा कि जो नारे लगाए गए वो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत अपराध है। उन्होंने लिखा कि शिकायत में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है, ताकि ऐसे अपराध फिर न हो।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी मशहूर संगीतकार और गायक स्वर्गीय बप्पी लाहिडी को उनकी चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नेशनल मीडिया नेटवर्क फिल्म एंड टीवी अवार्ड्स फाउंडेशन नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ के राष्ट्रीय महासचिव शिक्षाविद् डॉ.दयानंद वत्स भारतीय ने संघ के मुख्यालय बरवाला में बहुमुखी प्रतिभा के धनी मशहूर संगीतकार और गायक बप्पी लाहिडी को आज उनकी चौथी पुण्यतिथि पर उनके करोडों प्रशंसकों की और से अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि बप्पी दा ने बॉलीवुड में डिस्को म्युजिक की शुरूआत की। ह्यआईएमए डिस्को डांसरह्ल गीत ने मिथुन चक्रवर्ती को सफलता की नई उंचाईयों पर पहुंचाया। डर्टी पिक्चर का विद्या बालनपर फिल्माया बप्पी दा की आवाज में गाए गीत ऊ लाला ऊ लाला ने फिल्म को सुपर हिट बना दिया। 1975 में उनकी संगीतबद्ध फिल्म जख्मी के सारे गीत सुपर डुपर हिट थे। जलता है जिया मेरा भीगी भीगी रातों में, दिल में होली जल रही है के बाद कभी पीछे मुडकर नहीं देखा। चलते चलते मेरे ये गीत याद रखना कभी अलविदा ना कहना जैसे हजारों गीतों को अपना संगीत और अपनी आवाज देकर बप्पी दा ने करोडो श्रोताओं के दिलों में अपनी जो अमिट छाप छोडी है वह सदा उनके गीतों में अमर रहेगी।

इंडिया समिट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महाकुंभ: जितिन प्रसाद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने पांच दिवसीय एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ह्यमहाकुंभह्ल बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का बड़ा स्तर और भारी भागीदारी भारत की डिजिटल यात्रा के लिए एक ऐतिहासिक पल है। एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में फ्रॉम एआई यूजर टू क्रिएटर सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने नवाचारकों और उद्यमियों से अपील की कि वे एआई को अपनाएं और इसके जरिए नए समाधान तैयार करें, जो भारत को आत्मनिर्भर और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाएं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एआई का सिर्फ उपयोग करने वाला देश नहीं रहा, बल्कि अब एआई बनाने वाला देश बन रहा है। उन्होंने बताया कि तकनीक और व्यापार देश की आर्थिक प्रगति के

दो मुख्य इंजन बनकर उभर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जो सरकारें तेजी से बदलती तकनीक के साथ खुद को नहीं ढालेंगी, वे वैश्विक दौड़ में पीछे रह जाएंगी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की टैलेंट कैपिटल है, लेकिन भविष्य की तकनीकों को अपनाते रहना जरूरी है। मंत्री ने कहा कि एआई केवल पढ़ाई का विषय नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे युवाओं के कौशल विकास का साधन बनाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि एआई का उपयोग अलग-अलग क्षेत्रों और राज्यों की जरूरतों के अनुसार किया जाए, न कि केवल बड़े भाषा मॉडल तक चर्चा सीमित रखी जाए। उनके अनुसार, ग्लोबल साउथ के देश अब सैद्धांतिक बहस नहीं, बल्कि ऐसे एआई समाधान चाहते हैं जो लोगों के जीवन पर सीधा असर डालें और कारोबार करने तथा जीवन जीने को आसान बनाएं। उन्होंने कहा कि उन्नत तकनीक कुछ लोगों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। डेटा को एआई इकोसिस्टम का ईंधन बताते हुए उन्होंने कहा कि अच्छी गुणवत्ता वाला डेटा उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि तकनीक वास्तव में लोगों के जीवन में बदलाव ला सके। इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में 2.5 लाख से अधिक लोगों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस आयोजन का उद्देश्य वैश्विक एआई क्षेत्र में नई साझेदारियां और व्यापार के अवसर पैदा करना है।

फांसी घर मामले में विशेषाधिकार समिति ने केजरीवाल और अन्य को दिया अंतिम अवसर

अरविंद केजरीवाल और अन्य ने लिखित जवाब देकर कर समिति के समक्ष पेश होने के लिए मांगा समय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, राम निवास गोयल और राखी बिरला को ह्यफांसी घरह्ल मामले में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने और अपना पक्ष रखने के लिए अंतिम अवसर देने का निर्णय लिया है। समिति ने इस अंतिम उपस्थिति के लिए 6 मार्च 2026 की तिथि निर्धारित की है। यह निर्णय आज हुई विशेषाधिकार समिति की बैठक में लिया गया, जिसमें चारों व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुत लिखित जवाब पर विचार किया गया। इन उत्तरों में उन्होंने अपना पक्ष के लिए कुछ दिनों की मोहलत मांगी है। विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह राजपूत ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने लिखित जवाब में 2, 3, 4, 5 या 6 मार्च में से किसी भी दिन पेश होने का समय मांगा है। इसी तरह पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिरला ने भी कुछ दिनों का समय मांगा है। समिति ने इन अनुरोधों को स्वीकार करते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए अंतिम तिथि 6 मार्च तय की है जिससे जांच प्रक्रिया में और देरी न हो। यह मामला मूल रूप से दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता द्वारा उठाया गया था। यह 9 अगस्त 2022 को दिल्ली विधानसभा परिसर के भीतर उद्घाटन किए गए फांसी घर की प्रमाणिकता से संबंधित है। विशेषाधिकार समिति को उद्घाटन से जुड़ी परिस्थितियों का तथ्यात्मक और प्रक्रियात्मक मूल्यांकन करने और मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया था। इन सभी को विशेषाधिकार समिति के समक्ष अपना पक्ष रखने के लिए कई मौके दिए गए थे,लेकिन वे पिछले दिए गए सभी अवसरों पर समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। समिति में अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह राजपूत के साथ सूर्य प्रकाश खत्री, अभय कुमार वर्मा, अजय कुमार महावर, सतीश उपाध्याय, नीरज बसोया,रवि कांत, राम सिंह नेताजी और सुरेंद्र कुमार शामिल हैं। समिति ने पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत अखंडता सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। समिति ने इस बात पर जोर दिया कि निष्पक्ष और व्यापक जांच को पूरा करने के लिए संबंधित सभी व्यक्तियों का सहयोग देना अनिवार्य है।

कवि सम्मेलन में गौमाता की महिमा का हुआ गुणगान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिलशाद गार्डन स्थित श्रीराम मंदिर के निकट ताहिरपुर रेड लाइट पर सर्वोदय प्रभात पार्टी की ओर से गौमाता राष्ट्रमाता संकल्प अभियान के अंतर्गत भव्य कवि सम्मेलन एवं गौसेवक सम्मेलन का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पत्रकार विश्वेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आयोजन सर्वोदय प्रभात पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज से प्रेरणा लेकर किया। कार्यक्रम का उद्देश्य गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक चेतना का प्रसार करना रहा। कवि सम्मेलन में रामचरण सिंह साथी, पी. के. आजाद, अजय मिश्रा दबंग और अंकित चहल विशेष ने अपनी कविताओं के माध्यम से गौमाता की महिमा का वर्णन किया, जबकि मंच

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना (ई–टेंडरिंग द्वारा)

कार्य का नाम तथा स्थान	प्रोविजन ऑफ डुअल डिटेक्शन फॉर ऑटोमैटिक सेक्शन इन बिटवीन SZM-SNP एंड PNP-BBDE सेक्शन I
कार्य की अनुमानित लागत(₹)	₹1,98,64,825.96
धरोहर राशि(₹)	₹2,49,300/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता–C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र अपलोड करने का समय **16.02.2026** / निविदा खुलने की दिनांक **09.03.2026** को 15:00 बजे तक
वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें या देखें नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055

निविदा सं: 558-Sig-16-M-Tender-1467 दिनांक: 16.02.2026 517/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कलर पेंसिल ने भारत का पहला बच्चों का एक्सपीरिएंशियल लर्निंग स्टोर लॉन्च किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली : Color Pencil, भारत की एकीकृत प्रारंभिक शिक्षा एवं बच्चों की कंटेंट कंपनी, ने आज भारत के पहले बच्चों के एक्सपीरिएंशियल लर्निंग स्टोर के शुभारंभ की घोषणा की। यह फ्लैगशिप स्टोर SKYHUB में, जीएसटी रोड, किलंबक्कम, Chennai में स्थित है। इस स्टोर का औपचारिक उद्घाटन 15 फरवरी को प्रसिद्ध अभिनेत्री Vani Bhojan द्वारा विशिष्ट अतिथियों और साझेदारों की उपस्थिति में किया गया। पहली बार बच्चों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए इस एक्सपीरिएंशियल स्टोर में क्यूरेटेड लर्निंग जोन, इंटरैक्टिव प्ले और इमर्सिव डिस्कवरी अनुभवों को एक साथ प्रस्तुत किया गया है। यह स्टोर खेल-खेल में सीखने की एक अनूठी मंज़िल है, जहाँ बच्चे और परिवार मिलकर सीखने के नए तरीकों का अनुभव कर सकते हैं। यह लॉन्च Color Pencil' की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और साथ ही ब्रांड की नई पहचान (Brand Identity) के अनावरण का भी प्रतीक है, जो इसके भविष्य-केंद्रित दृष्टिकोण को दशार्ता है। चेन्नई में शुरू हुआ यह स्टोर अगले दो वर्षों में देश के प्रमुख शहरों में प्रस्तावित छह एक्सपीरिएंशियल स्टोर्स में पहला है। यह पहल पारंपरिक कक्षाओं और स्क्रीन-आधारित शिक्षा से आगे बढ़कर बच्चों के सीखने के अनुभव को नया रूप देने की Color Pencil की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। Color Pencil के संस्थापक पी. नारायणन ने कहा: शुरूआत से ही Color Pencil का उद्देश्य रहा है सीखने को सरल, आनंददायक और वास्तव में प्रभावी बनाना। हमारा एक्सपीरिएंशियल स्टोर इसी दर्शन का भौतिक रूप है। यह बच्चों को करके सीखने, खोजने और समझने का अवसर देता है, वह भी एक ऐसे वातावरण में जो खासतौर पर उनके लिए बनाया गया है। चेन्नई से शुरू हुई यह यात्रा अगले दो वर्षों में कई भारतीय शहरों तक पहुँचेगी। Color Pencil की सीईओ मीना छाबरिया ने कहा: यह स्टोर Color Pencil के लिए केवल रिटेल विस्तार नहीं, बल्कि यह इस बात की नई शुरूआत है कि प्रारंभिक शिक्षा को कैसे अनुभव किया जाए। हमारी नई ब्रांड पहचान के साथ हम स्क्रीन-स्मार्ट, प्ले-आधारित और शोध-समर्थित लर्निंग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहे हैं। हमारे ऐप्स, गेम्स, किताबें और लर्निंग टूल्स इस एक्सपीरिएंशियल फॉर्मेट में एक साथ आकर बच्चों और माता-पिता के लिए एक समग्र लर्निंग इकोसिस्टम बनाते हैं।

ब्लॉक स्तर तक वकीलों को जोड़कर संगठन सुदृढ़ कर रही कांग्रेस: देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा है कि संगठन सृजन अभियान के तहत प्रत्येक ब्लॉक में कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े वकीलों को लीगल व मानव अधिकार विभाग के साथ जोड़कर संगठन को मजबूत करने का कार्य किया गया है। उन्होंने वकीलों की भूमिका को लोकतांत्रिक व्यवस्था के संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह वर्ग हमेशा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करता रहा है और संविधान की रक्षा में अग्रणी भूमिका निभाता आया है। राजीव भवन स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में लीगल व मानव अधिकार विभाग के चेयरमैन एडवोकेट सुनील कुमार द्वारा वकीलों की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भाग लिया। बैठक

के दौरान देवेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी का लीगल व मानव अधिकार विभाग केवल संगठनात्मक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को न्याय दिलाने के लिए संवैधानिक अधिकारों तथा मानव अधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ निरंतर संघर्ष करता है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना है और इसके लिए विधि क्षेत्र से जुड़े लोगों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिवक्ताओं से अपेक्षा जताई कि वे न्याय और संविधान की मूल भावना को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। एडवोकेट सुनील कुमार ने कहा कि देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में संगठनात्मक कार्यों के साथ वकील वर्ग को जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं। वकीलों को समय-समय पर विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपकर दिल्ली के सभी जिलों, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय तक संगठन को सशक्त बनाया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अधिवक्ताओं का यह समूह पूरी दिल्ली में सक्रिय होकर पार्टी की विचारधारा को मजबूती प्रदान कर रहा है। बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं ने संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

उत्तर रेलवे

सार्वजनिक सूचना

उन्नत बेड लिनेन वस्तुओं हेतु बीआईएस लाइसेंसिंग के संबंध में

उत्तर रेलवे निम्नलिखित उन्नत बेड लिनेन वस्तुओं के लिए निविदाएं जारी करने की योजना बना रहा है। जो बीआईएस लाइसेंस धारक निविदा की पात्रता शर्तों को पूर्ण करेंगे, वे इन निविदाओं में भाग लेने के पात्र होंगे।

क्र.सं.	वस्तु	बीआईएस मानक	विवरण
1.	बेडशीट	IS:18739:2024 या नवीनतम	वैरायटी नंबर 03
2.	तकिया कवर	IS:18739:2024 या नवीनतम	वैरायटी नंबर 03
3.	कंबल कवर	IS:18739:2024 या नवीनतम	वैरायटी नंबर 02
4.	स्नान तौलिया	IS:7056:2024 या नवीनतम	वैरायटी नंबर 02
5.	हाथ का तौलिया	IS:7056:2024 या नवीनतम	वैरायटी नंबर 02
6.	कंबल	IS:12848:2024 या नवीनतम	टाइप 02
7.	तकिया	IS:18930:2024 या नवीनतम	टाइप 01

सभी संभावित निर्माता / ओईएम को सलाह दी जाती है कि वे उपरोक्त वस्तुओं हेतु आवश्यक बीआईएस लाइसेंस प्राप्त करने के लिए बीआईएस से संपर्क करें, ताकि इन निविदाओं में भाग लेने की उनकी पात्रता सुनिश्चित हो सके। यह सूचना व्यापक प्रचार–प्रसार एवं संबंधित सभी पक्षों की जानकारी हेतु जारी की जाती है।

516/2026 –जनहित में जारी

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 17 फरवरी, 2026

संक्षिप्त खबरें

इंद्रलोक इंडस्ट्रियल एरिया में प्लास्टिक फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली। दिल्ली के इंद्रलोक इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार दोपहर एक प्लास्टिक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। दमकल विभाग ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मौके पर बड़ी संख्या में गाड़ियां रवाना कीं। आग को मीडियम श्रेणी का बताया गया। दमकल विभाग के अनुसार, दोपहर करीब 1:50 बजे आग लगने की सूचना मिली। मौके पर कुल 23 दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। इनमें 9 वाटर टेंडर, 8 वाटर बाउजर, 2 मोटर पंप, एक हाइड्रोलिक टर्नटेबल, एक रेस्क्यू टेंडर, एक फोम ब्रेथिंग फायर टेंडर और एक फोम कंट्रोल कैरियर शामिल थे। दमकल विभाग की टीम ने समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया, जिससे आसपास की अन्य इकाइयों तक आग फैलने से रोका जा सका। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

जनसमस्याएं न सुनने वाले प्रतिनिधियों का हो सामाजिक बहिष्कार: चंद्रभानु शर्मा

नई दिल्ली। पूर्व पुलिस अधिकारी व समाजसेवी चंद्रभानु शर्मा ने कहा है कि जनप्रतिनिधि लगातार जनता का विश्वास खोते जा रहे हैं, जो प्रजातंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय लोकसभा, विधानसभा या निगम के प्रत्याशी घर-घर जाकर हाथ जोड़ते हैं और पैर तक छूते हैं, लेकिन जीत हासिल करते ही उनका व्यवहार तेजी से बदल जाता है। जनता के बीच जाकर समस्याएं सुनने के बजाय वे पल्ला झाड़ने लगते हैं और कई बार मिलने से भी इंकार कर देते हैं, जिससे आम लोग अपने आप को ठगा हुआ महसूस करते हैं। चंद्रभानु शर्मा ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में भी अधिकांश जनप्रतिनिधियों की स्थिति ठीक नहीं है। चुनाव जीतने के बाद काम करने के बजाय वे दिक्कतों का हवाला देने लगते हैं और बताते हैं कि काम होना कितना कठिन है। यदि यही स्थिति रही तो जनता का विश्वास पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जो जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं की अनदेखी करते हैं, उनका सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिए। ऐसे लोगों को किसी भी मंच पर सम्मानित न किया जाए और सामाजिक कार्यक्रमों में उन्हें महत्व न दिया जाए। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वह ऐसे जनप्रतिनिधियों को खुलकर बताएं कि उनके बिना भी समाज के कार्य किए जा सकते हैं।

ओमप्रकाश प्रजापति अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड सम्मान से अलंकृत

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय के सभागार तीन मूर्ति भवन में हिंदी विकास संस्थान दिल्ली की ओर से आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मान समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ, जिसमें देश-विदेश से आए हिंदी प्रेमियों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों और मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी से प्रकाशित हिंदी पत्रिका टू मीडिया के मुख्य संपादक ओमप्रकाश प्रजापति को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, पत्रकारिता के माध्यम से समाज को जागरूक करने तथा हिंदी साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड -2025 सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छ भेंट किया गया। समारोह में संस्थान के पदाधिकारियों ने ओमप्रकाश प्रजापति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने टू मीडिया के माध्यम से हिंदी को देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। सम्मान प्राप्त करने के बाद ओमप्रकाश प्रजापति ने हिंदी विकास संस्थान के चेयरमैन श्री पियूष गोयल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान की आत्मा है और इसे वैश्विक मंच पर सशक्त रूप से स्थापित करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

एक वर्ष में हर क्षेत्र में तेजी से हुआ विकास: मुकेश गोयल

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली से सांसद प्रतिनिधि मुकेश गोयल ने कहा कि ट्रिपल इंजन सरकार ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में राजधानी के हर वर्ग और हर क्षेत्र में व्यापक विकास कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि जहां अधूरी योजनाओं को पूरा किया गया, वहीं नई योजनाओं पर भी तेजी से काम चल रहा है। उनका कहना था कि भारतीय जनता पार्टी जो कहती है उसे पूरा करके दिखाती है और रेखा गुप्ता सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई, कूड़े के पहाड़ कम करने, परिवहन व्यवस्था सुधारने तथा प्रदूषण से निपटने जैसे क्षेत्रों में ठोस पहल की है।

सूद ने भलस्वा स्थित ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स का किया निरीक्षण

झुग्गी और मलिन बस्तियों में रहने वालों को सम्मानजनक आवास देने के लिए दिल्ली सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है : सूद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को भलस्वा स्थित ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार झुग्गी-झोपड़ी एवं स्लम बस्तियों में रहने वाले निवासियों को सम्मानपूर्वक और सुविधाजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। मंत्री बताया की यहां पर 7400 ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स बनाये गए है,जिनका समय पर आबंटन न होने के कारण अब यह जर्जर हालत में है और इसके पुनर्निर्माण और मरम्मत आदि के कार्य करवाने के लिए आज यह विजिट रखी गयी है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता निरंतर इस विषय को लेकर संवेदनशील और चिंतित रही हैं कि झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों एवं उनके बच्चों को बेहतर और सम्मानजनक जीवन कैसे उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि इन फ्लैट्स का निर्माण करदाताओं के पैसे से हुआ है, इसलिए सरकार इनका समुचित विकास कर पात्र एवं योग्य लाभार्थियों को पारदर्शी तरीके से आवंटित करने पर विचार कर रही है। फिलहाल यह पूरी प्रक्रिया प्रारंभिक चरण में है और पुराने फ्लैट्स की तकनीकी जांच की जा रही है। शहरी विकास मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार की प्रतिबद्धता है कि किसी भी झुग्गी निवासी को विस्थापित नहीं किया जाएगा। उन्हें इन-सीटू डेवलपमेंट, री-डेवलपमेंट अथवा रिहैबिलिटेशन प्लान के तहत सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इस दिशा में तेजी से कार्रवाई की जा रही है। शहरी विकास मंत्री ने दोहराया कि सरकार का उद्देश्य केवल आवास उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को बेहतर, सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन का अवसर प्रदान करना भी है। सूद ने पिछली सरकार पर आक्षेप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के शासनकाल में बने यह फ्लैट इतनी जर्जर अवस्था में हो गए हैं कि अब यह रहने लायक नहीं बचे हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार ने झुग्गियों में रहने वालों के पुनर्वास की न तो कोई योजना बनाई और ना ही समय पर इनका आवंटन किया। जिस कारण से यह फ्लैट इस हालत में पहुंच गए हैं की इनके पुनर्निर्माण में बहुत पैसा लगेगा।

शिक्षक की जाति है पढ़ाना: प्रो. योगेश सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि शिक्षक की कोई जाति नहीं होती। शिक्षक की जाति पढ़ाना है। उसका सामाजिक कर्तव्य ज्ञान और शिक्षा प्रदान करना है। अगर कोई शिक्षक आपस में या विद्यार्थियों के साथ भेदभाव करता है तो वह ठीक नहीं। प्रो. योगेश सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों से संवाद के दौरान बोल रहे थे। कुलपति ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे ध्यान रखें कि विश्वविद्यालय में कोई भी ऐसी अप्रिय घटना न हो जिससे सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचे। विद्यार्थियों को भी समझाएं और स्वयं भी इस विषय इस पर गंभीरता से ध्यान दें। इस दौरान कुलपति ने कॉलेजों व विभागों के विभिन्न वर्गों के शिक्षकों और विद्यार्थियों से अलग-अलग संवाद किया। कुलपति ने कहा कि यूजीसी के जो नए नियम आए हैं वह अभी माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। उन्हें लेकर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं की जानी चाहिए। इस अवसर पर दिल्ली यूनिवर्सिटी वुमेन्स एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो. गीता सहारे ने कहा कि समाज में शांति बनाए रखने के लिए शिक्षकों की अहम भूमिका है। हमारा फर्ज है कि हम बच्चों को समझाएं, कि यह देश हमारा है। गांधी भवन के निदेशक प्रो. केपी सिंह ने कहा कि समाज में संवाद जरूरी है। शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि डीयू कुलपति गत दिनों विश्वविद्यालय में हुई अप्रिय घटना को लेकर बहुत संजीदा हैं; वह अपना निजी नुकसान देख सकते हैं, लेकिन देश का नहीं; और यह मुद्दा देश का है। प्रो. केपी सिंह ने कहा कि कॉलेज, विभाग और फैकल्टि विश्वविद्यालय की बेसिक यूनिट्स होती हैं। हम सब सद्भाव के साथ रहते हैं; अगर कोई विद्यार्थी समस्या लेकर आता है तो हम उसे गंभीरता से सुनें। कोई ये न कहे कि मेरी बात सुनी नहीं गई। इस अवसर पर डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी, दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी, चीफ विजिलेंस ऑफिसर गजेन्द्र सिंह, चेयरमैन इंटरनेशनल रिलेशन प्रो. नीरा अग्निमित्रा, प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. रंजन त्रिपाठी सहित अनेकों शिक्षकों ने भी विश्वविद्यालय व कॉलेज में सामाजिक सद्भाव मजबूत करने पर अपने-अपने सकारात्मक विचार रखे।

लूट के दो मामलों में भगोड़ा गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दो अलग-अलग लूट मामलों में भगोड़े को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बुराड़ी निवासी मंगलू उर्फ मंगू (35) के रूप में हुई है। आरोपित को दोनों मामलों में अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने सोमवार को बताया कि वर्ष 2015 और 2024 में संबंधित अदालतों ने मंगलू को भगोड़ा करार दिया था। पुलिस के मुताबिक, 4 जुलाई 2011 को आरोपित ने अपने दो साथियों के साथ बुराड़ी इलाके में एक मकान में जबरन घुसकर परिवार को डराया-धमकाया और नकदी व जेवरात लूट लिए थे। इसके बाद 3 दिसंबर 2011 को उसने एक अन्य वारदात में चाकू की नोक पर मोबाइल फोन लूट लिया था। दोनों घटनाओं के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच भगोड़े बदमाशों को पकड़ने का अभियान चला रही है। इसी क्रम में पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी की। इस दौरान एसआई कुलदीप को सूचना मिली कि आरोपित संत नगर बुराड़ी में देखा गया है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस ने जाल बिछाकर आरोपित को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह कम पढ़ा-लिखा है और पहले दर्जी का काम करता था, लेकिन नशे की लत लगने के बाद उसने अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए अपराध का रास्ता अपना लिया। पुलिस रिकॉर्ड की जांच में उसके अन्य आपराधिक मामलों में भी संलिप्त होने की पुष्टि हुई है।

मुख्यमंत्री की ओर से एमसीडी को विशेष वित्तीय सहयोग का किया स्वागत : सत्या शर्मा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा दिल्ली नगर निगम को सड़क निर्माण, सफाई व्यवस्था सुदृढ़ीकरण, शिक्षा सुधार एवं सामुदायिक भवनों के विकास के लिए प्रदान किए गए विशेष वित्तीय सहयोग का हार्दिक स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय राजधानी के समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है। सत्या शर्मा ने कहा कि लगभग 1330 करोड़ रुपये की लागत से 60 फुट से कम चौड़ी सड़कों के निर्माण, मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण की योजना से दिल्ली की आधारभूत संरचना को नई मजबूती मिलेगी। लगभग 1000 किलोमीटर सड़कों के उन्नयन से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। उन्होंने सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए स्वीकृत 2300 करोड़ रुपये की दीर्घकालिक योजना का भी स्वागत करते हुए कहा कि मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों एवं इलेक्ट्रिक लिटर पिकर की तैनाती से सफाई व्यवस्था अधिक प्रभावी, पारदर्शी और पर्यावरण अनुकूल बनेगी। यह कदम प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में स्थायी समाधान सिद्ध होगा। स्थायी समिति अध्यक्ष ने नगर निगम के प्राथमिक विद्यालयों के सुधार के लिए अतिरिक्त 50 करोड़ रुपये तथा सामुदायिक भवनों की मरम्मत एवं उन्नयन के लिए 50 करोड़ रुपये के बजट आवंटन को अत्यंत सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि इससे निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिलेगा और छोटे क्षेत्रों में स्थित सामुदायिक भवनों का उपयोग करने वाले नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। सत्या शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा स्थानीय निकायों को सशक्त बनाने की जो पहल की गई है, उससे विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। यह वित्तीय सहयोग केवल बजटीय सहायता नहीं, बल्कि दिल्ली के उज्ज्वल भविष्य में किया गया महत्वपूर्ण निवेश है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दिल्ली नगर निगम सभी परियोजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करेगा, जिससे नागरिकों को स्वच्छ वातावरण, मजबूत बुनियादी ढांचा और बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं का लाभ मिल सके।

सफाई व्यवस्था को और आधुनिक बनाने के लिए करीब 2300 करोड़ की योजना को मंजूरी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी को साफ, विकसित और प्रदूषण-मुक्त बनाने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। सफाई व्यवस्था को और आधुनिक बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने करीब 2300 करोड़ रुपये की लंबी अवधि की योजना को मंजूरी दी है। इसी दिशा में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को करोड़ों रुपये की विशेष आर्थिक मदद दी है। मुख्यमंत्री ने आज एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि दिल्ली के पूरे विकास के लिए नगर निगम जैसे स्थानीय निकायों को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता है। इस मदद में मुख्यमंत्री विकास फंड (सीएमडीएफ) से भी विशेष राशि शामिल है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजधानी में साफ-सफाई की व्यवस्था और 60 फुट से कम चौड़ी सड़कों का रख-रखाव दिल्ली नगर निगम के पास है। इसी को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान सड़कों को पक्का करने और विकास कार्यों के लिए लगभग 1330 करोड़ रुपये के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इसके माध्यम से लगभग 1000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण, मरम्मत और सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। यह पहल विशेष रूप से धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि दिल्ली में मॉनसून के बाद अक्टूबर-नवंबर के महीनों में प्रदूषण स्तर में तीव्र वृद्धि देखी जाती है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि सभी सड़क सुधार कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं ताकि 30 सितंबर 2026 तक प्रमुख परियोजनाओं का निष्पादन सुनिश्चित हो सके। इसके लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को गति देने, अग्रिम तैयारियां शुरू करने और निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है। सफाई व्यवस्था को और आधुनिक बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने करीब 2300 करोड़ रुपये की लंबी अवधि की योजना को मंजूरी दी है। यह योजना 10 साल के ओपेक्स मॉडल पर चलेगी। इसके तहत सड़कों की बेहतर सफाई के लिए 70 नई मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई जा रही हैं। ये मशीनें पहले से काम कर रही मशीनों के साथ मिलकर सड़क की धूल और कचरे को प्रभावी तरीके से साफ करेंगी। इसके अलावा, 1000 इलेक्ट्रिक लिटर पिकर भी तैनात किए जा रहे हैं, जिससे सफाई व्यवस्था और तेज, पर्यावरण के अनुकूल और आधुनिक बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम प्रदूषण कम करने की दिशा में स्थायी समाधान साबित होगा। शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने नगर निगम के प्राथमिक स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त 50 करोड़ रुपये देने का निर्णय लिया है। इस राशि से स्कूलों की इमारतें मजबूत की जाएंगी, साफ-सफाई की सुविधाएं सुधारी जाएंगी, कक्षाओं को आधुनिक बनाया जाएगा और बच्चों के लिए अच्छा पढ़ाई का माहौल तैयार किया जाएगा।

फांसी घर विवाद में केजरीवाल ने विशेषाधिकार समिति के अधिकार क्षेत्र को दी चुनौती, अब पेश होने को तैयार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा परिसर में ऐतिहासिक फांसी घर के उद्घाटन को लेकर शुरू हुआ सियासी घमासान अब कानूनी और तकनीकी दांव-पेंच में उलझ गया है। सोमवार इस मामले की समिति आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा की विशेषाधिकार समिति को पत्र लिखकर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, राम निवास गोयल और राखी बिड़लान को फांसी घर मामले में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने और अपना पक्ष रखने के लिए अंतिम अवसर देने का निर्णय लिया है। समिति ने इस अंतिम उपस्थिति के लिए 6 मार्च 2026 की तिथि निर्धारित की है। यह निर्णय आज हुई विशेषाधिकार समिति की बैठक में लिया गया। जिसमें चारों व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुत लिखित जवाब पर विचार किया गया। इन उत्तरों में उन्होंने अपना पक्ष के लिए कुछ दिनों की मोहलत मांगी है। विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह राजपूत ने बताया कि अरविंद केजरीवाल ने अपने लिखित जवाब में 2, 3, 4, 5 या 6 मार्च में से किसी भी दिन पेश होने का समय मांगा है। समिति ने इन अनुरोधों को स्वीकार करते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए अंतिम तिथि 6 मार्च तय की है। सोमवार को समिति ने केजरीवाल को पेश होने के लिए नोटिस भेजा था। केजरीवाल ने समिति के नोटिस को न केवल कानूनी रूप से अस्थिर बताया है, बल्कि समिति के क्षेत्राधिकार पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं. हालांकि, उन्होंने समिति से अनुरोध किया है वे इस संबंध में व्यक्तिगत रूप से मार्च के पहले सप्ताह में 2 से 6 फरवरी के बीच समिति की सुनवाई में शामिल हो सकते हैं। विधानसभा की विशेषाधिकार समिति से मिली जानकारी के मुताबिक इस मामले में मनीष सिसोदिया, आतिशी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल, पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़लान ने भी समिति के सामने पेश होने को लेकर हामी भर दी है। केजरीवाल ने चार पन्नों के विस्तृत जवाब में तर्क दिया कि जिस घटना (फांसी घर का उद्घाटन) को लेकर जांच की जा रही है, वह सातवीं विधानसभा के कार्यकाल के दौरान हुई थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि विधानसभा के विशेषाधिकार उसी सदन के कार्यकाल तक सीमित होते हैं। चूंकि अब आठवीं विधानसभा अस्तित्व में है, इसलिए पिछली विधानसभा के कार्यकाल के किसी कार्य के लिए वर्तमान सदन या उसकी समिति उन्हें समन नहीं कर सकती।

यूजीसी गाइडलाइन और निष्कासन आदेश के खिलाफ जेएनयूएसयू ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के परामर्श को लागू करने और छात्रों के निष्कासन आदेशों को रद्द करने जैसे मुद्दों पर विश्वविद्यालय परिसर में रविवार रात छात्रों ने चेतावनी रैली निकाल के विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहें छात्रों ने अपने हाथों में बड़ा पोस्टर पकड़ रखा था, जिसमें चेतावनी रैली लिखा था। इसके साथ ही छात्रों ने नारेबाजी भी की। उल्लेखनीय है कि, विश्वविद्यालय प्रशासन ने हाल के वर्षों की सबसे सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए जेएनयूएसयू अध्यक्ष अदिति मिश्रा, उपाध्यक्ष गोपिका के. बाबू, महासचिव सुनील यादव और संयुक्त सचिव दानिश अली को दो सेमेस्टर के लिए निष्कासित कर दिया था। पूर्व अध्यक्ष नीतीश कुमार पर भी कार्रवाई की गई है। प्रशासन का आरोप है कि 21 नवंबर, 2025 को डॉ. बीआर अम्बेडकर केंद्रीय पुस्तकालय में लगाए गए फेस रिकॉग्निशन आधारित एक्सेस गेट्स को नुकसान पहुंचाया गया था। इन गेट्स की स्थापना लगभग 20 लाख की लागत से की गई थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने नीतीश कुमार पर 20,000 का जुमार्ना भी लगाया है और सभी संबंधित छात्रों को तत्काल प्रभाव से पूरे परिसर से बाहर घोषित कर दिया है। छात्रसंघ ने इस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि यह कदम यूजीसी प्रमोशन ऑफ इक्विटी रेगुलेशन, 2026 के निलंबन के खिलाफ प्रस्तावित विरोध से पहले छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश है।

निगम बजट से जनप्रतिनिधियों की भूमिका कमजोर, भाजपा की घोषणाएं भ्रामक: देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली नगर निगम के वर्ष 2026-27 के बजट को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे जुमलों का दस्तावेज करार दिया है। राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में निगमायुक्त की वित्तीय शक्तियों को 5 करोड़ से बढ़ाकर 50 करोड़ करना निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी को समाप्त करने की दिशा में उठाया गया कदम है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा ने बजट में वास्तविक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने के बजाय झूठी और बेबुनियाद घोषणाएं की हैं। उन्होंने निगम को विश्व के सबसे भ्रष्ट निकायों में से एक बताते हुए कहा कि प्रस्तुत आंकड़ों में भारी विरोधाभास यह दशार्ता है कि दिल्ली के विकास को लेकर भाजपा में इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता का अभाव है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा 17,583 करोड़ रुपये के घाटे का बजट पेश किया गया है, जबकि राजस्व का अनुमान 17,184 करोड़ रुपये का ही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के 70 प्रतिशत क्षेत्र की सफाई की जिम्मेदारी नगर निगम पर है, लेकिन प्रतिदिन निकलने वाले 11,000 मीट्रिक टन कूड़े में से केवल 8,000 मीट्रिक टन का ही निष्पादन हो पा रहा है। इसके कारण प्रतिदिन लगभग 3,000 मीट्रिक टन कूड़ा सड़कों, खुले स्थानों और कालोनियों के बाहर पड़ा रहता है। अनधिकृत कालोनियों और गांवों में सफाई कर्मचारियों की तैनाती न होने से वहां स्थिति और भी खराब है। देवेन्द्र यादव ने निगम पार्षदों के दैनिक बैठक भत्ते को 300 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये करने की घोषणा को लोलीपॉप बताते हुए कहा कि बिना केंद्रीय गृह मंत्रालय की मंजूरी के इसे लागू ही नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट के जिन मदों में वृद्धि की गई है, वे स्थायी समिति, सदन के नेता और महापौर के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, जबकि प्रदूषण नियंत्रण, वृक्षारोपण, सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को भरने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। उन्होंने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित करने के मामले में भी विरोधाभास का आरोप लगाया और कहा कि एमटीएस कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि की गई, लेकिन उनके वर्षों से लंबित बकाया का कोई उल्लेख नहीं है। विधवाओं और दिव्यांगजनों को पेंशन तथा उनकी बेटियों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा को भी उन्होंने भ्रामक बताया, क्योंकि पेंशन का प्रावधान पहले से ही दिल्ली सरकार के माध्यम से किया जाता है। इस अवसर पर कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन अनिल भारद्वाज ने कहा कि गृहकर पर समय से भुगतान करने वालों को मिलने वाली 15 प्रतिशत छूट को घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है, जो आम नागरिकों के साथ अन्याय है। पूर्व महापौर फरहाद सूरी ने बजट के विभिन्न संस्करणों में आय और व्यय के आंकड़ों में अंतर को गंभीर बताते हुए निगम की देनदारियों के लिए कोई प्रावधान न होने पर प्रश्न उठाया। उन्होंने कहा कि पार्षदों के भत्ते में वृद्धि से 100 से 120 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा, जबकि निगम के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं हैं। निगम में कांग्रेस दल की नेता श्रीमती नाजिया दानिश ने बजट को अव्यावहारिक बताते हुए कहा कि स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, कूड़ा प्रबंधन और शौचालय निर्माण जैसे मूलभूत मुद्दों पर कोई ठोस योजना नहीं है।

एमसीडी कमिश्नर की वित्तीय शक्ति बढ़ाने के एजेंडे पर चर्चा से भागी भाजपा सरकार : अंकुश नारंग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने एमसीडी कमिश्नर को 50 करोड़ रुपए तक वित्तीय शक्ति देने के एजेंडे पर चर्चा नही कराने पर भाजपा सरकार को आड़े हाथ लिया है। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि जब सदन की बैठक के दौरान हमने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा निगम आयुक्त की वित्तीय शक्ति 5 करोड़ से बढ़ाकर 50 करोड़ किए जाने पर चर्चा की मांग की, तो भाजपा के डिप्टी मेयर ने एजेंडा जल्दबाजी में पास कर सदन स्थगित कर दिया। यह सरकार अब चर्चा से भी भाग रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के इस काले फरमान के बाद एमसीडी कमिश्नर को स्टैंडिंग कमेटी और सदन में प्रस्ताव लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जब भाजपा का ही महापौर, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन और सदन में बहुमत है, तो आखिर इतनी क्या मजबूरी है कि चुनी हुई स्टैंडिंग कमेटी और हाउस को दरकिनार कर बाबुओं को 50 करोड़ की खुली छूट दे दी जाए। भाजपा एमसीडी को पंगु बनाकर अफसरशाही के हवाले करना चाहती है और चुने हुए पार्षदों की शक्तियां खत्म कर लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी इस तानाशाही रवैए के खिलाफ सड़क से सदन तक मजबूती से लड़ाई जारी रखेगी। अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा की तरफ से एक काला फरमान आया है जिसके जरिए लोकतंत्र की हत्या की गई है। पहले मुख्यमंत्री ने मीडिया में छपवाया कि वे कमिश्नर की वित्तीय ताकत 5 करोड़ से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपए कर रही हैं, और फिर उपराज्यपाल का एक पत्र एमसीडी को आ गया जिसमें इसे लागू करने की बात कही गई। अंकुश नारंग ने कहा कि एमसीडी एक्ट 1957 के सेक्शन 202 सब-सेक्शन (सी) के अनुसार, कमिश्नर के किसी भी प्रस्ताव के लिए वित्तीय सीमा 5 करोड़ रुपए निर्धारित है। 5 करोड़ से 50 करोड़ करने के लिए एमसीडी एक्ट में संशोधन करना पड़ता है, लेकिन बिना संशोधन किए एक प्रशासनिक आदेश निकालकर इसे बढ़ा दिया गया। अंकुश नारंग ने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में भाजपा की चार इंजन वाली सरकार है और भाजपा का ही महापौर और स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन है, और सदन में भाजपा का बहुमत है, तो मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को वित्तीय शक्ति क्यों बढ़ानी पड़ी?

अकाली, भाजपा और कांग्रेस ने पंजाब को नशे में डूबोया था, आम आदमी पार्टी बना रही नशा मुक्त : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पंजाब/नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान ने मोगा के किल्ली चहलां गांव में युद्ध नशियां विरुद्ध को लेकर आयोजित विलेज डिफेंस कमेटी के शपथ समारोह में नशा तस्करों को जनता की ताकत दिखाई। समारोह स्थल पर जमा हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस ने पंजाब को नशे के अंदर डूबो दिया था। जब से आप की सरकार आई है, पंजाब को नशा मुक्त बना रही है। इसलिए लोगों को इनके कुकर्मों को याद रखना होगा और इन्हें एक भी वोट नहीं देना है। वरना पंजाब फिर से नशे के अंदर डूब जाएगा। पंजाब के इतिहास में पहली बार आप की एक ऐसी सरकार आई है, जो नशा बेचने वालों को खदेड़ रही है और पकड़-पकड़ कर जेल में डाल रही है। इस दौरान सीएम भगवंत सिंह मान ने सभी को नशा मुक्त बनाने की शपथ दिलाई। इस दौरान सीएम भगवंत सिंह मान तबीयत खराब होने के बावजूद समारोह में पहुंचे और सभी को नशा मुक्त पंजाब बनाने की शपथ दिलाई। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक साल पहले 1 मार्च को पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में ह्ययुद्ध नशियां विरुद्धह्न शुरू किया था। उस समय लोगों को थोड़ा कम भरोसा था। लोगों ने पुरानी सरकारें देखी थीं। पुरानी सरकारों में बातें बड़ी-बड़ी होती थीं लेकिन काम कुछ नहीं होता था। इसलिए लोगों में बहुत डर था और कोई सामने आकर नशा तस्करों की जानकारी देने के लिए तैयार नहीं था। लोगों को लगता था कि उन्हें डराया-धमकाया जाएगा।

मप्र विधानसभा का बजट सत्र शुरू... कांग्रेस का आक्रामक रूख, हंगामेदार होगा सत्र

प्रदेश सरकार को घेरने के लिए विधायकों ने पूछे 3478 सवाल

● भोपाल, संवाददाता।

मप्र विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू हो गया है। पहले ही दिन कांग्रेस ने अपने आक्रामक रूख को दिखाकर यह संकेत दे दिया है कि पूरा सत्र हंगामेदार होगा। वहीं इस बार विधायकों ने सरकार से बड़ी संख्या में सवाल पूछे हैं। पक्ष और विपक्ष दोनों दलों के सदस्यों ने मिलकर कुल 3478 प्रश्न लगाए हैं। इनमें से 2253 प्रश्न ऑनलाइन भेजे गए हैं, जबकि 1225 प्रश्न ऑफलाइन प्राप्त हुए हैं। सवालों में 1750 तारांकित और 1728 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं। इसके अलावा अब तक 192 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचनाएं भी विधानसभा सचिवालय को मिल चुकी हैं।

विपक्ष की ओर से आठ स्थगन प्रस्ताव भी भेजे गए हैं, जिससे माना जा रहा है कि सत्र के दौरान कई मुद्दों पर तीखी बहस हो सकती है। विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं के साथ-साथ प्रदेश स्तर के विषयों को भी उठाया है।

सरकार को घेरने के लिए तीन चरणों में विरोध

कांग्रेस ने बजट सत्र के दौरान सरकार को घेरने के लिए तीन चरणों में विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है। पहले चरण में विधायक अपने-अपने क्षेत्रों से भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और घोटालों के तथ्य सदन में पेश करेंगे। उमंग सिंघार ने विधायकों को निर्देश दिए हैं कि वे सबूतों के साथ मुद्दे उठाएं, जैसे विभागीय धांधली और माफिया राज। यह रणनीति स्थानीय मुद्दों को राज्य स्तर पर लाकर सरकार की विश्वसनीयता पर सवाल उठाएगी।

विकास योजनाओं पर सवाल उठाता कर्ज

मुख्य मुद्दों पर गहराई से नजर सत्र में उठने वाले मुद्दों में गौ हत्या प्रमुख है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार गौ रक्षा कानूनों को सख्ती से लागू नहीं कर रही, जिससे हिंदुत्व वोटर्स में असंतोष है। दूषित पानी से मौतें इंदौर में स्वास्थ्य संकट को दर्शाती हैं, जहां विपक्ष स्थगन प्रस्ताव लाएगा। प्रदेश का कर्ज 3 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच चुका है, जो विकास योजनाओं पर सवाल उठाता है। अवैध खनन से पर्यावरण क्षति और राजस्व हानि हो रही है।

गौकशी, खराब पानी, बेरोजगारी और कर्ज का मुद्दा

दूसरे चरण में हर रोज विधानसभा परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने सांकेतिक प्रदर्शन होंगे। मुख्य मुद्दे गौकशी, खराब पानी, बेरोजगारी और कर्ज होंगे। यह प्रदर्शन मीडिया का ध्यान आकर्षित कर जनता में संदेश फैलाएंगे। तीसरे चरण में एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस, महिला कांग्रेस और सेवादल जैसे संगठन सड़कों पर उतरेंगे। विधानसभा का घेराव किया जाएगा, जो विरोध को जन आंदोलन का रूप देगा। यह रणनीति 2023 के किसान आंदोलन से प्रेरित लगती है, जहां सड़क विरोध ने राजनीतिक दबाव बनाया।

4.85 लाख करोड़ का बजट संभव

जानकारी के अनुसार इस बार राज्य सरकार करीब 4.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रस्तुत कर सकती है। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा इस बार भी बजट पेश करेंगे। सरकार की कोशिश रहेगी कि आय बढ़ाने और विकास कार्यों को गति देने के लिए कुछ नए प्रस्ताव शामिल किए जाएं। वहीं, विधानसभा के आगामी बजट सत्र से एक नई व्यवस्था लागू की जा रही है। अब विधायकों को अपने चारपहिया वाहनों के लिए हर सत्र में अलग-अलग पास बनवाने की जरूरत नहीं होगी। उन्हें एक बार में पूरे साल के लिए पार्किंग पास जारी किया जाएगा। विधानसभा सचिवालय ने सुरक्षा और व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद विधायकों को बार-बार पास बनवाने की झंझट से राहत मिलेगी। सुरक्षा के लिहाज से भी कुछ बदलाव किए गए हैं। मंत्रियों के अंगरक्षकों को विधानसभा भवन के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। साथ ही, प्रत्येक विधायक के साथ केवल एक निजी सहायक और एक वाहन चालक को ही परिसर में आने की अनुमति दी जाएगी। दर्शक दीर्घा में भी सीमित लोगों को ही प्रवेश दिया जाएगा। विधायकों की अनुशंसा पर चुनिंदा व्यक्तियों को निर्धारित समय के लिए प्रवेश पास उपलब्ध कराया जाएगा। बिना प्रवेश पत्र के किसी भी व्यक्ति को विधानसभा परिसर या भवन में आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विधानसभा सचिवालय का कहना है कि इन बदलावों का उद्देश्य सत्र के दौरान बेहतर प्रबंधन और सख्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

अब प्रांत प्रचारक की जगह बनेंगे संभाग प्रचारक

● भोपाल, संवाददाता।

समय के साथ अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में भी बदलाव की कवायद की जा रही है। संघ अपने संगठन की व्यवस्था में बड़े बदलाव पर मंथन कर रहा है। माना जा रहा है कि मार्च में हरियाणा के समालखा में होने वाली आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक में किए जाने वाले बदलावों पर मंथन किया जाएगा। इसके तहत बड़ा बदलाव जो होने जा रहा है, वह है संघ में अब प्रांत प्रचारक की व्यवस्था खत्म होगी और उनकी जगह संभाग प्रचारक बनाए जाएंगे।

गौरतलब है कि आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे हो चुके हैं। वह अब अपने काम और विचारों को आम जनता के बीच जमीनी स्तर पर ले जाने के लिए संगठन की प्रशासनिक व संचालन संरचना में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। इसके लिए मौजूदा प्रांतीय व्यवस्था को पूरी तरह खत्म कर हर प्रदेश में सिर्फ एक राज्य प्रचारक नियुक्त करने की व्यवस्था लागू होने जा रही है। साथ ही प्रदेश और विभाग के बीच में नई संभागीय व्यवस्था बनाने की भी तैयारी है। मार्च में हरियाणा के समालखा में होने वाली आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक में यह प्रस्ताव लाया जाएगा। मप्र में तीन प्रांत मालवा, मध्यभारत और महाकौशल प्रांत की संरचना समाप्त हो जाएगी। प्रांतीय कार्यकारिणी व्यवस्था भी समाप्त हो जाएगी। इनके स्थान पर मप्र राज्य प्रचारक होंगे। प्रदेश स्तर पर कार्यकारिणी के बजाय राज्य टोली बनेगी। इसमें प्रदेश प्रचारक के साथ ही प्रदेश संघ संचालक और प्रदेश कार्यवाह भी हो सकते हैं। नई संरचना को लेकर निर्णय मार्च में हो जाएगा। इसकी आधिकारिक घोषणा वर्ष प्रतिपदा पर की जाएगी। लेकिन इसे अमल में अगले वर्ष से लाया जाएगा। क्योंकि वर्ष 2027 संघ में निर्वाचन वर्ष है। अगले साल संघ के विभाग स्तर से अखिल भारतीय स्तर के पदाधिकारियों का निर्वाचन होगा।

मप्र में बनेंगे 6 से 8 संभाग प्रचारक

मप्र में 6 से 8 संभाग बनाए जाएंगे। जो सरकारी प्रशासनिक संभागों की तरह ही होंगे। कुछ छोटे संभागों को भौगोलिक नजदीकी के आधार पर पड़ोस के संभाग के साथ रखा जाएगा। संभाग में एक प्रचारक के साथ पूरी कार्यकारिणी रहेगी, जिसमें 40 तक पदाधिकारी संभव हैं। मप्र में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सागर, खंडवा, नर्मदापुरम संभागीय व्यवस्था के केंद्र रहेंगे। जो जिम्मेदारी अभी प्रांत प्रचारकों की है, उस भूमिका में संभागीय प्रचारक आ जाएंगे।

वेस्टर्न भोपाल बायपास की लागत 250 करोड़ घटी

● भोपाल,संवाददाता।

वेस्टर्न भोपाल बायपास प्रोजेक्ट की प्लानिंग में एक बार फिर बड़ा बदलाव किया गया है। मुख्य सचिव अनुराग जैन के सुझाव पर फॉरेस्ट एरिया में प्रस्तावित अंडरपास की संख्या कम करने का निर्णय लिया गया है। इस संशोधन से परियोजना की लागत में करीब 250 करोड़ रुपए की कमी आने का अनुमान है। मुख्य सचिव को हाल ही में परियोजना का प्रेजेंटेशन दिया गया था। इसमें फॉरेस्ट और टाइगर मूवमेंट एरिया में प्रस्तावित अंडरपास की संख्या और लागत का पुनर्मूल्यांकन प्रस्तुत किया गया। चर्चा के बाद सीएस ने अंडरपास की संख्या युक्तिसंगत करने के निर्देश दिए। संशोधित प्रस्ताव अब दोबारा उनकी मंजूरी के लिए रखा जाएगा। हरी झंडी मिलने के बाद ही परियोजना को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया तेज होगी। वेस्टर्न भोपाल बायपास प्रोजेक्ट शुरुआत से ही गलत एस्टीमेशन और एलाइनमेंट में बदलाव की वजह से अटका रहा। सूत्रों के अनुसार फॉरेस्ट एरिया में अंडरपास और कोलांस नदी पर बनने वाले पुल के स्पान का सही आकलन नहीं किया गया था। वन विभाग और मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) के बीच चर्चा में इन खामियों का खुलासा हुआ। यदि पूर्व प्रस्ताव लागू होता तो लागत में करीब 300 करोड़ रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती थी। लगातार एलाइनमेंट में बदलाव के कारण परियोजना में देरी भी होती रही। 2024 में कंपनी चयनित लेकिन काम शुरू नहीं एमपीआरडीसी ने इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 2993 करोड़ रुपए तय की थी, जिसमें सिविल वर्क पर 1323.94 करोड़ रुपए खर्च प्रस्तावित था। वर्ष 2024 में वेस्टर्न भोपाल बायपास प्राइवेट लिमिटेड का चयन हाइब्रिड एन्युटी मोड पर किया गया था। कंपनी 1174 करोड़ रुपए में काम करने को तैयार हुई थी और 15 वर्षों तक मेंटेनेंस की जिम्मेदारी भी उसी की रहेगी।

6 मार्च के बाद होगी एक और प्रशासनिक सर्जरी

बदले जाएंगे कलेक्टर और कमिश्नर

● भोपाल, संवाददाता।

मप्र में चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 21 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद सरकार एक और बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करने जा रही है। इस सर्जरी में जिला कलेक्टर और कमिश्नर बदले जाएंगे। गौरतलब है कि अभी हाल ही में सरकार ने आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की है। अब बताया जा रहा है कि बजट सत्र के बाद बड़े स्तर पर तबादले किए जाएंगे।

मप्र में बजट सत्र के बाद कई अधिकारियों का भी कटेगा पत्ता

गौरतलब है कि सरकार मैदानी अफसरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट बनवा रही है। उसके आधार पर तबादले किए जाएंगे। अभी हाल ही में सरकार द्वारा की गई प्रशासनिक सर्जरी अभी अधूरी है, जो सत्र खत्म होने के बाद पूरी होगी। इसमें 12 से 20 फीसदी जिलों के कलेक्टरों का तबादला लगभग तय है। ये बदलाव केंद्र व राज्य की जनता से जुड़ी महत्वकांक्षी योजनाओं व परियोजनाओं की प्रगति के आधार पर तय होने वाले जिलों के परफार्मेंस के आधार पर की जाएगी।

सबसे पहले खराब रिपोर्ट वाले बदले जाएंगे

बताया जाता है कि सरकार को कुछ ऐसे कलेक्टरों के तबादले करने हैं, जिनकी रिपोर्ट अच्छी नहीं है। इसका आकलन मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव द्वारा कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस करके दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन के आधार पर किया गया है। दरअसल, मुख्य सचिव अनुराग जैन दो बार कलेक्टर-कमिश्नरों के कामकाज का आकलन विभिन्न आधारों पर करा चुके हैं। रिपोर्ट सामान्य प्रशासन विभाग ने तैयार भी कर ली है। सूत्रों का कहना है कि पहले तैयारी एसआईआर का काम पूरा होने के बाद तबादले करने की थी।

छत्तीसगढ़

अब बार-क्लब खोलना हुआ आसान, सरकार ने लाइसेंस फीस और बैंक गारंटी में की भारी कटौती

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने प्रदेश की नई आबकारी नीति में बड़े बदलाव करते हुए होटल, रेस्टोरेंट और क्लब संचालकों को बड़ी राहत दी है. सरकार ने नए व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाइसेंस फीस में भारी कमी की है, जिससे अब राज्य में बार खोलना पहले के मुकाबले काफी सस्ता हो जाएगा.इन बड़े बदलावों पर एक नजर

लाइसेंस फीस में 6 लाख की बचत- राज्य सरकार ने उन शहरों के लिए बड़ा फैसला लिया है जिनकी आबादी 7 लाख से अधिक है. यहां स्नरु-2 (क) और स्नरु-3 (क) श्रेणी के बार के लिए लाइसेंस शुल्क को 24 लाख रुपये से घटाकर 18 लाख रुपये कर दिया गया है.

बैंक गारंटी में भी राहत-केवल लाइसेंस फीस ही नहीं, बल्कि सरकार ने अनिवार्य बैंक गारंटी की राशि को भी कम कर दिया है. इससे नए कारोबारियों पर शुरुआती वित्तीय बोझ कम होगा और इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा. 3-स्टार होटलों को फायदा-क्लबों के साथ-साथ थ्री-स्टार और उससे ऊपर की श्रेणी वाले होटलों की लाइसेंस फीस में भी रियायत दी गई है.

रायपुर एयरपोर्ट पर मिलेगी विदेशी शराब

इस नई नीति का सबसे चर्चित हिस्सा राजधानी रायपुर का स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा है. साल 2026-27 के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत एयरपोर्ट पर बार खोलने की अनुमति दे दी गई है. एयरपोर्ट अथॉरिटी से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद अब यात्री वहां के रेस्टोरेंट्स में विदेशी शराब का आनंद ले सकेंगे. माना जा रहा है कि इस फैसले से पर्यटकों और यात्रियों के अनुभव में सुधार होगा.

समय में कोई बदलाव नहीं

भले ही फीस और नियमों में ढील दी गई है, लेकिन बार संचालन के समय को लेकर सख्ती बरकरार है. पूरे प्रदेश में बार पहले की तरह ही सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक ही संचालित किए जा सकेंगे. समय-सीमा में किसी भी तरह का विस्तार नहीं किया गया है. सरकार के इस कदम को व्यापारिक

दृष्टिकोण से को बढ़ावा देने वाला माना जा रहा है, जिससे पर्यटन और आबकारी राजस्व दोनों में बढ़ोतरी की उम्मीद है.

हृदयविदारक घटना बेटे की मौत का सदमा, माता-पिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जांजगीर। चांपा. छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है. इकलौते बेटे के मौत के सदमे में उसके माता-पिता ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया. सोमवार को घर में पेड़ पर दोनों की एक साथ फंदे पर लटका शव मिला. मृतकों की पहचान रमाबाई पटेल (47) और कृष्णा पटेल (48) घटना से इलाके में शोक व्यापत हो गया. मामला शिवरीनारायण थाना के धरदेई गांव का है जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले ही दंपति के इकलौते बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई थी. बताया जा रहा है कि बेटे की असमय मृत्यु से दंपति गहरे सदमे में थे. शुरुआती जांच में मानसिक आघात के चलते आत्मघाती कदम उठाने की बात सामने आ रही है. सोमवार सुबह दोनों की पेड़ के फंदे पर लटकी लाश मिलने की सूचना पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को सुरक्षित नीचे उतार लिया. पंचानामा तैयार कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. फिलहाल दंपति के सुसाइड के कारणों को लेकर जांच की जा रही है. पुलिस स्थानीय लोगों से जानकारी जुटा रही है.

SGPC के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी कल आएंगे रायपुर, रावांभाठा में गुरुद्वारे का करेंगे उद्घाटन

रायपुर। सिक्ख पंथ की सर्वोच्च संस्था के अध्यक्ष, एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी का एक दिवसीय प्रवास छत्तीसगढ़ में मंगलवार, 17 फरवरी को होने जा रहा है. वे विमान द्वारा सुबह अमृतसर से रायपुर पहुंचेंगे. उनके भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है. स्वागत उपरांत वे होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल में छत्तीसगढ़ की सभी गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी, सामाजिक संस्थानों के पदाधिकारियों के साथ छत्तीसगढ़ में चल रही सिक्ख समाज की गतिविधियों पर चर्चा करेंगे. इसके बाद वे बिलासपुर रोड रांवाभाठा में निर्मित भव्य ऐतिहासिक गुरुद्वारे का उद्घाटन करेंगे. शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर के मार्गदर्शन में भव्य गुरमत संगीत विद्यालय का भी यहां शुभारंभ होगा. इस गुरुद्वारे की साज-सज्जा आधुनिक और आकर्षक शैली में की गई है, जिसकी भव्यता देखते ही बन रही है.इस पूरे आयोजन को मूर्त रूप प्रदान कर रहे समाजसेवी जगजीत सिंघ खनूजा, जी.एस. भाम्बरा व रावांभाठा के नवीनीकृत गुरुद्वारे के प्रभारी अजीत सिंग ने सर्व सिक्ख समाज से अपील की है कि पंथ की सर्वोच्च संस्था के अध्यक्ष धामी के भव्य स्वागत के लिए सभी माना विमानतल पहुंचकर और गुरुद्वारे के उद्घाटन समारोह में अधिकाधिक संख्या में सम्मिलित होकर गुरु घर की खुशियां प्राप्त करें. इस कार्यक्रम में दरबार साहिब के रागी जत्थे सिक्ख गुरु गाथा का गुणगान कर गुरु नाम लेवा संगत को निहाल करेंगे. उद्घाटन के पश्चात् धामी, अमरजीत सिंग छाबड़ा के विशेष आग्रह पर अपने पूरे काफिले के साथ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के कार्यालय भी पहुंचेंगे. जहां भी वे सिक्ख पंथ की गतिविधियों एवं विकासपरक योजनाओं पर चर्चा कर अपनी राय व मार्गदर्शन देंगे. इस पूरे कार्यक्रम में सिक्ख फोरम के अध्यक्ष बलदेव सिंग भाटिया, राज्य अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंग छाबड़ा समेत सिक्ख समाज के गणमान्यजन व सभी गुरुद्वारों के प्रधान प्रमुख रूप से सम्मिलित होंगे.भाठागांव में गुरुद्वारा गुरु नानक साहिब के नवीनीकरण के बाद मंगलवार को उद्घाटन होगा. संगत के सहयोग से इस गुरुद्वारे का जीर्णोद्धार कराया गया है. नवीनीकरण के बाद मंगलवार की सुबह 10 बजे श्रीगुरुग्रंथ साहिब का पहला प्रकाश होगा. दरअसल यह गुरुद्वारा 2004 में बनाया गया था. जीर्ण-शीर्ण अवस्था में होने के कारण इसका रिनोवेशन कराया गया. इसके तहत दरबार हॉल में नई पालकी साहिब बनवाई गई है।

दिन में गर्मी बढ़ने से छूटने लगा पसीना रायपुर में 33 डिग्री पहुंचा तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोगों को आने वाले दिनों में गर्मी का सामना करना पड़ेगा. मौसम फिलहाल शुष्क बना हुआ है. राजधानी का अधिकतम तापमान 33 डिग्री के करीब पहुंच गया, माह के अंतिम दिन पारा 36 डिग्री तक पहुंचने की उम्मीद है. अभी पश्चिम से पूर्व की ओर आने वाली हवा के प्रबल होने की वजह से दिन का पारा चढ़ रहा है. पिछले चौबीस घंटे में रायपुर का न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया. रायपुर की गर्मी लगातार तीसरे दिन राज्य में सबसे अधिक रही.विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंतिम दिनों तक गर्मी का तेज असर महसूस होने लगता है. अभी दिन में गर्मी का अनुभव बढ़ रहा है और रात में राहत महसूस हो रही है. धीरे-धीरे रात का पारा चढ़ने के बाद यहां से ठंड की पूरी तरह विदाई हो जाएगी. वर्तमान में ठंड का अच्छा प्रभाव अंबिकापुर समेत राज्य के उत्तरी सीमावर्ती क्षेत्रों में महसूस हो रहा है. वहां से ठंड की विदाई मार्च के अंतिम दिनों में ही होती है.

रायपुर में आज कैसा रहेगा मौसम ?

राजधानी रायपुर में सोमवार को दिन के वक्त हल्की गर्मी का अहसास होगा. सुबह के वक्त धुंध छाए रहने के आसार हैं. दिन में 33 डिग्री सेल्सियस और रात में 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास तापमान दर्ज हो सकता है.

निर्णय

सितंबर 2024 का मामला, कोर्ट ने सुनवाई में माना कि गलत हुई एफआईआर

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, मारपीट-लूट मामले में 5 आरोपियों की FIR रद्द

बिलासपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एक अहम फैसले में पुलिस थाना सिरगिट्टी में दर्ज मारपीट और लूट से जुड़ी एफआईआर को निरस्त कर दिया है. न्यायालय ने स्पष्ट किया कि आरोपों में प्रथम दृष्टया अपराध के आवश्यक तत्व नहीं बनते और कार्रवाई जारी रखना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा. यह आदेश मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने पारित किया।

याचिकाकर्ता सुमन यादव, इंदु चंद्रा, नंद राठौर, मोहम्मद इस्लाम और राहुल जायसवाल के विरुद्ध 7 सितंबर 2024 को अपराध दर्ज किया गया था. शिकायतकर्ता के अनुसार 6 सितंबर की रात ग्रामीण बैंक, तिफरा के पास आरोपियों ने गाली-गलौज, मारपीट कर सोने की चेन छीन ली. इसके आधार पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराओं 115(2), 296, 3(5) और 304(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया.

याचिकाकर्ताओं ने दिए यह तर्क

याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि एफआईआर दर्ज करने में करीब 13 घंटे की देरी है, जो संदेह पैदा करती है. घटना के पहले याचिकाकर्ताओं ने 112 नंबर पर सूचना दी थी और अभिव्यक्ति ऐप के माध्यम से भी शिकायत की गई थी. सीसीटीवी फुटेज भी उनके पक्ष में होने का दावा किया गया. याचिकाकर्ताओं ने इसे प्रतिशोध में दर्ज काउंटर ब्लास्ट एफआईआर बताया. वहीं राज्य की ओर से कहा गया कि, एफआईआर में संज्ञेय अपराध बनता है, जांच पूर्ण हो चुकी है और चालान पेश किया जा चुका है. ऐसे में एफआईआर रद्द करने का कोई आधार नहीं है.

हाईकोर्ट ने निरस्त की एफआईआर

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि यदि एफआईआर के आरोपों को पूरी तरह स्वीकार भी कर लिया जाए, तब भी अपराध के आवश्यक तत्व सिद्ध नहीं होते. एफआईआर में देरी, याचिकाकर्ताओं की पूर्व शिकायतें और रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री अभियोजन की कहानी पर गंभीर संदेह उत्पन्न करती है. अदालत ने माना कि इस स्थिति में आपराधिक कार्रवाई जारी रखना न्याय का उद्देश्य पूरा नहीं करता, बल्कि प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा. हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए थाना सिरगिट्टी, जिला बिलासपुर में दर्ज अपराध क्रमांक 624/2024 को सभी पांचों याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध पूरी तरह निरस्त (क्वैश) कर दिया.

सृजन, सुविधा और नकल की नई संस्कृति

डॉ. सत्यवान सौरभ

कहा जाता है कि हर नई तकनीक अपने साथ सुविधा लेकर आती है, पर कुछ तकनीकें धीरे-धीरे हमारी सोच और आदतों को भी बदल देती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज ऐसे ही मोड़ पर खड़ी है। उसने लिखने की गति बढ़ाई है, उसे आसान और सुलभ बनाया है; पर उसी अनुपात में उसने सृजन के अर्थ को धुंधला भी किया है। अब प्रश्न यह नहीं रह गया कि लिखा कितना अच्छा है, बल्कि यह बन गया है कि लिखा किसने है और किस तरह लिखा है। जब किसी लेख, कविता या विचार को पढ़ते हुए यह बोध होता है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचा गया है, तो पाठक के भीतर कुछ टूट-सा जाता है। शब्द सधे हुए होते हैं, भाव भी उपयुक्त लगते हैं, पर कहीं एक रिक्तता रह जाती है। जैसे सुंदर शरीर हो, पर उसमें प्राण न हों। रचना का वह जादू, जो लेखक और पाठक के बीच एक अदृश्य संबंध बनाता है, अचानक समाप्त हो जाता है। यह केवल सौंदर्य का नहीं, विश्वास का भी प्रश्न है। समस्या यह नहीं है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता लिख सकती है। समस्या यह है कि वह लिखते समय मनुष्य होने का भ्रम रचती है। वह अनुभव की नकल करती है, पीड़ा की भाषा बोलती है, प्रेम और करुणा के मुहावरे दोहराती है-बिना कभी असफलता, भय या दुविधा से गुजरे। जब ऐसी सामग्री किसी मनुष्य के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो वह तकनीकी सहायता नहीं रह जाती; वह बौद्धिक नकल का रूप ले लेती है। यह नकल कोई नई बात नहीं है। हमारी शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से इस मानसिकता को पोषित करती रही है कि अंक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, प्रक्रिया नहीं। परीक्षा में नकल करके उत्तीर्ण होना, दूसरों की उत्तर पुस्तिकाओं से विचार उठाना, और फिर उसी सफलता का गर्वपूर्वक प्रदर्शन-यह सब समाज में किसी न किसी रूप में स्वीकार्य रहा है। आज वही प्रवृत्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नई शक्ल में सामने आई है। अंतर केवल इतना है कि अब नकल अधिक चमकदार, अधिक विश्वसनीय और अधिक सुरक्षित दिखाई देती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न सामग्री की एक पहचान बन चुकी है-भाषा की दृष्टि से निर्दोष, संरचना में संतुलित, और भावनात्मक रूप से उचित। पर यही परिपूर्णता उसे संदिग्ध भी बनाती है। क्योंकि वास्तविक सृजन प्रायः परिपूर्ण नहीं होता। उसमें झिझक होती है, दोहराव होता है, कभी-कभी असंगति भी होती है। सच्चा लेखक अपने ही विचारों से जूझता है, अपनी ही सीमाओं से संघर्ष करता है। उस संघर्ष की छाया शब्दों में दिखाई देती है, और वही रचना को जीवंत बनाती है। आज सामाजिक माध्यमों और अंकीय मंचों पर सामग्री की बाढ़ है। हर विषय पर, हर दृष्टिकोण से, तुरंत लेख उपलब्ध हैं। इस भीड़ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक तीव्र यंत्र की तरह काम करती है, जो पहले से मौजूद हजारों विचारों को जोड़कर एक नया पैकेज बना देती है। यह पैकेज उपयोगी हो सकता है, जानकारीपूर्ण हो सकता है, पर क्या वह दृष्टि दे सकता है? क्या वह जोखिम उठा सकता है? क्या वह यह स्वीकार कर सकता है कि मैं गलत भी हो सकता हूँ? यहीं मनुष्य और यंत्र के बीच मूल अंतर स्पष्ट होता है। मनुष्य अपनी बात कहते समय डरता है-आलोचना से, अस्वीकार से, असफलता से। और यही डर उसकी आवाज को विशिष्ट बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को न आलोचना का भय है, न अस्वीकार का। इसलिए वह सुरक्षित भाषा में लिखती है-सबको स्वीकार्य, किसी को असुविधाजनक न लगे ऐसी। परिणामस्वरूप, हम ऐसी रचनाएँ पढ़ रहे हैं जो सब कुछ कहती हैं, पर वास्तव में कुछ भी नहीं कहतीं। एक और गंभीर प्रश्न श्रेय का है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक औजार की तरह उपयोग किया जाए-शोध, संपादन या भाषा-सुधार के लिए-और यह स्पष्ट कर दिया जाए कि इसमें यंत्र की सहायता ली गई है, तो यह ईमानदारी है। पर जब पूरी रचना यंत्र द्वारा तैयार की जाए और लेखक का नाम किसी मनुष्य का हो, तो यह धोखा है। यह पाठक के साथ भी अन्याय है और सृजन की परंपरा के साथ भी। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि अंतिम परिणाम ही महत्त्वपूर्ण है, तरीका नहीं। पर यही तर्क नकल को भी वैध ठहराता है। यदि तरीका अप्रासंगिक होता, तो शिक्षा, प्रशिक्षण और अभ्यास का कोई अर्थ न रह जाता। सृजन केवल परिणाम नहीं है, वह एक प्रक्रिया भी है। लिखते समय जो सोच विकसित होती है, जो आत्मसंघर्ष होता है, वही लेखक को गढ़ता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उस प्रक्रिया को बीच में ही काट देती है। यह कहना भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वयं में शत्रु नहीं है। हर तकनीक की तरह उसका मूल्य उसके उपयोग में निहित है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब सुविधा, सृजन का स्थान लेने लगती है। जब लेखक बनने के स्थान पर सामग्री उत्पादक बनने की होड़ लग जाती है। जब पहचान मेहनत और अनुभव से नहीं, बल्कि उत्पादन की मात्रा से तय होने लगती है।

राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति, नवयुवकों का जागरण और कर्तव्यबोध

यही कारण है कि इस देश ने समय-समय पर ऐसे महान आदर्श प्रस्तुत किए, जिन्होंने न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व को दिशा दी। भीष्म पितामह की आजीवन ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा हो, भगवान महावीर का संयम और तप का संदेश हो या स्वामी विवेकानन्द का तेजस्वी व्यक्तित्व इन सबने सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल में निहित होती है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी इन आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझे, क्योंकि देश की बागडोर अब युवाओं के हाथ में है। वर्तमान समय में युवाशक्ति अनेक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है। भोगवादी प्रवृत्तियाँ, दिखावा, कृत्रिम जीवनशैली और व्यसनों की प्रवृत्ति ने युवाओं के नैसर्गिक तेज को धूमिल कर दिया है। देर रात तक अनावश्यक मनोरंजन में डूबे रहना, असंतुलित दिनचर्या, अस्वस्थ खान-पान और फैशन की अंधी दौड़ ने उनके शरीर और मन दोनों को कमजोर किया है। जबकि एक युवा के व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह, दृढ़ निश्चय और कर्मठता का संचार होना चाहिए। राष्ट्र का भविष्य उन्हीं कंधों पर टिका होता है जिनमें सामर्थ्य, चरित्र और कर्तव्यनिष्ठा का बल हो। यदि युवा स्वयं ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से दुर्बल हो जाएँ, तो राष्ट्र की प्रगति कैसे संभव होगी?

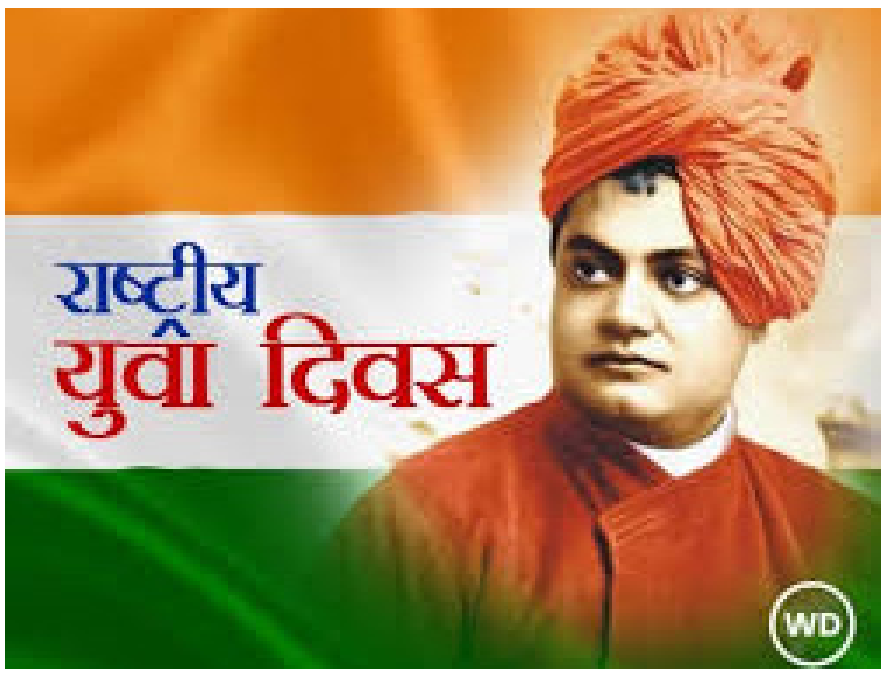

कांतिलाल मांडोत

(लेखक)

भारत सदियों से संयम, त्याग और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहाँ आत्मसंयम को ही वास्तविक शक्ति माना गया है और चरित्र को ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति समझा गया है। यही कारण है कि इस देश ने समय-समय पर ऐसे महान आदर्श प्रस्तुत किए, जिन्होंने न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व को दिशा दी। भीष्म पितामह की आजीवन ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा हो, भगवान महावीर का संयम और तप का संदेश हो या स्वामी विवेकानन्द का तेजस्वी व्यक्तित्व इन सबने सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल में निहित होती है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी इन आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझे, क्योंकि देश की बागडोर अब युवाओं के हाथ में है। वर्तमान समय में युवाशक्ति अनेक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है। भोगवादी प्रवृत्तियाँ, दिखावा, कृत्रिम जीवनशैली और व्यसनों की प्रवृत्ति ने युवाओं के नैसर्गिक तेज को धूमिल कर दिया है। देर रात तक अनावश्यक मनोरंजन में डूबे रहना, असंतुलित दिनचर्या, अस्वस्थ खान-पान और फैशन की अंधी दौड़ ने उनके शरीर और मन दोनों को कमजोर किया है। जबकि एक युवा के व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह, दृढ़ निश्चय और कर्मठता का संचार होना चाहिए। राष्ट्र का भविष्य उन्हीं कंधों पर टिका होता है जिनमें सामर्थ्य, चरित्र और कर्तव्यनिष्ठा का बल हो। यदि युवा स्वयं ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से दुर्बल हो जाएँ, तो राष्ट्र की प्रगति कैसे संभव होगी? कृत्रिमता के इस युग में मनुष्य बाहरी सजावट से अपनी वास्तविकता को ढकने का प्रयास करता है, परन्तु सच्चाई यह है कि कृत्रिम सौंदर्य कभी भी नैसर्गिक शक्ति और आत्मविश्वास का स्थान नहीं ले सकता। जिस प्रकार सूखी जड़ वाला वृक्ष ऊपर से हरा दिखाया जाए तो भी वह अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता, उसी प्रकार यदि युवा केवल बाहरी आडंबर में उलझे रहेंगे और आत्मिक विकास की ओर ध्यान नहीं देंगे, तो उनका व्यक्तित्व खोखला रह जाएगा। राष्ट्र निर्माण के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिनकी जड़ें मजबूत हों, जिनके भीतर आत्मसंयम और आत्मविश्वास की गहरी नींव हो। भारत की सांस्कृतिक परंपरा ने सदैव संयम, तप और साधना को महत्व दिया है। यहाँ जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि साधना का अवसर माना गया है। स्वामी विवेकानन्द जब विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए शिकागो गए, तब भी उन्होंने अपने संस्कारों और संयम को नहीं छोड़ा। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व का रहस्य बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि भीतर की पवित्रता और आत्मबल था। यही आत्मबल युवाओं को अपनाना होगा। जब युवा अपने चरित्र को दृढ़ बनाते हैं, तब वे समाज में विश्वास और प्रेरणा के स्तंभ बनते हैं। आज देश अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, उद्योग, राजनीति और सामाजिक जीवन में नई संभावनाएँ उभर रही हैं। इन संभावनाओं को साकार करने की जिम्मेदारी युवाओं पर ही है। देश की बागडोर उनके हाथ में है, इसलिए उन्हें केवल अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानना चाहिए। देश के प्रति समर्पण केवल नारों से सिद्ध नहीं होता, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी और परिश्रम से प्रकट होता है। जब युवा अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा से करते हैं, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है। युवाओं का प्रथम कर्तव्य है कि वे स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाएं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, व्यायाम और योग से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही अध्ययन, चिंतन और सत्साहित्य के माध्यम से बुद्धि का विकास होता है। ज्ञान से ही विवेक उत्पन्न होता है और विवेक से ही सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। जब युवा विवेकशील बनेंगे, तब वे समाज को सही दिशा दे सकेंगे। दूसरा महत्वपूर्ण कर्तव्य है नैतिक मूल्यों का पालन। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, करुणा और सहयोग की भावना ही समाज को जोड़ती है। यदि युवा भ्रष्टाचार, छल और स्वार्थ से दूर रहकर आदर्श जीवन जिएँगे, तो समाज में विश्वास की नींव मजबूत होगी। राष्ट्र का निर्माण केवल सड़कों और भवनों से नहीं, बल्कि सुदृढ़ चरित्र वाले नागरिकों से होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनका प्रत्येक कार्य देश के भविष्य को प्रभावित करता है। तीसरा कर्तव्य है सामाजिक जागरूकता और सक्रिय भागीदारी। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा प्रसार, स्वच्छता अभियान, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक समरसता जैसे कार्यों में आगे आना चाहिए। वे नई सोच और नवाचार के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता के बल पर वे विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठा सकते हैं। जब युवा अपने कौशल और प्रतिभा को राष्ट्रहित में समर्पित करते हैं, तब देश प्रगति की नई ऊँचाइयों को छूता है। आज आवश्यकता है कि युवा कृत्रिम आकर्षणों से ऊपर उठकर वास्तविक जीवन मूल्यों को अपनाएँ। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं, बल्कि अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना है। जब इन्द्रियाँ भोग से हटकर योग की ओर उन्मुख होती हैं, तब व्यक्ति में अद्भुत शक्ति का संचार होता है। यही शक्ति राष्ट्र निर्माण का आधार बनती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने भीतर आत्मगौरव और राष्ट्रगौरव की भावना को जागृत करें। भारत का भविष्य उज्ज्वल तभी होगा जब उसकी युवा पीढ़ी जागरूक, अनुशासित और समर्पित होगी। आज का युवा यदि अपने वर्तमान को संवार ले, तो उसका कल स्वयं ही स्वर्णिम हो जाएगा। देश की प्रगति किसी एक नेता या संस्था पर निर्भर नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सामूहिक प्रयास पर आधारित है। जब प्रत्येक युवा यह संकल्प लेगा कि वह अपने जीवन को राष्ट्र के हित में उपयोग करेगा, तब भारत पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

मोदी जी सवालों से परे : एपस्टीन फाइलों का डर सामने आया

वहां भक्त और गोदी मीडिया नहीं बचा सकते। मोदी जी को सवालों से परे बताने की शुरूआत हो गई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को नया काम दिया गया है। मोदी जी सर्वोपरि हैं। उनसे सवाल नहीं हो सकते। अचानक ऐसा क्या हो गया कि प्रधानमंत्री मोदी को सवालों से ऊपर बताया जाए? एपस्टीन फाइल? और क्या हो सकता है? राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे बीजेपी संघ के कोर इशु (सबसे बड़े सवाल) का तो मोदी जी पर कोई असर नहीं पड़ा। यह बहुत खतरनाक बात है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को इतना हल्का बना दिया कि एक के बाद एक कई चूकें, राजनीतिक नेतृत्व की कमजोरियां सामने आ गईं मगर पार्टी, संघ, भक्त, गोदी मीडिया किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उल्टे सेना पर, सेनाध्यक्ष पर ही दोष डाल दिया गया। याद कीजिए, लद्दाख में जब चीनी सेना ने गलवान में घुसकर 20 भारतीय सैनिकों को शहीद कर दिया था तो गोदी मीडिया ने लद्दाख जाकर वहां से रिपोर्टिंग की कि चीनियों को रोकने का काम सेना का था सरकार क्या कर लेती?

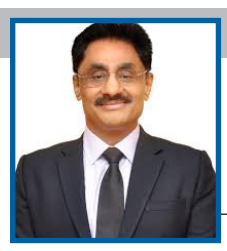

शकील अख्तर

लेखक

राष्ट्रीय सुरक्षा छोटी-मोटी घटनाओं की तरह बना दी। किसी पर कोई असर नहीं। लेकिन परिस्थितियां तेजी से बदलीं। जब आप लापरवाह हो जाते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जवाबदेही से बच जाते हैं। तब कहीं और बड़ी गलतियां करते हैं। और उनमें कुछ ऐसे मामले होते हैं जो अन्तरराष्ट्रीय स्तर के होते हैं। वहां भक्त और गोदी मीडिया नहीं बचा सकते। मोदी जी को सवालों से परे बताने की शुरूआत हो गई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को नया काम दिया गया है। मोदी जी सर्वोपरि हैं। उनसे सवाल नहीं हो सकते। अचानक ऐसा क्या हो गया कि प्रधानमंत्री मोदी को सवालों से ऊपर बताया जाए? एपस्टीन फाइल? और क्या हो सकता है? राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे बीजेपी संघ के कोर इशु (सबसे बड़े सवाल) का तो मोदी जी पर कोई असर नहीं पड़ा। यह बहुत खतरनाक बात है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को इतना हल्का बना दिया कि एक के बाद एक कई चूकें, राजनीतिक नेतृत्व की कमजोरियां सामने आ गईं मगर पार्टी, संघ, भक्त, गोदी मीडिया किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उल्टे सेना पर, सेनाध्यक्ष पर ही दोष डाल दिया गया। याद कीजिए, लद्दाख में जब चीनी सेना ने गलवान में घुसकर 20 भारतीय सैनिकों को शहीद कर दिया था तो गोदी मीडिया ने लद्दाख जाकर वहां से रिपोर्टिंग की कि चीनियों को रोकने का काम सेना का था सरकार क्या कर लेती? और सेना के पास उन्हें रोकने गोली चलाने के अधिकार ही नहीं थे यह 2020 में कुछ ही समय बाद अगस्त में तब सामने आ गया जब पूर्वी लद्दाख में ही कैलाश रिज पर चीन के चार टैंक भारतीय सीमा में बढ़े आ रहे थे। साथ में चीन के पैदल सैनिक थे। और भारत के थल सेना प्रमुख जनरल मुकुंद नरवणे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से निर्देश मांगते रहे कि बताइए क्या करना है? मगर ढाई-तीन घंटे तक उन्हें कोई जवाब नहीं दिया गया। टैंक केवल आधा किलो मीटर की दूरी पर रह गए। और उसके बाद प्रधानमंत्री का जवाब आया जो उचित समझो वह करो! यहां भी प्रधानमंत्री मोदी को इशु नहीं बनाया गया। उल्टे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा में राजनीतिक नेतृत्व की निर्णय लेने की अक्षमता पर सवाल उठाने पर उनके खिलाफ ही पहले एक एफआईआर दर्ज की गई फिर लोकसभा में उनकी सदस्यता रद्द करने और उन्हें राजनीति से ही बाहर करने, चुनाव लड़ने पर हमेशा के लिए रोक लगाने का प्रस्ताव लाया गया। मुद्दा यह था कि जो उचित समझो वह करो कहना था तो तीन घंटे पहले ही क्यों नहीं कह दिया? हर मामले में प्रधानमंत्री को बचाया गया। श्रेय हर बात का उन्हीं को दिया जाता है। याद रखिए भाजपा सरकार नहीं कहा जाता मोदी सरकार ही कहा जाता है। लेकिन जिम्मेदारी किसी बात की उनकी नहीं है। पहले गलवान में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के मामले में नरेटिव बनाया गया कि दोष सेना का। फिर कैलाश रिज (पहाड़ी) के मामले में उसी सेना को निःसहाय छोड़ दिया गया। जनरल नरवणे ने अपनी किताब में जिसके लिए अब कहा जा रहा है कि वह प्रकाशित ही नहीं हुई मगर यह नहीं कहा जा पा रहा कि लिखी ही नहीं गई में कहा है कि जब तीन घंटे बाद उनसे कहा गया कि जो उचित समझो वह करो तो उन्हें लगा कि जैसे वह एकदम अकेले पड़ गए। अंग्रेजी का एक मुहावरा उन्होंने लिखा है कि - जैसे हाथ में गर्म आलू दे दिया। मतलब न आप उसे खा सकते हैं, न हाथ में रख सकते हैं, और न फैंक सकते हैं क्योंकि फैंकना अपमान हो जाएगा। किंकर्तव्यविमूढ़! तो राष्ट्रीय सुरक्षा के तमाम मामले हैं जहां प्रधानमंत्री मोदी फैसला नहीं ले सके, कमजोर नजर आए मगर प्रचार के दम पर राष्ट्रीय सुरक्षा को ही महत्वहीन बना दिया गया। गलवान के बाद खुद प्रधानमंत्री के यह कहने पर भी किसी को कोई फर्क नहीं पड़ा कि न कोई घुसा है न कोई है! 20 जवान शहीद करके वहीं कब्जा करके बैठ गए। मगर प्रधानमंत्री ने कह दिया कि कोई घुसा ही नहीं। राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित कई घटनाएं हैं। पहलगाम में आतंकवादी कैसे घुस गए? कैसे 26 नागरिकों को मार दिया? कोई जवाब आज तक नहीं मिला। एक साल होने वाला है। हां मरने वालों से यह सवाल जरूर पूछा गया कि तुम वहां गए क्यों थे? और उसके बाद आपरेशन सिंदूर करने पर जब हमारी वायु सेना दिए गए टारगेटों पर निर्णायक वार कर रही थी तो अचानक अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने सीज फायर घोषित कर दिया। हमने तत्काल मान लिया। यहीं वह बात अपने आप साफ हो जाती है कि सेना राजनीतिक नेतृत्व के आधीन है। इसलिए उसने अपने बढ़त के मौके पर भी हमले रोक दिए। और जहाज वापस आने लगे। लेकिन गलवान और कैलाश रिज के मामले जो 2020 में तीन महीने के फासले पर ही हुए कहा गया कि जिम्मेदारी सेना की है। जबकि सेना को चीन के मामले में बिना राजनीतिक नेतृत्व से पूछे गोली चलाने की अनुमति नहीं है। विदेश मंत्री जयशंकर कह चुके हैं कि वह बहुत बड़ी आर्थिक शक्ति है हम उससे कैसे लड़ सकते हैं? जब मनचाहे कुछ भी कह दो। बेरोजगारी में पकौड़े बनाने की सलाह दे दो। पुलवामा में तो 40 जवान शहीद हुए थे। यह घटना भी गलवान, कैलाश रिज से एक साल पहले ही 2019 में हुई थी। उस समय वहां के राज्यपाल सतपाल मलिक से कह दिया चुप रहो! आज तक उसका भी पता नहीं चला कि इतना आरडीएक्स कैसे आया। 7 साल हो रहे हैं। जांच में क्या निकला? राष्ट्रीय सुरक्षा छोटी-मोटी घटनाओं की तरह बना दी। किसी पर कोई असर नहीं। लेकिन परिस्थितियां तेजी से बदलीं।

युद्ध की हवाई पट्टी

प्रधानमंत्री मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ में, पूर्वोत्तर की, प्रथम आपात हवाई पट्टी पर सी-130 जे विमान से लैंडिंग की, तो वह प्रथम विश्व नेता, प्रथम शासनाध्यक्ष बन गए। यह कीर्तिमान बड़ी उपलब्धि है, बहुअर्थी है। हमारे राफेल, सुखोई-30 और तेजस लड़ाकू विमानों ने भी आपात हवाई पट्टी को छुआ और फिर वे उड़ गए। यह 40 मिनट का युद्धाभ्यास वहां से 200 किलोमीटर दूर चीन ने भी देखा होगा और विश्व के कई देश चौकन्ने हुए होंगे! प्रधानमंत्री मोदी ने हवाई पट्टी का औपचारिक उद्घाटन किया और वह युद्धाभ्यास के साक्षी भी बने। दुनिया के सर्वप्रथम प्रधानमंत्री की यह लैंडिंग सिर्फ चुनावी, राजनीतिक नेरेटिव ही नहीं है, बल्कि यह युद्धाभ्यास हमारी रक्षा तैयारियों, सामरिक शक्ति, प्रौद्योगिकी सक्षमता और बेशक राष्ट्रीय सुरक्षा कवच का प्रदर्शन भी है। आत्मनिर्भर भारत की अभिव्यक्ति भी है। यह वायु रक्षा मोचेबंदी और आपात हवाई पट्टी इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि युद्ध की शैली बदलती जा रही है। अब दुश्मन सबसे पहले वायुसेना बेस, अड्डों और ठिकानों पर हमले कर दुश्मन देश की वायुसेना को विकलांग करता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने पाकिस्तान के प्रमुख एयरबेसों पर हमले कर उन्हें ध्वस्त कर दिया था। एयरबेसों में गहरे गड्ढे कर दिए थे। बहुत कुछ मिट्टी-मलबा हुआ था। बताया जाता रहा है कि हमारे विमानों ने दुश्मन के 9 एयरबेस, रडार, अवॉक्स सिस्टम आदि ऐसे तबाह किए थे कि वहां से वायुसेना ऑपरेशन को करना और एयरबेस को युद्ध के लिए हमलावर बनाने में लंबा वक्त लगेगा। हालांकि चीन के साथ हमारे संबंध बदल और सुधर रहे हैं, लेकिन चीन एक प्रतिद्वंद्वी, अविश्वसनीय देश रहा है, लिहाजा भारत में ही सत्ता और सियासत का एक वर्ग उसे दुश्मन नंबर वन मानता रहा है। बहरहाल 4.2 किमी लंबी यह हवाई पट्टी, राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर, 100 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है। इस पर 40 टन के लड़ाकू विमान उतर सकेंगे। यहां से 74 टन के परिवहन विमान भी ऑपरेट किए जा सकेंगे। युद्ध या किसी भी आपात स्थिति में बचाव और सैन्य ऑपरेशन तुरंत संभव हो सकेंगे। उप्र के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर भी आपात हवाई पट्टी बनाई गई थी। वहां भी प्रधानमंत्री ने लैंडिंग की थी। दरअसल ऐसी सामरिक तैयारियां दशार्ती हैं कि भारत में रक्षा उत्पादन और सैन्य रणनीति की दुनिया ही बदल चुकी है। बेशक 2026-27 के बजट में 7.85 लाख करोड़ रुपए रक्षा मंत्रालय को आवंटित करना एक राष्ट्रीय, सालाना औपचारिकता हो सकती है, लेकिन भारत का अपना रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1.54 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा, जो एक कीर्तिमान है और 2014-15 की तुलना में 174 फीसदी अधिक है। भारत ने 23622 करोड़ रुपए के ब्रह्मोस मिसाइल, डोर्नियर-228 विमान, बुलेटप्रूफ जैकेट, चेतक हेलीकॉप्टर, हल्के टॉरपीडो, इंटरसेप्टर नौकाएं और गोला-बारूद आदि 100 से अधिक देशों को निर्यात किए हैं। अमरीका और फ्रांस सरीखे देश भी हमारे रक्षा-सामान के खरीददार हैं। क्या यह सामरिक रूप से आत्मनिर्भर होते भारत का बिंब नहीं है? युद्धाभ्यास में जिस तेजस लड़ाकू विमान ने भी हिस्सा लिया, वह स्वदेशी, भारतीय विमान है। अब देश में राफेल लड़ाकू विमान के 60 फीसदी कल-पुरजे, उपकरण आदि का निर्माण और उत्पादन भी भारत में ही होगा। यह फ्रांस के साथ 114 राफेल विमानों के नए करार में निहित है, लिहाजा 96 राफेल विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। शेष 18 विमान फ्रांस से निर्मित होकर आएंगे।

हाथ से लिखना: तेज रफ्तार समय में मन का ठहराव

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का समय गति का है। सुबह आँख खुलते ही मोबाइल स्क्रीन चमकने लगती है, सूचनाओं की बाढ़ हमारे भीतर उतरने लगती है और दिन कब शुरू होकर कब थकान में बदल जाता है, पता ही नहीं चलता। ई-मेल, व्हाट्सऐप, नोटिफिकेशन और सोशल मीडिया-सब मिलकर हमारे ध्यान, हमारी भावनाओं और हमारे समय पर लगातार दावा करते रहते हैं। इस डिजिटल युग में संवाद तो बढ़ा है, लेकिन आत्मसंवाद कहीं पीछे छूट गया है। ऐसे में हाथ से लिखने जैसी सरल, शांत और आत्मीय प्रक्रिया का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ जाता है हाथ से लिखना सिर्फ.शब्दों को कागज पर उतारना नहीं है, यह मन को गति से बाहर निकालकर ठहराव की ओर ले जाने की प्रक्रिया है। जब हम कलम उठाते हैं, तो शरीर और मस्तिष्क एक लय में आते हैं। उँगलियों की गति, स्याही की धार और कागज का स्पर्श-ये सब मिलकर हमारे भीतर चल रहे शोर को धीरे-धीरे शांत करने लगते हैं। यही कारण है कि दिन के अंत में, सोने से पहले यदि कोई व्यक्ति अपनी दिनचर्या की पाँच पंक्तियाँ भी लिख लेता है, तो उसे एक अनकहा सुकून मिलता है-ऐसा सुकून जिसे शब्दों में बाँध पाना कठिन होता है। आज की जीवनशैली में तनाव, चिंता और अनिद्रा आम समस्याएँ बन चुकी हैं। हम दिन भर दूसरों के लिए सोचते हैं-काम के लिए, परिवार के लिए, समाज के लिए-लेकिन अपने मन से बातचीत का समय शायद ही निकाल पाते हैं। लिखना इस कमी को पूरा करता है। जब हम अपने अनुभव, भावनाएँ और विचार कागज पर उतारते हैं, तो हम उन्हें स्वीकार करते हैं। यह स्वीकार्यता ही मानसिक शांति की पहली सीढ़ी है। मन के भीतर जो बातें उलझन बनकर घूमती रहती हैं, वे लिखते ही स्पष्ट होने लगती हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाथ से लिखना मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो भावनात्मक संतुलन और स्मृति से जुड़े होते हैं। डिजिटल टाइपिंग की तुलना में हाथ से लिखे शब्दों का प्रभाव अधिक गहरा होता है, क्योंकि इसमें सोच और लिखने के बीच सीधा संबंध बनता है। यही कारण है कि जब हम अपनी परेशानियाँ, डर या थकान लिखते हैं, तो उनका बोझ हल्का महसूस होने लगता है। यह प्रक्रिया एक तरह की आत्मचिकित्सा बन जाती है-बिना किसी दवा, बिना किसी खर्च के। रात के समय लिखने की आदत विशेष रूप से प्रभावी मानी जाती है। दिन भर की घटनाएँ, भावनाएँ और प्रतिक्रियाएँ मन में जमा रहती हैं। यदि हम उन्हें वहीं छोड़कर सो जाते हैं, तो वे नींद में भी हमारा पीछा करती हैं। लेकिन जब हम सोने से पहले उन्हें लिख देते हैं, तो मन को संकेत मिलता है कि अब दिन पूरा हो चुका है। यह संकेत नींद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है। पाँच पंक्तियाँ ही सही-आज क्या अच्छा हुआ, क्या कठिन लगा, किस बात ने मुस्कुराया, किस बात ने सिखाया-इतना लिखना भी पर्याप्त है। हाथ से लिखना हमें ईमानदार बनाता है। यहाँ न कोई लाइक है, न कोई टिप्पणी, न कोई बाहरी मूल्यांकन। यह एक निजी स्थान है, जहाँ हम बिना डर के अपने सच को रख सकते हैं। कई बार हम समाज के डर से या दूसरों की अपेक्षाओं के कारण अपनी भावनाओं को दबा लेते हैं। लिखना उन्हें सुरक्षित रास्ता देता है। कागज हमारा गवाह बनता है-न्याय नहीं करता, बस सुनता है। आज बच्चों और युवाओं के जीवन में भी यह आदत अत्यंत आवश्यक हो गई है। डिजिटल शिक्षा और स्क्रीन-आधारित मनोरंजन ने उनकी लेखन क्षमता और एकाग्रता को प्रभावित किया है। हाथ से लिखने की आदत न केवल भाषा और अभिव्यक्ति को सशक्त बनाती है, बल्कि धैर्य और अनुशासन भी सिखाती है। जब बच्चा या युवा अपने मन की बात लिखना सीखता है, तो वह भावनात्मक रूप से अधिक संतुलित बनता है। यह मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में एक सशक्त कदम है। इतिहास गवाह है कि लेखन हमेशा से आत्ममंथन का साधन रहा है। डायरी लिखना, पत्र लिखना या विचारों को नोट करना-ये सब परंपराएँ केवल साहित्यिक नहीं थीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ी थीं। आज जब हम इन परंपराओं से दूर हो रहे हैं, तब अवसाद और अकेलापन बढ़ रहा है। यह संयोग नहीं, बल्कि संकेत है कि हमें फिर से अपनी जड़ों की ओर लौटने की जरूरत है। यह कहना भी आवश्यक है कि हाथ से लिखना तकनीक का विरोध नहीं है। तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन संतुलन बनाए रखना हमारी ज़िम्मेदारी है। जैसे शरीर के लिए व्यायाम आवश्यक है, वैसे ही मन के लिए लिखना आवश्यक हो सकता है। दिन में भले ही हम डिजिटल माध्यमों पर निर्भर रहें, लेकिन रात को अपने लिए कुछ पल निकालना-कागज और कलम के साथ-एक स्वस्थ आदत है। कई लोग यह सोचकर लिखना शुरू नहीं करते कि उन्हें अच्छा लिखना नहीं आता। लेकिन लिखने का उद्देश्य साहित्य रचना नहीं, बल्कि मन की सफाई है। यहाँ व्याकरण, शैली या सुंदर शब्दों की आवश्यकता नहीं। जो जैसा महसूस हो, वैसा लिख देना ही पर्याप्त है।

संक्षिप्त खबरें

यार्ड में जाते समय शिवगंगा एक्सप्रेस ट्रेन की दो बोगी डिरेल

वाराणसी। वाराणसी में बनारस रेलवे स्टेशन से दो सौ मीटर दूरी पर यार्ड में जाते समय शिवगंगा एक्सप्रेस ट्रेन की दो बोगी डिरेल हो गई। शिवगंगा एक्सप्रेस ट्रेन की दो बोगियों के डिरेल होने की सूचना मिलते ही यांत्रिक विभाग की टीम पहुंची और बोगियों को पटरी पर लाकर ट्रेन को यार्ड भेजवाया। पीआरओ अशोक कुमार ने बताया कि सोमवार की सुबह छह बजे के करीब बनारस रेलवे स्टेशन पर शिवगंगा एक्सप्रेस ट्रेन पहुंची। कुछ देर के बाद यार्ड में जाते हुए ट्रेन की बोगियां बेपटरी हुई, क्योंकि ट्रेन में कोई यात्री मौजूद नहीं था। जिसके कारण कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है।

युवक की लकड़ी के पटरे से पीट-पीटकर हत्या

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित झूंसी थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार भोर में एक युवक लकड़ी के पटरे पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि झूंसी थाना क्षेत्र के दौलापुर बजहा गांव निवासी कुलदीप बिन्द (28) पुत्र राम मूरत बिन्द का शव आज सुबह गांव के ही एक व्यक्ति के घर के बाहर पाया गया। मृतक युवक के शरीर पर चोंट दिखाई दे रही हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मौके पर फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। शुरूआती जांच में पता चला है कि युवक हत्या की वजह पुरानी रंजिश है। परिवार की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। संदिग्धों की तलाश में संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है।

सुलतानपुर: पत्नी ने प्रेमी संग पति की धारदार हथियार से कर दी हत्या

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश में जिला सुलतानपुर के लंभुआ थाना क्षेत्र मदनपुर पनियार गांव में पत्नी ने प्रेमी संग पति की धारदार हथियार से हत्या कर दी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने घटना की जांच को चार टीम गठित कर दी है। पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने सोमवार को बताया कि आज भोर में लंभुआ थाना क्षेत्र मदनपुर पनियार गांव में एक युवक के हत्या की सूचना मिली। जांच के बाद पता चला कि मृतक अमित सिंह(35)पुत्र हरिनाम सिंह व दीपक सिंह दोनों ट्रक ड्राइवर थे। दोनो की दोस्ती के बीच दीपक सिंह की अमित सिंह पत्नी शिल्पी सिंह से भी संबंध की बात सामने आ रही है। रविवार को अमित और दीपक दोनों घर आए थे।बीती रात किसी बात को लेकर शिल्पी व उसके पति अमित के बीच विवाद हुआ और आरोप है कि पत्नी शिल्पी व अमित ने धारदार हथियार से गले में मारकर अमित की हत्या कर दी। मृतक के भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। मृतक के भाई के आने के बाद शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम कराया जाएगा। हत्यारोपित पत्नी शिल्पा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आजमगढ़ दीवानी न्यायालय को बम से उड़ाने की मिली धमकी,जांच में जुटी पुलिस

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में सोमवार को दीवानी न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन ने कैंपस को खाली कराकर चारों तरफ घेराबंदी करते हुए सघन तलाशी अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि दीवानी न्यायालय कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल पर दी गई। एहतियातन तौर पर पूरे न्यायालय परिसर को तत्काल खाली कराया गया और मौजूद अधिवक्ताओं, कर्मचारियों व फरियादियों को सुरक्षित स्थान से बाहर निकाला गया।इसके बाद न्यायालय के सभी प्रवेश और निकास द्वारों को बंद करते हुए किसी भी व्यक्ति के अंदर जाने पर रोक लगा दी। परिसर के चारों ओर पुलिस बल की तैनात करते हुए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीम ने एक-एक कोने की गहन जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु अभी मिली नहीं है। सुरक्षा के मद्देनजर फोर्स तैनात हैं।

गड्ढे में डूबने से बालक की मौत

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जदइपुर गोरा पट्टी गांव एक गड्ढे में डूबने से पांच वर्षीय बालक की मौत हो गई। पुलिस जांच में जुट गई। जदइपुर गोरा पट्टी गांव निवासी मुख्तार शाह का बेटा सूफियान (5) रविवार शाम से लापता था। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग न मिलने पर पीआरवी 112 पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से देर रात तक खोजबीन की पर कोई सफलता नहीं मिली। सोमवार सुबह दोबारा तलाश शुरू किया गया।

जनपद स्तर पर समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री ने की नागरिकों से अपील, जनपद स्तर पर अवश्य शिकायत करें

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन किया। उन्होंने यहां आए हर फरियादी से स्वयं मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना और निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया कि लखनऊ आने से पहले अपनी समस्याओं को लेकर जनपद व मंडल स्तर पर तैनात अधिकारियों से जरूर मुलाकात करें। वहां भी हर अधिकारी आमजनों की समस्याओं के उचित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। यदि किन्हीं कारणों से वहां समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा हो, तो अवश्य लखनऊ आएं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हर परेशान व्यक्ति की समस्या का निदान सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी हर हाल में जनपद स्तर पर ही पीड़ितों की समस्याओं का निस्तारण करें। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान कुछ उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने हर एक प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) एवं जिला प्रशासन को तत्काल और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है और सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। यदि किसी उद्यमी को किसी भी स्तर पर परेशानी होती है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। फिजिकल एजुकेशन अनिवार्य करने की मांग पर सकारात्मक संकेत जनता दर्शन कार्यक्रम में एक नागरिक ने बेसिक शिक्षा परिषद के सभी प्राथमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों को अनिवार्य किए जाने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने इस सुझाव को गंभीरता से लेते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेल और शारीरिक गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके साथ ही अवैध कब्जों और पुलिस से जुड़े मामलों में भी अधिकारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मन लगाकर पढ़ो, खूब खेलो और खिलते रहो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों को देखकर उनका हालचाल जाना और हंसी ठिठोली भी की। मुख्यमंत्री ने बच्चों से पूछा कि किस क्लास में पढ़ते हो। बच्चों ने भी मुख्यमंत्री के प्रश्नों का उत्तर दिया, फिर सीएम योगी ने सभी बच्चों से कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करो। खूब खेलो और खेलकर खिलते रहो। सीएम ने बच्चों को चॉकलेट दी और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद भी दिया।

यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष शुभम सिंह हाउस अरेस्ट, विधानसभा घेराव से पहले पुलिस की कार्रवाई

प्रात: किरण संवाददाता

अमेठी। मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में 17 फरवरी को लखनऊ में प्रस्तावित विधानसभा घेराव से पहले अमेठी में युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शुभम सिंह को उनके आवास पर सोमवार को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। सुबह से ही उनके घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया, जिसका फोटो वीडियो स्वयं शुभम सिंह के द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। जिससे क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस पार्टी द्वारा लखनऊ में विधानसभा घेराव के आह्वान के मद्देनजर प्रशासन ने एहतियातन यह कदम उठाया है। पुलिस की मौजूदगी के बीच शुभम सिंह को उनके ही घर में नजरबंद रखा गया है। शुभम सिंह ने अपने घर से एक वीडियो बनाकर सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिसमें उन्होंने कहा कि सरकार जनता की आवाज दबाने का काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला है और जनता की आवाज उठाने वालों को रोकना सरकार की घबराहट को दर्शाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बावजूद युवा कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी। इसी बीच यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष से मिलने उनके आवास पहुंचे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व महासचिव यूथ कांग्रेस धर्मेंद्र शुक्ला ने भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता दबने वाले नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि किसी भी हाल में कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचकर विधानसभा घेराव कार्यक्रम में शामिल होंगे। पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का प्रथम कर्तव्य है। फिलहाल किसी को नजर बंद नहीं किया गया है। कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर ऐसे लोगों पर निगरानी रखी जा रही है। जिससे क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अशांति उत्पन्न होने का खतरा बना हुआ है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रहे इसके लिए पुलिस हर उपाय कर रही है।

वाराणसी : बम से उड़ाने की धमकी पर कचहरी परिसर में चला सघन चेकिंग अभियान

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। दो दिन पहले जिला जज के आधिकारिक ईमेल पर कचहरी परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को कचहरी खुलते ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। दो दिन अवकाश के बाद आज कार्यदिवस पर पूरे न्यायालय परिसर में डॉग स्क्वायड एवं बम डिस्पोजल दस्ते ने सघन छानबीन की। धमकी के बाद कैंट क्षेत्र के एसीपी के नेतृत्व में थाना प्रभारी और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में डॉग स्क्वॉड तथा बम निरोधक दस्ता ने परिसर की गहन तलाशी ली। न्यायालय परिसर के प्रवेश द्वारों से लेकर विभिन्न भवनों और पार्किंग क्षेत्र तक सुरक्षा एजेंसियों ने बारीकी से जांच की। पुलिस अधिकारियों ने परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। कैंट थाना प्रभारी ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पूर्वाह्न 10:30 बजे से एसीपी कैंट के नेतृत्व में सर्च अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान बम डिस्पोजल टीम और डॉग स्क्वॉड की मौजूदगी रही। दरअसल, गुरुवार देर रात लगभग 1:30 बजे जिला जज के आधिकारिक ईमेल पर कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी भरा संदेश मिला था। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और एहतियातन परिसर को खाली कराकर तलाशी अभियान चलाया गया था। इससे पहले एसटीएफ और एटीएस की टीमों ने भी न्यायालय परिसर में जांच-पड़ताल की थी। जिला जज संजीव शुक्ला ने सुरक्षा की दृष्टि से अधिवक्ताओं और अन्य संबंधित लोगों से परिसर खाली करने का अनुरोध किया था। फिलहाल पुलिस प्रशासन पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुटा है और न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है।

औरैया में पुरहा नदी का पुनरुद्धार कार्य तेज, जून तक पूर्ण करने का लक्ष्य

प्रात: किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में छोटी नदियों के पुनरुद्धार अभियान के तहत पुरहा नदी के पुनर्जीवन का कार्य तेजी से प्रगति पर है। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी के आदेशानुसार इस महत्वपूर्ण परियोजना को गति दी गई है। जिलाधिकारी द्वारा सिंचाई विभाग को नोडल एजेंसी नामित किया गया है, जो कार्य की निगरानी और क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहा है। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी बताया कि जनपद में पुरहा नदी की कुल लंबाई 31 किलोमीटर है। इसमें से 13 किलोमीटर क्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा पुनरुद्धार कार्य पूर्ण कराया जा चुका है। शेष 18 किलोमीटर के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ज़िला गंगा समिति को उपलब्ध करा दी गई है। बजट आवंटन होते ही शेष भाग में भी कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि संपूर्ण कार्य जून 2026 तक पूर्ण करा लिया जाए। यह परियोजना प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी पहल नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देशन में राज्य स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा जनपद में इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी, अध्यक्ष, ज़िला गंगा समिति, औरैया द्वारा प्रत्येक माह समीक्षा बैठक आयोजित कर कार्य की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे परियोजना समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सके।

कानपुर में रिटायर्ड फौजी ने पत्नी-बेटे की गोली मारकर हत्या की, फिर ट्रेन से कटकर दी जान

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को सेवानिवृत्त फौजी ने अपनी पत्नी और बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूनिट ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित करते हुए तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की पड़ताल में जुट गई है। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। तुलसियापुर गांव नई बस्ती में रहने वाले रिटायर्ड फौजी चेतराम कुमार (52) पत्नी सुनीता (40) और बेटे दीप (16) के साथ रहते थे। इसके अलावा वह रिटायर्ड होने के बाद सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी करते थे। तीन महीने पहले ही उन्होंने नया घर बनवाया था, जिसमें सभी लोग रह रहे थे। आज सुबह बखरिया गांव के पास रेलवे ट्रैक पर एक प्रौढ़ व्यक्ति का शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कुछ ही देर में शव की शिनाख्त मृतक रिटायर्ड फौजी चेतराम कुमार (52) के रूप में की और उसके घर पहुंची। जहां घर के गेट पर बाहर से ताला बंद था। दरवाजा तोड़कर पुलिस जब अंदर दाखिल हुए तो नजारा देख सभी के होश उड़ गए। जहां रिटायर्ड फौजी की पत्नी सुनीता और बेटे दीप का शव पड़ा था। एक साथ तीन मौतों की सूचना पर पुलिस के आला अधिकारियों समेत फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था विपिन ताडा ने बताया कि शुरूआती जांच में ऐसा प्रतीत रात्रि में पति-पत्नी के बीच आपस में झगड़ा हुआ होगा। इसके बाद फौजी ने पहले तो पत्नी और बेटे की हत्या करी। इसके बाद खुद भी रेलवे ट्रैक ट्रेन कटकर आत्महत्या कर ली। घटनास्थल से दो नाली बंदूक बरामद हुई है। जिसे जब्त कर लिया गया है। इसके अलावा परिवार में कुछ आर्थिक कारणों को लेकर तनाव की बात भी सामने आ रही है। आसपास के लोगों के बयान सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्योंके आधार पर घटनाक्रम की गहनता से जांच की जा रही है।

महाशिवरात्रि के दूसरे दिन भी श्री काशी विश्वनाथ दरबार में श्रद्धालुओं का सैलाब

- चारो प्रहर की आरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालु घंटों रहे कतारबद्ध

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। महाशिवरात्रि पर्व के दूसरे दिन सोमवार को भी श्री काशी विश्वनाथ दरबार में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। महापर्व पर अनवरत 45 घंटे मंदिर का पट शिवभक्तों के लिए खुला रहा। दरबार में चारों प्रहर की आरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालु धाम परिसर से लेकर बांसफाटक तक कतारबद्ध रहे। महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर के छह द्वारों से मुख्य मंदिर में प्रवेश कराया गया। महाशिवरात्रि पर्व पर धाम में मंगला आरती के बाद श्रद्धालुओं के दर्शन का अनवरत सिलसिला शुरू हुआ। मंदिर न्यास के अनुसार महाशिवरात्रि पर्व पर रात 10.30 बजे तक 06 लाख 09 हजार 554 श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन कर लिया। सोमवार भोर तक आठ लाख से अधिक श्रद्धालुओं के दर्शन पूजन का अनुमान है। माना जा रहा है कि इस बार पिछले महाशिवरात्रि पर्व की तुलना में कम श्रद्धालु आए। पिछले वर्ष 2025 में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में 45 घंटे में ही 12 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। इसका बड़ा कारण महाकुंभ का पलट प्रवाह भी रहा। महापर्व पर इस बार भी सुरक्षा व्यवस्था के अभेद्य किलेबन्दी के बीच मंदिर के गर्भगृह के बाहर बने पात्र से श्रद्धा अनुराग की अखंड जलधार बेलपत्र मदार धतुरा दुग्ध जल ज्योर्तिलिंग पर बहती रही। आधी रात के बाद से ही पूरा मंदिर परिक्षेत्र हर-हर महादेव, हर-हर, बम-बम के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान रहा। यही, हाल जिले और शहर के प्रमुख शिवमंदिरों से लेकर छोटे– बड़ें शिवालयों का रहा। पूरे जिले में कंकर कंकर शंकर का नजारा महापर्व पर दिखा।

बरेली पुलिस ने डकैती करने वाले गैंग को मुठभेड़ में दबोचा, गोली लगने से दो बदमाश घायल

प्रात: किरण संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली के भोजीपुरा थाना क्षेत्र के धौंराटांडा में राइस मिलर के घर हुई लाखों की डकैती का पुलिस ने रविवार देर रात मुठभेड़ में पदार्फाश कर दिया। तमंचों के दम पर परिवार को बंधक बनाकर 8.32 लाख रुपये नकद व करीब छह तोला जेवर लूटने वाले चार बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जवाबी फायरिंग में अकरम अली और आसिफ के पैर में गोली लगी, जबकि साहिल और शाहिद को मौके से दबोच लिया गया। गुरुवार देर रात करीब दो बजे बदमाश चैनल काटकर मोहम्मद रिहान के घर में घुसे थे। उन्होंने अकील अहमद को काबू कर हाथ बांध दिए और रिहान व उनके भाई पर तमंचा तान दिया। जान से मारने की धमकी देकर अलमारियां खंगालीं और नकदी-जेवर समेट लिए। भागते समय एक बदमाश छत से कूदकर घायल हो गया था, जिसे ग्रामीणों ने पकड़ लिया था। घटना के बाद से पुलिस टीम गैंग की तलाश में जुटी थी। रविवार रात चेकिंग के दौरान संदिग्ध पिकअप को रोकने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो घायल हो गए और चारों पकड़े गए। आरोपियों से लूटी नकदी, अवैध तमंचे व वाहन बरामद हुए हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि डकैती की घटना के खुलासे के लिए कई टीमें लगाई गई थीं। मुठभेड़ में गिरफ्तार सभी आरोपी वारदात में शामिल पाए गए हैं। गैंग के आपराधिक इतिहास व अन्य साथियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। जल्द ही पूरे नेटवर्क का पदार्फाश किया जाएगा।

वाराणसी : शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शुरू की आनलाइन धर्म परीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। ज्योतिष्पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने सनातन धर्म के संरक्षण के लिए एक अद्वितीय आत्म जागरण पहल ऑनलाइन धर्म परीक्षा (क्विज) शुरू की है। हिन्दू समाज में व्याप्त आत्म-मोह एवं धर्म-विषयक अस्पष्टता को दूर करने के लिए धर्म परीक्षा में असली एवं नकली हिन्दू की स्पष्ट पहचान का संदेश है। सोमवार को यह जानकारी केदारघाट स्थित श्रीविद्यामठ के प्रवक्ता संजय पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि धर्म परीक्षा अभियान की मुख्य विशेषता है कि यह स्व-मूल्यांकन का दर्पण है। यह क्विज समाज के लिए एक साक्षात दर्पण के समान है, जहाँ कोई बाह्य परीक्षक नहीं होता, बल्कि व्यक्ति का अपना अंतर्मन ही न्यायाधीश की भूमिका निभाता है। शंकराचार्य के मार्गदर्शन में यह प्रयास प्रत्येक सनातनी को आत्म-विश्लेषण का दुर्लभ अवसर प्रदान करता है। परीक्षा के प्रश्न सनातन मूल्यों, आचरण, नैतिकता, गौ-संरक्षण, राष्ट्र-भक्ति और शास्त्र-सम्मत विश्वास जैसे विषयों पर आधारित हैं। इस क्विज का उद्देश्य केवल ज्ञान की जाँच करना नहीं, बल्कि आचरण में सुधार और धर्म के प्रति दृढ़ संकल्प को प्रेरित करना है। शंकराचार्य महाराज का संदेश है कि यह दर्पण असली एवं नकली हिन्दू की स्पष्ट पहचान करने और समाज में सच्चे धर्माचरण के प्रसार के लिए रखा गया है। अब तक हजारों श्रद्धालु इस परीक्षा में भाग ले चुके हैं और अनेक प्रतिभागियों ने पूर्ण अंक प्राप्त कर ह्यसत्य-सनातनीह्न होने का गौरव अर्जित किया है। सभी सनातन-प्रेमियों, युवा पीढ़ी और धर्म-सेवियों से अपील है कि वे इस पवित्र परीक्षा में भाग लेकर स्वयं को परखें और अपनी कमियों को दूर करें।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने एसओजी की पूरी टीम को किया निलंबित

प्रात : किरण संवाददाता

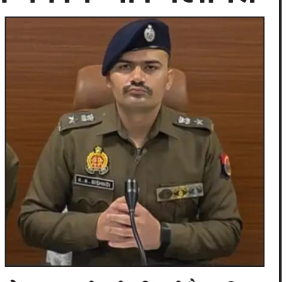

संभाल। उप्र के जनपद संभल में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने शिकायत मिलने के बाद एसओजी की पूरी टीम को निलंबित कर दिया है। इसमें प्रभारी समेत आठ पुलिसकर्मी शामिल हैं। कबाड़ी से 30 हजार रुपये वसूलने और उसका कबाड़ा रोकने के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने शिकायत के आधार पर संभल के सीओ आलोक कुमार भाटी से जांच कराई जिसमें मामला सही पाया गया। एसओजी का नया प्रभारी एसपी ने बोबिंद्र शर्मा को बनाया है। जनपद मुरादाबाद के बिलारी निवासी कबाड़ी जफरूद्दीन अपने बेटे के साथ 2 फरवरी की रात करीब 9 बजे मोबाइल की प्लेट का कबाड़ा लेकर संभल के लाडम सराय की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एसओजी की टीम ने कबाड़ी पिता-पुत्र की बाइक को रोक लिया और संभल कोतवाली क्षेत्र की पुलिस चौकी चौधरी सराय ले आए। बिचौलियों के माध्यम से मामला निबटाया गया। आरोप है कि कबाड़ी पिता-पुत्र को छोड़ने के एवज में 30 हजार रुपये वसूले गए। साथ ही मोबाइल की प्लेट गलाकर जो धातु निकलती है उसको टीम ने अपने पास रोक लिया। रात के समय कबाड़ी पिता-पुत्र चले गए लेकिन 3 फरवरी को टीम से संपर्क किया और धातु लौटाने की बात कही। आरोप है कि टीम ने धातु से भरा कट्टा लौटाने की एवज में भी 40 हजार रुपये मांगे, जबकि कट्टे में 40 हजार रुपये की ही धातु थी। इसके बाद ही शिकायत एसपी तक पहुंची। जांच कराने पर मामला सही पाया गया और कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि प्राथमिक जांच पड़ताल में शिकायत सही पाई गई है। इसके चलते प्रभारी एसआई मोहित चौधरी, हेड कांस्टेबल कुलवंत, अरशद, कांस्टेबल अजनबी, आयुष, विवेक, बृजेश और हिरेश को निलंबित कर दिया है। एसपी ने एसओजी का नया प्रभारी बोबिंद्र शर्मा को बनाया है।

सिम 5जी करने के नाम पर महिला से 24.86 लाख की ठगी, साइबर क्राइम थाना में केस दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक महिला से साइबर ठग ने मोबाइल फोन का सिम 4जी से 5जी करने के नाम पर 24 लाख से अधिक की रकम ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में महिला के पति ने बीती रात रविवार को साइबर क्राइम थाना में तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने सोमवार को बताया कि बीती रात सेक्टर 82 निवासी इंद्रजीत चटर्जी ने साइबर क्राइम थाने में तहरीर दी। जिसमें बताया गया कि उनकी पत्नी अनंदिता के पास 4 फरवरी को मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने उनसे कहा कि वह एयरटेल कंपनी से बोल रहा है। उसने पत्नी से मोबाइल फोन का सिम 4जी से 5जी में अपग्रेड कराने की बात की। पत्नी ने हामी भर दी। इसके बाद कॉल करने वाले ने एयरटेल कंपनी का अधिकारी बनकर एक रिक्वेस्ट भेज दिया गया। अगले दिन फिर उसका कॉल आया तो उनकी पत्नी ने कहा कि उनका सिम अपग्रेड नहीं हुआ है। इस पर कॉल करने वाले कहा कि इसके लिए ई-सिम कराना जरूरी है और आपका मोबाइल फोन 24 घंटे के लिए बंद रहेगा। जब उनकी पत्नी ने सवाल उठाया तो उसने कहा कि यह जरूरी है। पीड़ित की ओर से दी तहरीर में बताया गया कि 24 घंटे बाद भी उनकी पत्नी का मोबाइल फोन इनएक्टिव रहा। उसने 5 फरवरी को कॉल किया। जब उनकी पत्नी ने पूछा तो उसने (साइबर ठग) कहा कि कुछ टेक्निकल प्रॉब्लम है। मोबाइल फोन कई दिनों तक इनएक्टिव रहा। इस बीच ठग बीच-बीच में उनकी पत्नी को कॉल करता रहा और बहाना बनाता रहा। 8 फरवरी को पीड़ित दंपति एयरटेल स्टोर गए और उन्होंने अपना 4जी सिम फिर से जारी करवाया। उसके बाद उन्होंने अपना अकाउंट चेक किया तो पता चला कि उनके सेविंग अकाउंट और क्रेडिट कार्ड से कई बार ट्रांजैक्शन कर 24 लाख 86 हजार 58 रुपया निकाले जा चुके हैं। एडीसीपी साइबर क्राइम ने बताया कि इस तहरीर के आधार पर साइबर ठगी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा में सेंध, परिसर में अवैध रूप से उड़ाए जा रहे हैं ड्रोन, रिपोर्ट दर्ज

अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर थाना जेवर में एयरपोर्ट की सुरक्षा में लगी एक सिक्योरिटी एजेंसी के सुपरवाइजर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि पिछले तीन दिनों से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के परिसर क्षेत्र में अवैध रूप से ड्रोन उड़ाए जा रहे हैं। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना जेवर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा में लगी सिक्योरिटी एजेंसी के सुपरवाइजर कृष्णकांत पांडे ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि पिछले दो-तीन दिनों से जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के परिसर में अवैध रूप से ड्रोन उड़ाए जा रहे हैं। ये ड्रोन गांव रनहेरा-कुरैब से झाझर रोड की दिशा से एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करते हैं, तथा कुछ समय पश्चात पुनः उसी दिशा में वापस चले जाते हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का क्षेत्र ड्रोन के संचालन के लिए नो ड्रोन फ्लाई जोन घोषित किया गया है एवं सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन उड़ाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। उन्होंने आशंका जताई है कि इस तरह की गतिविधियां एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है। उन्होंने बताया कि अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223,289 और 125 के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जसजीत कौर की सख्ती: उट डैशबोर्ड पर D रैंक मिलने पर एनआरएलएम और उद्योग विभाग को फटकार, रैंक सुधारने के कड़े निर्देश

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद की विकास योजनाओं की रैंकिंग में गिरावट पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कड़ा रुख अपनाया है। सोमवार शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक में उन्होंने एनआरएलएम, उद्योग विभाग और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को उट डैशबोर्ड पर ऊरैंक मिलने पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने उपायुक्त एनआरएलएम और उपायुक्त उद्योग को निर्देशित करते हुए कहा कि विभागीय कार्यों में पूर्ण गंभीरता बरतते हुए रैंक में शीघ्र सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से उद्योग विभाग की लगातार गिरती रैंकिंग पर नाराजगी जताते हुए ओडीओपी समेत अन्य बिंदुओं पर प्रगति बढ़ाने के लिए उच्च अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने वन विभाग को भी सख्त निर्देश देते हुए कहा कि बिना अनुमति हरे-भरे पेड़ों और बागों की कटाई करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। टॉप-10 में लाने का लक्ष्य, रोजाना मॉनिटरिंग के निर्देश जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को हर हाल में पूरा करें और उट डैशबोर्ड पर शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनपद को उट डैशबोर्ड में टॉप-10 जिलों में शामिल कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि डैशबोर्ड पर अपलोड किए जाने वाले डाटा की गहन जांच के बाद ही उसे फीड किया जाए, क्योंकि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा होती है। ई-ऑफिस प्रणाली को अनिवार्य रूप से अपनाने के निर्देश जिलाधिकारी ने बताया कि शासन स्तर पर ई-ऑफिस प्रणाली की लगातार मॉनिटरिंग हो रही है। इसलिए सभी विभाग अपने शासकीय कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से ही संपादित करें, क्योंकि भविष्य में सभी सरकारी कार्य इसी प्रणाली से संचालित होंगे। कई विभागों की प्रगति की हुई समीक्षा बैठक में परिवहन, जीएसटी, ऊर्जा, कृषि, ग्राम्य विकास, स्वास्थ्य, पशुधन, समाज कल्याण, सिंचाई, शिक्षा, जल निगम, महिला एवं बाल विकास समेत विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग शासन के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करें और किसी भी स्थिति में जिले की रैंकिंग गिरने न दें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए दिनकर भारती, जिला पंचायत राज अधिकारी रिजवान अहमद, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी लक्ष्मी देवी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष हाउस अरेस्ट, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ओमकार कटारिया को सोमवार को पुलिस प्रशासन द्वारा उनके आवास सैद नगली में हाउस अरेस्ट कर दिया गया। बताया जा रहा है कि 17 फरवरी को लखनऊ में प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम को देखते हुए यह कार्रवाई की गई है। कांग्रेस पार्टी द्वारा मनरेगा की बहाली, किसान-मजदूर-नौजवान के अधिकारों और रोजगार से जुड़े मुद्दों को लेकर विधानसभा घेराव की घोषणा की गई है। इसी क्रम में प्रशासन ने एहतियातन कदम उठाते हुए जिलाध्यक्ष को घर से बाहर निकलने से रोक दिया। इस दौरान जिलाध्यक्ष ओमकार कटारिया ने कहा कि उन्हें पिछले छह वर्षों में 57 बार हाउस अरेस्ट किया जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना किसी लिखित कारण बताए उन्हें नजरबंद किया गया और पुलिस द्वारा केवल ऊपर से आदेश का हवाला दिया गया। कटारिया ने प्रदेश सरकार पर लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए पुलिस का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर और युवाओं के हक की आवाज उठाना उनका कर्तव्य है और इसे किसी भी कीमत पर रोका नहीं जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को समाप्त कर गरीब मजदूरों के रोजगार पर चोट की गई है और कांग्रेस पार्टी इसकी बहाली के लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष जारी रखेगी। कटारिया ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर ह्लराजधर्म का पालन न करनेह्व और लोकतंत्र में सवाल पूछने के अधिकार को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जनता के हक और स्वाभिमान की लड़ाई कांग्रेस जारी रखेगी। उधर प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से इस मामले में औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय मजदूर संघ ने किया प्रदेशस्तरीय बैठक का सकारात्मक आयोजन

लोनी/सीहोर। शनिवार को कार्यभारित दैनिक वेतन भोगी एवं स्थाई कर्मी महासंघ सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रदेश के अनेकों जिले एवं संभागों से कर्मचारी और प्रदेश पदाधिकारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रभु के चित्र पर माल्यार्पण के साथ प्रारंभ हुए कार्यक्रम में मध्य प्रदेश कार्यभारित दैनिक वेतन भोगी एवं स्थाई कर्मी महासंघ सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुमार झा. वहां बाहर से आए पदाधिकारियों से उनके विभागों संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। प्रदेश महामंत्री कुलदीप गुर्जर ने अपने उद्बोधन में कर्मचारियों और पदाधिकारियों कहा कि स्थाई कर्मी और दैनिक वेतन भोगियों की पीड़ा किसी से छिपी नहीं है इसके लिए हमें प्रदेश के हर कर्मचारी को एक होकर संगठन के साथ आना होगा तभी सरकार के समक्ष हम अपना पक्ष मजबूती से रख पाएंगे। श्री गुर्जर ने कहा कि वित्त विभाग से चर्चा करनी होगी। इसके बाद मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया जायेगा। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न विभागों में कर्मचारियों के साथ आ रही परेशानियों के दृष्टिगत उनके कैपीएस से मिलकर उनका अतिशीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया। इसी कड़ी में नगर पालिका और इछावर एवं प्रदेश की अन्य कुछेक नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में विगत दो से तीन माहों से वेतन की लेट लतीफी या अन्य कारणों से हो रही देरी के संबंध में प्रदेश कार्यभारित दैनिक वेतन भोगी एवं स्थाई कर्मी महासंघ सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश मंत्री विनोद वोयत ने नगरीय प्रशासन के आयुक्त महोदय से इस संबंध में चर्चा करने हेतु प्रदेश महामंत्री को अवगत कराया गया। जिस पर उन्होंने 23-24 तारीख तक चर्चा हेतु आश्वासन दिया है। अंत में कार्यभारित दैनिक वेतन भोगी एवं स्थाई कर्मी महासंघ सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री द्वारिका प्रसाद कुशवाह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे श्री कुलदीप जी राजपूत ने किया।

डंपिंग ग्राउंड का विरोध कर रहे किसानों पर पुलिस ने भांजी लाठियां

लोनी। मीरपुर हिन्दू गांव में डंपिंग ग्राउंड का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को एक बार फिर हिरासत के विरोध में उतरे महिला व पुरुष किसानों ने जैसे ही डंपिंग ग्राउंड के अंदर घुसने का प्रयास किया। पुलिस ने उनपर दौड़ा-दौड़ाकर लाठियां भांजी। इस दौरान जहां किसानों ने महिलाओं सहित कई के घायल होने की बात कही है वहीं दूसरी ओर दो पुलिस कर्मियों का चोटिल होना बताया जा रहा है। गौरतलब हो कि गांव मीरपुर हिंदू सहित कई गांव के ग्रामीण मीरपुर हिंदू की भूमि पर बनने वाले डंपिंग ग्राउंड का विगत दिनों से विरोध करते आ रहे हैं। इस दौरान पुलिस व ग्रामीणों के बीच कई बार झड़प भी हो चुकी। यहां तक की कुछ माह पूर्व विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस ने लाठियां भांजते हुए कुछ किसानों को हिरासत में भी ले लिया था। हालांकि बाद में भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में पहुंचे सैकड़ों ग्रामीणों के विरोध के बाद उन्हें छोड़ दिया गया था। तभी से डंपिंग ग्राउंड के विरोध में लगातार धरना प्रदर्शन करते आ रहे महिला व पुरुष किसान रविवार को एक बार फिर बड़ी संख्या डंपिंग ग्राउंड पर जा पहुंचे और विरोध प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान प्रदर्शन कारियो का अड़ियल रवैया देखते हुए वहां भारी संख्या में मौजूद पुलिस ने उनपर लाठी चार्ज कर दिया। देखते ही देखते किसानों के बीच भगदड़ मच गई जिन्हें पुलिसकर्मियों ने खेतों में दौड़ा-दौड़ा कर उन पर लाठियां भांजी। किसानों का आरोप है कि पुलिस ने निहत्थे प्रदर्शनकारी महिला पुरुष किसानों पर लाठियां बरसाई है। जिसमें महिलाओं सहित कई किसान घायल हुए हैं।

डिडोली पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में बोले विधायक महबूब अली

बच्चे देश का भविष्य, शिक्षा से ही होगी उन्नति

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। विकास खण्ड जोया क्षेत्र के डिडोली पब्लिक स्कूल में रविवार को वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महबूब अली, सदर विधायक अमरोहा एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री/सभापति लोक लेखा समिति उ०प्र० शामिल हुए। विद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ द्वारा मुख्य अतिथि का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया। अपने संबोधन में विधायक महबूब अली ने कहा कि बच्चे न केवल परिवार बल्कि पूरे देश का भविष्य होते हैं, इसलिए अभिभावकों को उनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पढ़ा-लिखा समाज ही सही मायनों में तरक्की करता है और शिक्षा के बिना किसी भी समाज या राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि आज के ये बच्चे ही कल देश के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे और विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़कर देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दें, जिससे वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझ सकें। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मास्टर शमीम, जमशेद कमाल, जाहिद प्रधान, मौ० उमर, नवाब अली, एजाजूल सलमानी, अशरफ अली, मुस्लिम सैफी सहित सैकड़ों अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

खो शूकरो नदी में अवैध खनन से किसानों में रोष, भाकियू भानु ने दी घेराव की चेतावनी

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से होकर बहने वाली खो शूकरो नदी इन दिनों अवैध खनन के कारण चर्चा में है। स्थानीय किसानों ने आरोप लगाया है कि खनन माफिया नदी से अवैध रूप से मिट्टी और खनिज निकालने के साथ-साथ आसपास के निजी कृषि खेतों को भी निशाना बना रहे हैं। किसानों का कहना है कि उनकी जमीन से बिना अनुमति मिट्टी निकालकर उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जबकि प्रशासनिक अधिकारी शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, रात के समय जेसीबी मशीनों और डंपरों की आवाजाही लगातार बढ़ गई है। कई किसानों ने बताया कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो खनन से जुड़े लोगों ने उन्हें अनदेखा कर काम जारी रखा। किसानों का आरोप है कि इस संबंध में खनन विभाग, पुलिस और तहसील प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन प्रत्येक विभाग ने जिम्मेदारी दूसरे विभाग पर डाल दी। इससे किसानों में भारी नाराजगी है। किसानों का कहना है कि अवैध खनन से उनकी उपजाऊ भूमि को नुकसान पहुंच रहा है और भविष्य में खेती करना कठिन हो सकता है। साथ ही नदी के प्राकृतिक स्वरूप पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने की आशंका है। इस मामले को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भानु) के प्रदेश उपाध्यक्ष गौतम शर्मा ने प्रशासन को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र ही अवैध खनन पर रोक नहीं लगाई गई तो संगठन संबंधित अधिकारियों के कार्यालय का घेराव करने को मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौतम शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण खनन माफिया के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और किसानों को हुए नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा दिया जाए। वहीं, इस संबंध में जब संबंधित विभागों से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो अधिकारियों ने मामले की जानकारी होने की बात कही और जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायतों के चलते अब प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। किसानों और ग्रामीणों की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र में आंदोलन की स्थिति बन सकती है।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रात: किरण सुशील शर्मा

लोनी। रविवार को लोनी क्षेत्र में महाशिवरात्रि पर्व पूरी श्रद्धा और हर्ष उल्लास के साथ से मनाया गया। श्रद्धालुओ ने शिवलिंग का जलाभिषेक किया और भोले के पसंदीदा व्यंजनों का भोग लगाते हुए विधिवत रूप से पूजा अर्चना की। इस दौरान शिवालयों में महादेव के नाम के विभिन्न जयकारे गूंजते रहे। शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र, महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मंदिरों में प्रातः से ही जलाभिषेक करने वाले शिव भक्तों का ताता लगना शुरू हो गया था। व्रतधारी शिव भक्त हो या अन्य आस्थावान, उनके जलाभिषेक व पूजा अर्चना का यह सिलसिला क्षेत्रीय शिवालयों/मंदिरों में दिन भर यूं ही चलता रहा। इस कड़ी में बात लोनी-बन्थला मार्ग, मैन बाजार में स्थित शिव मंदिर की करें तो वहां बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ देखने को मिली जबकि गुलाब वाटिका स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शिव भक्तों को जलाभिषेक के लिए अपनी-अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा था। और इस तरह अपने हाथों में जल और पूजा सामग्री के साथ कतार में खड़े सभी महिला व पुरुष श्रद्धालुओ ने बारी-बारी से शिवलिंग का जलाभिषेक और पूजा अर्चना करते रहे। इस दौरान भक्तिमय धार्मिक संगीत के साथ-साथ घंटे-घड़ियाल व शंखनाद संग मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। ऐसे श्रद्धा व भक्तिपूर्ण माहौल को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो सब कुछ शिवमय हो गया हो। आस्थावनों ने यज्ञ आहुति दे उठाया धर्म लाभ क्षेत्र के अनेक शिवालयों में जलाभिषेक से पूर्व पंडितों द्वारा वहां यज्ञ का आयोजन किया गया था। पूरे विधि-विधान व मंत्रोच्चारण के साथ किए गए यज्ञ के दौरान वहां श्रद्धालुओं ने घी, नारियल व सुगन्धित सामग्री की आहुति देते हुए धार्मिक लाभ उठाया। सभी ने भगवान शंकर से अपने परिवार के साथ-साथ देश की सुख-समृद्धि के लिए मंगल कामना करी। धूमधाम से निकली शिव बारात महाशिवरात्रि पर्व के इस धार्मिक अवसर पर कई स्थानों पर शिव बारात का धार्मिक आयोजन किया गया। बैंड बाजे व ढोल-ताशो की धुन के साथ धूमधाम से निकाली गई शिव बारात में सैकड़ों की तादाद में महिला व पुरुष श्रद्धालु भक्त बारातियों के रूप में शामिल थे। जो इस दौरान जहां कुछ लोग गुलाल व अबीर उड़ाते हुए मस्ती में झूमते नजर आए वहीं बहुत से आस्थावान बैंड-बाजे व ढोल की थाप पर थिरक रहे थे।

बिजनौर में आम के बागों का महाविनाश! कॉलोनाइजर-लकड़ी माफिया गठजोड़ के आरोप, सैकड़ों बीघा हरियाली साफ, प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद बिजनौर में आम के हरे-भरे बागों की तेजी से हो रही कटाई ने पर्यावरण, प्रशासनिक जवाबदेही और भूमि उपयोग को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है। मंडावर, नहटौर, धामपुर, नजीबाबाद, बढ़ापुर और मुख्यालय क्षेत्र तक फैले कई स्थानों पर आम के बागों को पूरी तरह साफ किए जाने की घटनाएं सामने आई हैं। स्थानीय ग्रामीणों और पर्यावरण से जुड़े लोगों ने आरोप लगाया है कि कॉलोनाइजर और लकड़ी कारोबारी कथित रूप से अनुमति की आड़ में बड़े पैमाने पर कटान कर रहे हैं, जिससे सैकड़ों बीघा हरियाली खत्म हो चुकी है। मंडावर क्षेत्र में हाल ही में तीन बड़े आम के बागों को पूरी तरह काट दिए जाने का मामला चर्चा में है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रारंभ में सीमित पेड़ों की कटान की अनुमति ली गई, लेकिन बाद में पूरे बाग को साफ कर दिया गया। अब संबंधित भूमि पर कॉलोनी विकसित करने की तैयारी चल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह अनुमति के दुरुपयोग का गंभीर मामला हो सकता है, जिसकी जांच आवश्यक है। नहटौर क्षेत्र में भी तीन अलग-अलग स्थानों पर आम के बागों के समाप्त होने की सूचना है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन के समय भी पेड़ों की कटाई होती रही, लेकिन रोकथाम के लिए कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं दिखाई दी। ग्रामीणों ने संबंधित विभागों की सक्रियता पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। धामपुर और नजीबाबाद में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित आम के बागों को भी साफ किए जाने की जानकारी सामने आई है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि हाईवे से सटे होने के कारण इन जमीनों की बाजार कीमत अधिक है, जिसके चलते उन्हें आवासीय प्लॉटिंग के लिए तैयार किया जा रहा है। नजीबाबाद क्षेत्र में हाल ही में भारी मशीनों से कटान किए जाने की भी चर्चा है। बढ़ापुर क्षेत्र में एक और आम का बाग पूरी तरह समाप्त हो गया, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है। वहीं बिजनौर मुख्यालय के बख्शीवाला क्षेत्र में भी आम के पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलने की ताजा घटना सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते रोक नहीं लगी तो शेष बाग भी समाप्त हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आम के बागों की संख्या में कमी आने से पर्यावरण संतुलन पर असर पड़ सकता है। इससे तापमान वृद्धि, जैव विविधता में कमी और किसानों की आय पर भी प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। आम उत्पादन के लिए प्रसिद्ध बिजनौर में बागों का तेजी से कम होना चिंताजनक माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि अनुमति लेकर ही कटान किया गया है तो उसकी शर्तों और वास्तविक कटान की स्थिति की जांच होनी चाहिए। वहीं यदि अवैध कटान हुआ है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई आवश्यक है। लोगों ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अनुमति प्रक्रिया की समीक्षा की मांग की है। पर्यावरण प्रेमियों और ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, अवैध कटान पर रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो जिले की पहचान रहे आम के बाग धीरे-धीरे समाप्त हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि शहरी विस्तार और रियल एस्टेट गतिविधियों के कारण कृषि और बागवानी भूमि का उपयोग तेजी से बदल रहा है। बिजनौर में आम के बाग लंबे समय से आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन वर्तमान घटनाओं ने इस विरासत के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

आईपीएस अभिषेक झा का दो साल का कार्यकाल बेमिसाल: एम आर पाशा

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

बिजनौर। जनपद बिजनौर में कानून व्यवस्था की कमान संभाल रहे पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा का दो वर्षीय कार्यकाल उपलब्धियों, सख्ती और संवेदनशील पुलिसिंग के लिए याद किया जाएगा। उनके इस बेमिसाल कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने कहा कि उनके नेतृत्व में चलाया गया अपराध उन्मूलन अभियान न केवल प्रभावी रहा, बल्कि अपराधियों के बीच पुलिस का खौफ भी साफ नजर आया। अपने कार्यकाल के दौरान कप्तान अभिषेक झा ने यह साबित किया कि मजबूत नेतृत्व, त्वरित कार्रवाई और टीम वर्क से किसी भी जिले की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जा सकता है। बदमाशों के खिलाफ चलाए गए अभियान में पुलिस ने मुठभेड़ों और धरपकड़ के जरिए अपराधियों को कड़ा संदेश दिया—ह्लगोली मारोगे तो गोली खाओगेह्व की नीति को सख्ती से लागू किया गया।परिणामस्वरूप कई वांछित अपराधी जेल की सलाखों के पीछे पहुंचे और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगा। पुलिस अधीक्षक की सबसे बड़ी विशेषता रही उनकी मौके पर तत्काल उपस्थिति। किसी भी बड़ी घटना पर स्वयं घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण करना, टीम का मनोबल बढ़ाना और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करना उनकी कार्यशैली का अहम हिस्सा रहा। इससे न केवल पुलिस बल का आत्मविश्वास बढ़ा, बल्कि आम जनता में भी सुरक्षा की भावना मजबूत हुई। अभिषेक झा के नेतृत्व में जनपद में सभी धर्मों के त्योहार सौहार्दपूर्ण वातावरण में सकुशल संपन्न कराए गए। उन्होंने सामाजिक समरसता बनाए रखने के लिए लगातार संवाद और निगरानी की रणनीति अपनाई। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए महिला शक्ति मिशन के अंतर्गत थानों और चौकियों पर विशेष बैठकें आयोजित की गईं। छात्राओं की सुरक्षा के लिए स्कूलों के आसपास गश्त बढ़ाई गई और जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। दिव्यांगजन, बुजुर्ग और गरीबों को न्याय दिलाने के लिए भी पुलिस प्रशासन ने तत्परता दिखाई। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. आर. पाशा ने पुलिस अधीक्षक के दो साल पूर्ण होने पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उनकी कार्यप्रणाली प्रेरणादायक है और ऐसे ही कप्तान पुलिस विभाग की शान होते हैं, जो जनता में विश्वास और अपराधियों में भय पैदा करते हैं। जनपद बिजनौर में अपराध नियंत्रण, बेहतर पुलिसिंग, त्वरित अनावरण और जनसहभागिता—इन सभी मोर्चों पर आईपीएस अभिषेक झा का कार्यकाल एक मिसाल बन चुका है। उम्मीद की जा रही है कि आगे भी उनका नेतृत्व इसी तरह जनपद को सुरक्षित और सशक्त बनाए रखेगा।

विराट हिंदू सम्मेलन में उमड़ी सनातनियों की भीड़

लोनी। हिंदू संगठन की तरंग लगातार गति पर है। इसी कड़ी में लक्ष्मी गार्डन बस्ती, लोनी रोड पर एक विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन के दौरान हजारों की संख्या में महिला व पुरुषों की भीड़ ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। महामंडलेश्वर जी त्रिलोचन दास जी ने धर्म के प्रति तन-मन-धन कुर्बान करने वाले पूर्वजों और अपने माता पिता के मान-सम्मान की रक्षा के लिए समाज के लोग लव जिहाद, धर्म परिवर्तन जैसे कार्यों तथा अपना नाम बदलकर व्यापार करने वालों का बहिष्कार करें। और अपने समाज के गरीब जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव प्रयासरत रहे। प्रान्त कार्यवाह शिव कुमार जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष का इतिहास और समाज में पंच परिवर्तन का महत्व बताने के साथ ही उन्होंने लोगों से कहा कि वह पर्यावरण हितैषी बने और सामाजिक समरसता की मिसाल कायम करे। उन्होंने कहा भारतीय संस्कृति अनुसार हमारा बोध, वेशभूषा, मातृ भाषा, शाकाहारी भोजन, हिन्दू पद्धति की पहचान वाला भवन, प्रत्येक त्यौहार उत्सव आनंद उल्लास से मनाना और नागरिक कर्तव्य निभाना हमारा धर्म होना चाहिए। और यह नहीं भूलना चाहिए कि भगवा ध्वज, तिरंगा, वंदेमातरम और जन गण मन हमारी शान है। उन्होंने कहा हम हिंदू है और हिंदुस्तान हमारा है। हम कही घूमने भी जाए तो आदर्श हिन्दू का प्रतीक बने और धर्म के हित में आगे आकर ऐसे कार्य करें जो हमारा अभिमान बने। मंच संचालन कर रहे भाग कार्यवाह संजीव हिंदुस्तानी ने अपने वक्तव्य में बताया कि यह वर्ष 2026 बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने शताब्दी संघ के 100 वर्ष पूर्ण होना, 150 साल वंदेमातरम, 300 साल गुरु गोबिंद, अहिल्याबाई जी के 350 वर्ष, सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150 वर्ष, दयानंद सरस्वती जी श्रद्धानंद जी, रानी लक्ष्मी बाई, मंगल पांडे जैसे लोगों का महत्वपूर्ण इतिहास और साथ ही राम मंदिर के 2 वर्ष पूर्ण होने के साथ ही मुख्य रूप से महाशिवरात्रि के इस धार्मिक महापर्व पर 11 दीपक हर घर के बाहर जलाकर इसे शिव पार्वती के विवाह की यादगार बनाए। कार्यक्रम के दौरान सरस्वती शिशु मंदिर, एचएम व रेनबो स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियो के माध्यम से सबका मन मोहते हुए खूब तालियां बटोरी। अंत में कार्यक्रम के आयोजकों ने मां भारती की आरती उपरांत सभी को भंडारे का प्रसाद ग्रहण कराया। जहां भारी संख्या में उपस्थित महिला व पुरुष इस सफल आयोजन के साक्षी बने।

कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा, किसानों को हैदराबाद में विशेष प्रशिक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। किसानों को कृषि एवं बागवानी उत्पादों के निर्यात से जोड़ने के उद्देश्य से सरकार द्वारा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले की तीन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों (एफपीओ) के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद भेजा गया है, जिसका पूरा खर्च उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है। यह पांच दिवसीय प्रशिक्षण 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को कृषि एवं बागवानी उत्पादों की निर्यात प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों, पैकेजिंग, विपणन तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी देना है। इस कार्यक्रम के लिए जनपद की तीन प्रगतिशील एफपीओ– हर्ष एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, श्योनाथ एग्री टेक फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी और प्रखण्ड बायो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी धनौरा– से एक-एक प्रतिनिधि का चयन किया गया है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये प्रतिनिधि अपनी-अपनी कंपनियों से जुड़े किसानों को निर्यात प्रक्रिया की बारीकियां समझाएंगे। जिला प्रभारी ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक अजब सिंह ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य स्थानीय कृषि एवं बागवानी उत्पादों को विदेशी बाजार उपलब्ध कराना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से किसानों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए अवसर मिलेंगे और जिले के उत्पादों की पहचान वैश्विक स्तर पर मजबूत होगी।

कथित गौ मांस के बोरो से लदी गाड़ी सहित दो गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। गौ रक्षा दल ने गाजियाबाद की ओर से आ रही कथित गौ मांस के बोरों से लदी एक गाड़ी सहित दो युवकों को गांव बंथला से पड़कर उन्हें पुलिस के हवाले किया है। पुलिस ने मांस के कुछ सैंपल लेकर उन्हें प्रशिक्षण के लिए भिजवाते हुए शेष को भूमिगत करा दिया। जबकि पकड़े गए दोनों युवकों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक गौ रक्षा दल को सूचना मिली कि दो युवक गौ मांस के बोरों से लदी (जोहरीपुर नगर निगम की) एक गाड़ी को लेकर गाजियाबाद से रवाना हुए हैं जो गांव बंथला होते हुए लोनी पहुंचेंगे। सूचना मिलते ही गौ रक्षा दल के कुछ सदस्य तुरंत बंथला पहुंच गए और जैसे ही निशानदहीनुसार कथित गौ मांस से लदी उक्त गाड़ी वहां पहुंची, उन्होंने उसे वहीं रोक लिया और संबंधित थाना लोनी लेजाकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने गाड़ी को हिरासत में लेकर तुरंत पशु चिकित्सक टीम को बुलाया और मांस के कुछ सैंपल लेकर उन्हें निरीक्षण के लिए भिजवा दिया जबकि शेष को गड्ढे में दबवा दिया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस दोनों युवकों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक पूछताछ में जुटी थी।

अपराधियों में खौफ झ्र जनमानस में विश्वास

स्योहारा। खसरा-रूबेला उन्मूलन के लक्ष्य को लेकर चलाए जा रहे एमआर टीकाकरण अभियान का शुभारंभ सोमवार को प्राथमिक विद्यालय स्योहारा प्रथम में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनोज कुमार वर्मा, चिकित्सा प्रभारी डॉ. बी.के. स्नेही तथा प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान विद्यालय में लगभग 100 बच्चों को एमआर टीका लगाया गया। डॉ. मनोज वर्मा ने बच्चों को फ्रूटी भी वितरित की और टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खसरा एक गंभीर वायरल बीमारी है, जिसमें शरीर पर दाने, बुखार, खांसी, नाक बहना, आंखों से पानी आना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। कई मामलों में कान का संक्रमण, दस्त, निमोनिया और मस्तिष्क क्षति जैसी जटिलताएं भी हो सकती हैं, इसलिए सभी बच्चों का टीकाकरण बेहद जरूरी है। सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.के. स्नेही ने बताया कि 16 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक चलने वाला यह स्कूल आधारित अभियान ब्लॉक के 189 विद्यालयों में संचालित होगा, जिनमें 140 सरकारी व 45 निजी स्कूल शामिल हैं। इस अभियान में 17,409 से अधिक बच्चों को अतिरिक्त खुराक देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि पहले दिन 26 सत्र आयोजित कर 1,480 बच्चों का टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रत्येक विद्यालय में पहुंचकर टीकाकरण सुनिश्चित करेगी। अभियान में शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आंगनबाड़ी कार्यकताओं का सहयोग लिया जा रहा है।कार्यक्रम में डॉ. राकेश कुमार, चीफ फार्मासिस्ट जितेंद्र रावत, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, सीडीपीओ हेमलता सैनी सहित विद्यालय स्टाफ व शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

स्क्रिप्ट पर भरोसा अब भी बरकरार, सोशल मीडिया से फर्क नहीं पड़ता

एक्टर बरुण सोबती की वेब सीरीज 'कोहरा' का दूसरा सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। इस बीच उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में बदलाव बहुत आए हैं, लेकिन अच्छी स्क्रिप्ट की ताकत पर उनका विश्वास बरकरार है। सोशल मीडिया और डिजिटल दौर में भी वे काम की क्वालिटी पर फोकस करते हैं। बरुण ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'दुनिया बहुत बदल गई है और सोशल मीडिया का जमाना है, लेकिन मेरा नजरिया वही है। मैं शुरू से स्क्रिप्ट पर भरोसा करता था और आज भी करता हूं। पहले अच्छी स्क्रिप्ट्स कम मिलती थीं, लेकिन अब समय आ गया है कि वे मुझे मिल रही हैं। इसलिए सोशल मीडिया पर क्या हो रहा है, इससे मुझे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता।' प्रासंगिक बने रहने के बारे में बरुण ने खुद की जागरूकता और पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'प्रासंगिक रहने के लिए आपको अपनी काबिलियत का इस्तेमाल जिंदगी भर करना होगा। खुद की तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए। बल्कि यह समझना जरूरी है कि आप कहां सबसे अच्छे फिट होते हैं और आपका टैलेंट कहां सबसे बेहतर इस्तेमाल हो सकता है। अगर यह नहीं पता तो किसी भी काम का मतलब नहीं।' नेटफ्लिक्स पर 11 फरवरी से स्ट्रीम हो रहे इस नए चैप्टर में बरुण तेज-तर्रार इन्वेस्टिगेटर 'अमरपाल गरुंडी' का रोल दोबारा निभा रहे हैं। इस बार वह मोना सिंह के किरदार वाली नई ऑफिसर के साथ मिलकर महिला से जुड़ी डार्क मर्डर मिस्ट्री सुलझाते नजर आएंगे। सीरीज में रणविजय सिंह भी शामिल हैं। कोहरा एक क्राइम थ्रिलर पुलिस प्रोसिजरल सीरीज है, जो पंजाब के सर्द इलाकों में सेट है। यहां खामोशी अक्सर बातचीत से ज्यादा बोलती है। सीरीज को सुदीप शर्मा, गुंजित चोपड़ा और डिग्गी सिसोदिया ने क्रिएट और लिखा है। सीरीज के पहले सीजन में सुरविंदर विक्की, हरलीन सेठी, सौरव खुराना, रेचल शैली और मनीष चौधरी जैसे कलाकार लीड रोल में थे। वहीं, सीजन 2 में नया केस, नई जोड़ी और क्रिएटिव बदलाव हैं। यह एक्ट थ्री और फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई गई है, जिसे सौरभ मल्होत्रा, सुदीप शर्मा, मनुज मित्रा और टीना थारवानी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। रणदीप झा ने डायरेक्शन संभाला है।

बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल ने ऐसा क्यों कहा आलिया भट्ट नहीं बनना...

तान्या मित्तल सोशल मीडिया पर और बिग बॉस 19 में अपने बड़बोलेपन को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातें साझा कीं। साथ ही किसी भी एक्ट्रेस को फॉलो ना करने की बात भी कही। तान्या मित्तल की इस बात पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं।

पहली तान्या मित्तल बनने का ख्वाब देखा

फरीदून शहरयार के यूट्यूब चैनल पर तान्या मित्तल ने एक इंटरव्यू दिया। जिसमें वह कहती हैं, 'जब मैं बिग बॉस 19 से बाहर आई तो लोग सवाल करते थे कि आलिया भट्ट, करीना कपूर में से किसके जैसा बनना चाहोगी। तो मेरा जवाब होता था कि मैं किसी की जैसी नहीं बनना चाहूंगी। मैं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी।' तान्या के इस बयान पर कई यूजर्स ने उन्हें सपोर्ट किया। एक यूजर ने लिखा, 'तान्या क्वीन है।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'आप सबसे अच्छी है। हेटर्स को पता नहीं है कि उन सब की हेट से तान्या का फैनबेस और स्ट्रॉन्ग हो रहा है।' इसी तरह एक फैन ने कमेंट किया, 'आपको कोई और बनने की जरूरत नहीं है जैसा आपने कहा तान्या मित्तल बनो, हम आपको वैसे ही प्यार करते हैं, जैसी आप हैं।'

तान्या को मिला एकता कपूर से ऑफर

तान्या के करियर फ्रंट की बात करें तो बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। ब्रांन्ड प्रमोशन कर रही हैं। वहीं रियलिटी शो बिग बॉस 19 में प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी तान्या को एक प्रोजेक्ट ऑफर किया था। जल्द ही वह उस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

3 इडियट्स के सीक्वल पर राजकुमार हिरानी ने कही ये बात; 'मुन्नाभाई 3' पर दी अपडेट

दिग्गज निर्माता-निर्देशक राजकुमार हिरानी की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कई दिनों से ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि राजकुमार हिरानी अपनी कल्ट फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर फैंस निर्देशक की एक और हिट फ्रेंचाइज 'मुन्नाभाई' की भी तीसरी किश्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच अब खुद राजकुमार हिरानी ने इन दोनों ही फिल्मों के बारे में अपडेट दिया है। जानिए क्या सच में '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम कर रहे राजू हिरानी?

'मुन्नाभाई' के तीसरे पार्ट का नहीं मिल रहा सही क्लाईमैक्स

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान राजकुमार हिरानी ने '3 इडियट्स' के सीक्वल और 'मुन्नाभाई' के तीसरे पार्ट को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन दोनों ही फिल्मों पर काम चल रहा है। निर्देशक ने कहा कि मेरे पास इस समय दो आइडिया हैं। मैं वास्तव में दोनों फिल्मों पर काम कर रहा हूं। मैं 'मुन्ना भाई' की स्क्रिप्ट पर काम कर रहा हूं और साथ ही '3 इडियट्स' के सीक्वल के विचार पर भी। 'मुन्ना भाई' के लिए मेरे पास एक आइडिया था, जिसे बड़े पैमाने पर दिखाया गया है। लेकिन फिर भी मुझे इसका सही क्लाईमैक्स नहीं मिला है।

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर चल रहा काम

वहीं '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर राजकुमार हिरानी ने कहा कि इस पर काम चल रहा है। हालांकि, इसका आइडिया अचानक ही आया था। उन्होंने बताया कि '3 इडियट्स' सीक्वल के लिए अभी हाल ही में अचानक बिना किसी कारण के यह विचार आया। मुझे नहीं पता कि यह बात इतनी फैल कैसे गई। क्योंकि यह अभी तक बना नहीं है, लेकिन हमने कहा कि हम इस पर काम करेंगे। और फिर जब भी यह बनेगा। लेकिन किसी तरह एक सुबह, मैंने देखा कि यह खबर फैल चुकी है। फिलहाल तो मेरे पास इस समय तीन-चार स्क्रिप्ट हैं और मुझे जल्द ही यह तय करना होगा कि मुझे किस दिशा में आगे बढ़ना है।

बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं दोनों फिल्में

'3 इडियट्स' साल 2009 में रिलीज हुई बॉलीवुड की एक कल्ट फिल्म है। इसमें आमिर खान, आर माधवन, शरमन जोशी, करीना कपूर खान और बोमन ईरानी प्रमुख भूमिका में हैं। वहीं 'मुन्नाभाई' की शुरुआत साल 2003 में आई फिल्म 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' से हुई थी। इसके बाद 2006 में 'लगे रहो मुन्नाभाई' आई। इसके बाद से ही फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर इंतजार हो रहा है। इन दोनों फिल्मों में संजय दत्त और अरशद वारसी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं।

क्या बॉन्ड गर्ल बनेंगी प्रियंका चोपड़ा?

प्रियंका चोपड़ा की जल्द ही एक हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन कर रही हैं। फैंस उनके एक्शन के कायल हो गए हैं। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा की है। इसी दौरान उन्होंने 'बॉन्ड' सीरीज की अगली फिल्म को लेकर जिक्र किया। क्या वह सच में इसका हिस्सा हैं। वैरायटी को दिए गए हालिया इंटरव्यू में करियर को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने लंबी बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने 007 बॉन्ड सीरीज की फिल्म को लेकर बड़ा हिंट दिया। वह कहती हैं, 'यह प्रोजेक्ट सच में ग्लोबल हो सकता है। मैं इस बात के लिए उत्साहित हूं कि मेकर्स कौन सा रास्ता चुनते हैं।' यह खबर सुनकर प्रियंका चोपड़ा के फैंस काफी खुश हैं।

सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ सकती है आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपने स्पाई यूनिवर्स के जरिए 'टाइगर' फ्रेंचाइज 'पठान' और 'वॉर' जैसी कई पुरुष प्रधान फिल्में बनाईं और दर्शकों का प्यार हासिल किया है। इस यूनिवर्स का हिस्सा आलिया भट्ट और शरवरी वाघ भी बन गई हैं। उनकी महिला प्रधान स्पाई जासूसी फिल्म 'अल्फा' को 2026 में रिलीज किया जाना तय है। हालिया जानकारी में पता चला है कि निर्माता फिल्म को सिनेमाघरों में उतारने की बजाए सीधे ओटीटी पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक...' आलिया स्टारर 'अल्फा' को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जा सकता है। दरअसल, रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' सिनेमाघरों में बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर रही है। इसलिए निर्माता कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। हो रही हैं। बता दें कि इस फिल्म में बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। फिल्म में आलिया और शरवरी के साथ बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। यह एक्शन फिल्म होगी।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'दो दीवाने सहर में' के साथ शुरू किया अपना रोमांटिक हीरो का सफर

सिद्धांत चतुर्वेदी अपने सिनेमाई सफर के एक नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, जहां वह पहली बार पूरी तरह से रोमांटिक हीरो की भूमिका निभाते नजर आनेवाले हैं। फिलहाल फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के जरिए वह अपने अब तक के इंटेंस और लेयर्ड किरदारों से अलग, संवेदनशील, आकर्षक और भावनात्मक अंदाज में दिखाई देंगे। कई लोग इसे उनका 'लवर बॉय एरा' भी कह रहे हैं। संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के साथ सिद्धांत एक ऐसे सिनेमा जगत में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उन्हें 'भंसाली हीरो' की पहचान मिल रही है। ये वो दुनिया है, जहां प्रेम काव्यात्मक होता है, भावनाएं गहरी होती हैं और कहानी कहने के कई अंदाज होते हैं। ये कहें तो गलत नहीं होगा कि भंसाली से जुड़ा प्रोजेक्ट अपने आप में एक विरासत और भव्यता का प्रतीक माना जाता है, और इस जोन में सिद्धांत का आना उनके करियर के विस्तार और विकास का संकेत देता है। गौरतलब है कि फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है, जो फिल्म की ताजगी को और भी खास बनाती है। फिलहाल दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर शुरुआती झलकियों ने ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है और सिद्धांत को रोमांटिक हीरो के तौर पर स्थापित कर दिया है। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' से भंसाली हीरो के तौर पर सिद्धांत चतुर्वेदी की जगह पूरी तरह से पक्की हो गई है।

पैरेंट्स को लगता था पढ़ाई के डर से एक्ट्रेस बनना चाहती हूं

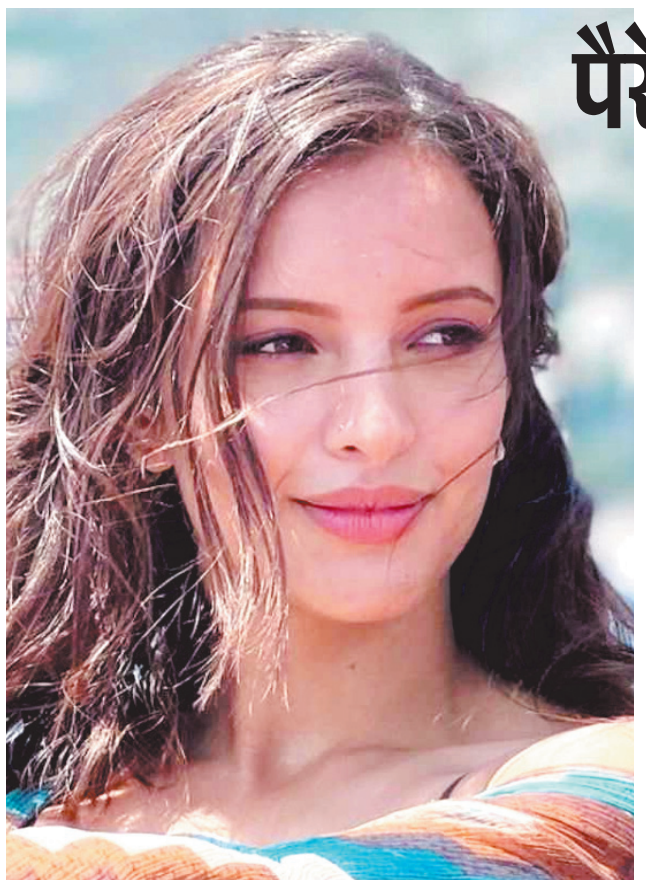

'लैला मजनू' जैसी जुनूनी प्रेम कहानी वाली फिल्म से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली तृप्ति डिमरी इन दिनों एक और इंटेंस लव स्टोरी 'ओ रोमियो' को लेकर सुर्खियों में हैं। तृप्ति इससे पहले गहरे इश्क वाली फिल्म 'धड़क 2' भी कर चुकी हैं, पर असल जिंदगी में वह जुनूनी नहीं, सच्चे प्यार में यकीन करती हैं। तृप्ति का कहना है, 'प्यार को लेकर हर किसी का अलग नजरिया होता है। हर कोई उसे अपने हिसाब से देखता है, लेकिन मैं बस सच्चे प्यार में यकीन करती हूं। जुनूनी- वुनूनी प्यार मुझे समझ में नहीं आता, पर सच्चे प्यार पर मुझे पूरा भरोसा है।'

संघर्ष और सफलता दोनों का अपना मजा

अपने करियर के शुरुआती दौर में तृप्ति ने तीन साल में तीन फिल्में की थीं, जबकि 'एनिमल' की सफलता के बाद उनके पास फिल्मों की झड़ी लगी हुई है। अकेले साल 2024 में वह 'बैड न्यूज', 'विकी विद्या का वो वाला विडियो' और 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। जबकि आने वाले दिनों में भी वह 'ओ रोमियो' के अलावा, 'स्पिरिट' और 'मां बहन' जैसी बड़ी फिल्मों में दिखेंगी। रिजेक्शन और इंतजार के लंबे दौर के बाद अब हर चौथी-पांचवीं फिल्म का ऑफर मिलने वाली इस सफलता के बारे में तृप्ति कहती हैं, 'मेरे लिए तो यह बहुत खुशी की बात है कि हर चौथी या पांचवीं फिल्म मेरे पास आ रही है। मैं तो चाहती हूं कि हर दूसरी फिल्म मेरे पास आए, क्योंकि मैंने काफी लंबा गैप भी देखा है।'

पैरेंट्स को लगता था, पढ़ाई से बचने के लिए एक्टर बनना चाहती हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने जब एक्टिंग में करियर बनाने का तय किया था, तब उनके पैरेंट्स काफी डरे हुए थे। वह उनके फैसले से ज्यादा खुश नहीं थे, लेकिन अब उनकी कामयाबी देखकर वे फूले नहीं समाते। उनकी सोच में आए बदलाव पर तृप्ति कहती हैं, 'निश्चित तौर पर अब वे बहुत खुश हैं और गर्व महसूस करते हैं। हालांकि, शुरुआत में भी उनकी जो सोच थी, जो डर था, उसके लिए मैं उन्हें गलत नहीं मानती, क्योंकि उनके लिए मुंबई एक बिल्कुल नया शहर था। वे किसी को जानते नहीं थे। ऐसे में, अपने बच्चे को यहां भेजना हर माता-पिता के लिए मुश्किल फैसला होता है। फिर, उनको यह भी नहीं पता था कि मुझे एक्टिंग से इतना प्यार है। उन्हें लगता था कि इसको पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिए एक्टिंग में जाना चाहती है (हंसती हैं)। लेकिन अब उन्हें बहुत गर्व होता है। कई बार वे मेरे इंटरव्यू चला देते हैं, जिस पर मैं झेंप जाती हूं, मगर वे बहुत ही ज्यादा खुश हैं और मैं खुश हूं कि वे खुश हैं।'

गहरे समंदर में छोड़ देते हैं विशाल सर

फिल्म 'ओ रोमियो' में तृप्ति डिमरी का किरदार काफी इंटेंस और लेयर वाला है। इसकी तैयारी के बारे में वह बताती है, 'इस किरदार को समझने में मुझे विशाल सर (डायरेक्टर विशाल भारद्वाज) से बहुत मदद मिली। हर फिल्म, हर किरदार के साथ हमारी एक जर्नी होती है, जहां उनको समझने के लिए आपको वक्त देना पड़ता है। कम से कम मेरा प्रॉसेस ऐसा है कि मैं जानना चाहती हूं कि वो किरदार कैसे सोचता है? अलग-अलग लोगों के साथ उसका बर्ताव कैसा है? उसके लिए मैंने अतुल मोंगिया सर के साथ काफी वर्कशॉप की। मेरे किरदार अफशां की चुनौतियां, परिस्थितियां आदि समझने की कोशिश की। उससे काफी कुछ सीखने को मिला। अगर मैं वो नहीं करती तो पहले दिन बहुत नर्वस होती। उसके अलावा, विशाल सर के साथ काम करना अपने में एक्टिंग वर्कशॉप है। वह कई बार आपको गहरे समंदर में छोड़ देते हैं। आपको लगेगा कि आपको सीन का सुर पता है पर फिर आपको पता चलेगा कि नहीं, यह तो कुछ अलग है।'

संघर्ष के कारण सफलता की कीमत समझती हैं तृप्ति

तृप्ति आगे कहती हैं, 'मैं काफी पहले से एक्टर बनने की कोशिश कर रही थी, मगर जब मुझे मौका मिला तो अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि, मैंने तब भी कभी ऐसा नहीं सोचा कि मैं असफल हूं। मैं तब भी बहुत खुश थी, जब ऑडिशन के लिए जाती थी। उसका अलग मजा था। आज जो चल रहा है, उसका अलग मजा है। सच कहूं तो अगर मैंने वो दिन नहीं देखे होते तो शायद मैं अपने करियर को उतना वैल्यू नहीं करती, जितना आज करती हूं।'

दोहरा अंशदान संधि पर भी हैं हस्ताक्षर

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता अप्रैल से लागू होने की संभावना

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच जुलाई 2025 में हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच

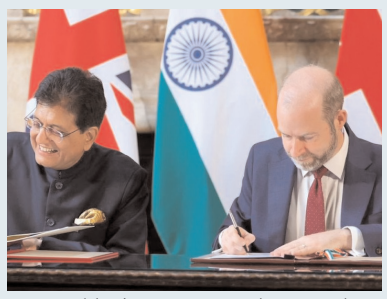

इस समझौते को समानांतर रूप से लागू करने की तैयारी चल रही है।जुलाई में हुए समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत निर्यात ब्रिटेन के बाजार में शून्य शुल्क पर प्रवेश करेंगे। वहीं, भारत में ब्रिटिश उत्पादों, जैसे कार व स्कॉच व्हिस्की, पर आयात शुल्क में चरणबद्ध कमी की जाएगी। स्कॉच व्हिस्की पर शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत किया जाएगा और 2035 तक इसे 40 प्रतिशत तक लाया जाएगा। ऑटोमोबाइल पर आयात शुल्क पांच वर्षों में घटाकर 10 प्रतिशत किया जाएगा, जो अभी 110 प्रतिशत तक है। समझौते के तहत भारत ने चॉकलेट, बिस्कुट और सौंदर्य प्रसाधन जैसे उपभोक्ता उत्पादों के लिए बाजार खोला है, जबकि भारतीय वस्त्र, जूते, र प्रतिशत-आभूषण, खेल सामग्री व खिलौनों को ब्रिटेन में पहुंच मिलेगी। दोनों देशों ने दोहरा अंशदान संधि पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिससे अस्थायी कर्मियों को सामाजिक अंशदान दो बार नहीं देना होगा। समझौते को लागू करने से पहले ब्रिटेन की संसद की मंजूरी आवश्यक है। वहां हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इस पर बहस और समीक्षा चल रही है। इसका उद्देश्य 2030 तक 56 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है।

बेजेल इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों में तेजी

मुंबई, एजेंसी। नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी बेजेल इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। बेजेल इंटरनेशनल के शेयर सोमवार को क्वस्थ्य में 11 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 73.58 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर बांटने का ऐलान किया है। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी के मुनाफे में तेज उछाल आया है। बेजेल इंटरनेशनल लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में करीब 140 पर्सेंट बढ़ा है। बेजेल इंटरनेशनल लिमिटेड अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर देगी। यानी, कंपनी हर शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटेगी। बेजेल इंटरनेशनल ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट रिवाइज की है। कंपनी ने पहले बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट शुक्रवार 13 फरवरी 2026 फिक्स की थी, जिसे अब रिवाइज करके 19 फरवरी 2026 कर दिया है।

करीब 140 प्रतिशत बढ़ा है बेजेल इंटरनेशनल का मुनाफा: नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी बेजेल इंटरनेशनल का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 139.89 पर्सेंट बढ़ा है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 52.19 लाख रुपये का मुनाफा हुआ था। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 21.76 लाख रुपये था। चालू वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में बेजेल इंटरनेशनल का मुनाफा 149.59 लाख रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 119.87 लाख रुपये था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 47.20 पर्सेंट बढ़कर 114.05 लाख रुपये पहुंच गया है। बेजेल इंटरनेशनल के शेयर 5 साल से कम में 460 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। स्मॉलकैप कंपनी के शेयर 27 अगस्त 2021 को 12.85 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 16 फरवरी 2026 को 73.58 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 90 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

3 साल में पहली बार म्यूचुअल फंड ने 4100 करोड़ के शेयर बेचे

जब वे शुद्ध रूप से बिकवाल बने हैं

नई दिल्ली , एजेंसी। फरवरी के महीने में अब तक म्यूचुअल फंड ने भारतीय शेयर बाजार में करीब 4,100 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। यह लगातार खरीदारी करने वाले म्यूचुअल फंडों द्वारा पिछले तीन सालों में पहली बार है, जब वे शुद्ध रूप से बिकवाल बने हैं। इस महीने के सात कारोबारी सत्रों में से छह में वे शेयरों के शुद्ध विक्रेता रहे हैं।

इससे पहले अप्रैल 2023 में म्यूचुअल फंड ने 4,532 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे थे। उसके बाद से लगातार 34 महीनों तक वे शेयरों की शुद्ध खरीदारी कर रहे थे। यह बदलाव हाल के महीनों में जारी खरीदारी के रुख के बिल्कुल विपरीत है। बीते जनवरी में ही म्यूचुअल फंड ने 42,355 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे और साल 2025 के दौरान उन्होंने कुल मिलाकर करीब 4.93 लाख करोड़ रुपये के भारतीय शेयरों की खरीदारी की थी।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह बिकवाली निवेशकों द्वारा पैसे निकालने (रिडेम्पशन) के दबाव की वजह से नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो में बदलाव की वजह से हो रही है। मनीकंट्रोल को डॉ. चोकसी फिनसर्व के प्रबंध निदेशक देवेन चोकसे ने बताया कि फंड अपने पोर्टफोलियो को फिर से संतुलित कर रहे हैं। वे कम प्रदर्शन करने वाले

शेयरों से पैसा निकालकर बेहतर गुणवत्ता वाले शेयरों, खासकर बड़ी कंपनियों (लार्ज-कैप) में निवेश कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ फंड उस समय जमा हुए शेयरों को भी बेच रहे हैं, जब पहले विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे थे। अभी यह संकेत नहीं है कि निवेशक एसआईपी के जरिये पैसा निकाल रहे हैं, बल्कि यह गतिविधि मुनाफावसूली और पोर्टफोलियो में बदलाव से जुड़ी हुई प्रतीत होती है। एनंद राठी वेल्थ के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी फिरोज अजीज का कहना है कि इस बिकवाली के पैमाने को बहुत बड़ा नहीं समझना चाहिए। करीब 40 लाख करोड़ रुपये के एसेट मैनेजमेंट वाले इस सेक्टर के लिए 4,100 करोड़ रुपये की बिक्री अपेक्षाकृत बहुत छोटी है और यह सिर्फ कुछ योजनाओं या कंपनियों की कार्रवाई भी हो सकती है।इस बिकवाली के पीछे इंडेक्स में बदलाव यानी रीबैलेंसिंग भी एक वजह हो सकती है। 31 जनवरी एनएसई इंडेक्स की समीक्षा की तारीख थी और फरवरी की शुरुआत में एमएससीआइ ने भी अपने इंडेक्स में बदलाव की घोषणा की थी। विश्लेषकों का कहना है कि अब मुख्य रूप से यह देखना होगा कि इक्विटी फंडों में निवेशकों के पैसे आने का सिलसिला जारी रहता है या नहीं। अगर लगातार पैसा निकलता रहा और फंड बिकवाली जारी रखते हैं तो इसके अलग मायने होंगे। द टीएचई वेल्थ कंपनी के बाजार रणनीति प्रमुख अक्षय चिंचलकर का मानना है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और कृषि वस्तुओं से जुड़े बदलाव भी निवेश के रुख को प्रभावित कर सकते हैं। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों की दिलचस्पी गोल्ड ईटीएफ, बॉन्ड फंड और हाइब्रिड फंड में भी बढ़ी है। बाजार में यह अंतर साफ दिख रहा है। निफ्टी 500 अपने 52-सप्ताह के हाई से लगभग 3.4 प्रतिशत नीचे है, लेकिन इस इंडेक्स की करीब 50 प्रतिशत कंपनियों के शेयर अपने 52-सप्ताह के हाई से 20 प्रतिशत से अधिक नीचे कारोबार कर रहे हैं।

गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ में नुकसान रोकने के लिए आएंगे नए नियम

बाजार खुलने से पहले ही तय होगी दिशा

नई दिल्ली , एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने सोने और चांदी के ईटीएफ के कारोबारी नियमों में बदलाव करने का फैसला किया है। इसका मकसद है कि इनकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के उतार-चढ़ाव के ज्यादा करीब रहें और निवेशकों को सही भाव पर खरीद-फरोख्त का मौका मिल सके। इससे आम निवेशकों को काफी फायदा होगा और अनचाहा नुकसान होने से बचाव हो सकेगा।

दरअसल, दुनियाभर में सोने और चांदी की खरीद-बिक्री 24 घंटे होती है। अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी एक्सचेंज में भी इनकी कीमतें लगातार ऊपर-नीचे हो जाती हैं लेकिन भारत में ईटीएफ की खरीद-बिक्री शेयर बाजार के समय मुताबिक सुबह 9:15 से दोपहर 3:30 बजे तक ही होती है। इस दौरान इनके भाव एक तय सीमा (फिक्स्ड प्राइस बैंड) के भीतर ही घट-बढ़ सकते हैं। इस तय सीमा और समय अंतर की वजह से अक्सर भारतीय ईटीएफ की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों से पिछड़ जाती हैं या उनमें बड़ा अंतर आ जाता है। इसके चलते आम निवेशकों को सही दाम पर खरीद-बिक्री नहीं मिल पाती और कई बार बिना वजह नुकसान हो भी जाता है। वर्तमान में सोने-चांदी की कीमतों में लगातार तेज उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है जिसकी वजह से निवेशकों को नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। इसके चलते सेबी ने ईटीएफ के कारोबारी नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। सेबी ने अब 'डायनामिक प्राइस बैंड' लागू करने का सुझाव दिया है। इसका मतलब यह है कि कीमतों की सीमा बाजार की स्थिति के अनुसार बदली जा सकेगी। शुरुआत में एक तय सीमा रहेगी, लेकिन अगर बाजार में ज्यादा हलचल होती है तो यह दायरा बढ़ाया जा सकेगा। हर बड़े बदलाव के बाद कुछ समय का अंतर भी दिया जाएगा, ताकि बाजार स्थिर हो सके और घबराहट में खरीद-फरोख्त न हो। सेबी ने हाल ही में प्रस्ताव का मसौदा जारी किया है और मार्च 2026 तक लोगों से राय मांगी है, जिसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। सेबी ने एक और महत्वपूर्ण सुझाव दिया है, जो है 'प्री-ओपन सेशन' की शुरुआत। शेयर बाजार की तरह अब गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ के लिए भी बाजार खुलने से पहले एक खास सत्र हो सकता है।

निवेशक ऐसे समझें योजना को

प्रस्ताव के मुताबिक, नया दायरा छह फीसदी का होगा। यानी एक दिन में ईटीएफ के भाव छह फीसदी तक ऊपर या नीचे हो सकते हैं। अगर बाजार में तेज हलचल होती है तो इस दायरे को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा सकेगा और हर बार यह तीन फीसदी तक बढ़ेगा। हर बदलाव के बाद बाजार को स्थिर होने के लिए 15 मिनट का समय दिया जाएगा। एक दिन में कुल दायरा 2 प्रतिशत की सीमा तक जा सकेगा। इसका सीधा फायदा यह होगा कि निवेशक को ईटीएफ की जो कीमत स्क्रीन पर दिखेगी, वह उसकी वास्तविक वैल्यू के करीब होगी।

आधे सीईओ बेरोजगार होते अगर...,

फाउंडर ने अपनी मार्कशीट शेयर कर दे दिया बड़ा मैसेज

नई दिल्ली , एजेंसी। बोर्ड परीक्षा की टेंशन के बीच संपर्क फाउंडेशन के संस्थापक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पूर्व सीईओ विनीत नाडर ने छात्रों को मार्मिक संदेश दिया है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी मार्कशीट शेयर करते हुए एक पोस्ट किया है। विनीत ने पोस्ट में छात्रों को याद दिलाया कि अंक उनके भविष्य को परिभाषित नहीं करते हैं। विनीत नायर ने लिखा, अगर बोर्ड परीक्षा जिंदगी तय करती तो आधे सीईओ बेरोजगार होते। इसे डूबने दो। नाडर ने स्वीकार किया कि बोर्ड परीक्षाएं महत्वपूर्ण हैं। लेकिन, उन्होंने छात्रों को इसे सफलता का अंतिम पैमाना मानने से आगाह किया। उन्होंने कहा, बोर्ड महत्वपूर्ण हैं। लेकिन, वे आपकी नियति नहीं हैं। विनीत नाडर ने अपने किशोरावस्था के एक अनुभव को साझा किया। उस डर को जाहिर करते हुए जो कई छात्र एक कठिन पेपर के बाद महसूस करते हैं। 17 साल की उम्र में अपना केमिस्ट्री का एग्जाम देकर बाहर निकलते समय उन्हें लगा कि उन्होंने खराब प्रदर्शन किया है। उन्होंने लिखा, फुल पैनिक मोड। उन्होंने बताया कि इसके बाद जो हुआ, उसने उनके नजरिये को बदल दिया। उनके एक चचेरे भाई ने उनकी टेंशन देखी। उनसे पूछा, अगर तुम फेल हो गए तो क्या मर जाओगे जब नाडर ने नहीं कहा, तो चचेरे भाई ने एक और सवाल पूछा, तो तुम इसे जिंदगी और मौत की स्थिति क्यों मान रहे हो। उस बातचीत की सादगी उनके साथ रह गई। नाडर के अनुसार, इसने उन्हें पीछे हटने और बड़ी तस्वीर देखने में मदद की। अगले एग्जाम में घबराहट ले जाने के बजाय उन्होंने रीसेट करने का फैसला किया। दो दिन बाद विनीत ने शांत नजरिये के साथ अपनी गणित की परीक्षा दी। उन्होंने शेयर किया, मैंने शांति से पढ़ाई की। स्थिर होकर गया। और कमाल कर दिया। उस अनुभव को एक सबक के रूप में इस्तेमाल करते हुए नाडर ने अकैडमिक टेस्टिंग और असल दुनिया की चुनौतियों के बीच एक साफ अंतर खींचा। उन्होंने लिखा, इम्तिहान याददाश्त का टेस्ट लेते हैं। जिंदगी साहस का। विनीत ने छात्रों को याद दिलाया कि बोर्ड परीक्षाएं एक बड़ी यात्रा का सिर्फ एक पड़ाव हैं। उन्होंने लिखा, बोर्ड खेल का एक लेवल हैं।

5 प्रतिशत और लुढ़क गए क्वालिटी वॉल्स के शेयर

नई दिल्ली , एजेंसी। क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड के शेयर सोमवार को बाजार में लिस्ट हो गए हैं। क्वालिटी वॉल्स के शेयर सोमवार को बीएसई में 29.90 रुपये पर लिस्ट हुए। 40.20 रुपये के डिस्कवरी प्राइस के मुकाबले कंपनी के शेयर 25.80 पर्सेंट के डिस्काउंट पर लिस्ट हुए हैं। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर क्वालिटी वॉल्स के शेयर 29.80 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। 7000 करोड़ रुपये से ज्यादा के मार्केट कैप के साथ कंपनी बाजार में उतरी है। स्वस्थ्य सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिन्दुस्तान यूनिलीवर से डीमर्जर के बाद आइसक्रीम बिजनेस क्वालिटी वॉल्स की लिस्टिंग हुई है।

कमजोर लिस्टिंग के बाद और टूट गए कंपनी के शेयर

कमजोर लिस्टिंग के बाद क्वालिटी वॉल्स के शेयर और लुढ़क गए। कंपनी के शेयर बीएसई में 5 पर्सेंट और टूटकर 28.41 रुपये पर पहुंच गए। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में क्वालिटी वॉल्स के शेयर 5 पर्सेंट लुढ़कर 28.31 रुपये पर जा पहुंचे। हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयर बीएसई में 2297.05 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। एचयूएल के शेयर 2299.50 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

एचयूएल -क्वालिटी वॉल्स का डीमर्जर: नवंबर 2024 की शुरुआत में हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने आइसक्रीम बिजनेस के डीमर्जर को मंजूरी दी थी। कंपनी का आइसक्रीम बिजनेस क्वालिटी वॉल्स, कॉर्नेटो और मैग्नम जैसे पॉपुलर ब्रांड्स को ऑपरेट करता है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने 30 अक्टूबर 2025 को डीमर्जर स्कीम को मंजूरी दी थी। एचयूएल के टोटल सालाना

टर्नओवर में आइसक्रीम बिजनेस की हिस्सेदारी 3 पर्सेंट है, टोटल रेवेन्यू में इसका कंट्रीब्यूशन 1800 करोड़ रुपये है। सिक्योरिटीज का कहना है कि आइसक्रीम बिजनेस का वैल्यूएशन 9500 करोड़ से 11,900 करोड़ रुपये के बीच किया जा सकता है। ब्रोकरेज हाउस ने डीमर्ज्ड इकाई के प्रति शेयर की वैल्यू 40-50 रुपये आंकी है।

एचयूएल के हर शेयर पर क्वालिटी वॉल्स का 1 शेयर लिए अच्छी स्थिति में हैं।

एंटीक एचएएल को लेकर पॉजिटिव है, क्योंकि डिफेंस एयरोस्पेस में उसकी प्रमुख स्थिति है। कंपनी के पास अगले 10-15 वर्षों में तेजस और एएमसीए जैसे 300 से अधिक विमान बनाने का अवसर है। बढ़ते स्वदेशीकरण से एचएएल को सीधा फायदा होगा। ब्रोकरेज ने 6,346 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ खरीदारी रेटिंग बनाए रखी है। बीईएल को इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम, रडार और मिसाइल इलेक्ट्रॉनिक्स में बढ़ते आवंटन का सबसे बड़ा लाभार्थी माना गया है। क्यूआरएसएएम कार्यक्रम (करीब 300 अरब रुपये) जैसे बड़े ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। बीईएल के विविध पोर्टफोलियो और बेहतर मार्जिन से कमाई की मजबूत संभावना बनती है। एंटीक ने 532 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ खरीदारी रेटिंग दोहराई है।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स: कांप्लेक्स युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में मझगांव डॉक की अद्वितीय क्षमता है। यह एकमात्र भारतीय शिपयार्ड है जिसके पास पनडुब्बी निर्माण का अनुभव है। ब्रोकरेज को पी-75 परियोजना और अतिरिक्त स्कॉर्पीन पनडुब्बियों से 1.0-1.05 लाख करोड़ रुपये के ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे लंबी अवधि के लिए राजस्व की स्पष्ट तस्वीर बनेगी। एयरोस्पेस और रक्षा में इस्तेमाल होने वाले टाइटेनियम व सुपर-अलॉय घटकों के कारण पीटीसी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। कंपनी का एयरोस्पेस मटेरियल कॉम्प्लेक्स शुरू होने से राजस्व में बड़ी बढ़ोतरी होगी। एंटीक ने 23,005 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ खरीदारी रेटिंग बरकरार रखी है। सोलर इंडस्ट्रीज को रक्षा विनिर्माण में लंबी अवधि का निवेश का जरिया माना गया है। विस्फोटक, गोला-बारूद और अपग्रेडेड डिफेंस टेक्नोलाजी में कंपनी की मजबूत पकड़ है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक इसका डिफेंस ऑर्डर बुक लगभग 191 अरब रुपये का था, जो मजबूत राजस्व संभावना दर्शाता है। अपरिहार्य बना दिया है। पनडुब्बियों, मिसाइलों, ड्रोन और रडार जैसे बड़े प्लेटफॉर्मों के लिए मंजूरी मिल चुकी है, जिससे वित्त वर्ष 2027-28 में ऑर्डर प्रवाह की मजबूत संभावना है।

डीमर्जर के बाद शेयर एंटाइटलमेंट रेशियो 1:1 तय किया गया था। इसका मतलब यह है कि हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयरधारकों को कंपनी के हर शेयर पर आइसक्रीम बिजनेस क्वालिटी वॉल्स का1 शेयर मिलेगा। अलॉटमेंट डेट 29 दिसंबर 2025 फिक्स की गई थी। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 30 पर्सेंट घटकर 2188 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल की समान अवधि में एचयूएल का नेट प्रॉफिट 3027 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 16,441 करोड़ रुपये रहा, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 15,556 करोड़ रुपये था।

आर एंड बी डेनिम्स दो टुकड़ों में बंटेगा

मुंबई, एजेंसी। छोटे शेयरों में इन दिनों जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है और आर एंड बी डेनिम्स का नाम सबसे आगे है। सोमवार को शुरुआती कारोबार में कंपनी का शेयर एक बार फिर चढ़ गया और लगातार 16वें सत्र में बढ़त दर्ज की। एनएसई पर शेयर करीब 1.76 प्रतिशत उछलकर 52 हफ्ते के नए हाई 181.30 पर पहुंच गया। सिर्फ 16 ट्रेडिंग सेशंस में शेयर 30 प्रतिशत से ज्यादा भाग चुका है। दोपहर 12:10 बजे के आसपास बीएसई पर भी यह करीब 1.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 181.25 पर ट्रेड करता दिखा। लगातार खरीदारी से साफ है कि निवेशकों की दिलचस्पी इस स्टॉक में बनी हुई है। शेयर में यह तेजी कंपनी के तिमाही नतीजों और बड़े कॉरपोरेट ऐलानों के बाद आई है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 5.91 करोड़ रहा, जो पिछले साल इसी अवधि के 9.16 करोड़ के मुकाबले करीब 35 प्रतिशत कम है। हालांकि, मुनाफे में गिरावट के बावजूद कंपनी की आय बढ़ी है। ऑपरेशंस से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 18.66 प्रतिशत बढ़कर 113.03 करोड़ पहुंच गया, जो पिछले साल 95.25 करोड़ था। यानी बिक्री के मोर्चे पर कंपनी की ग्रोथ जारी है, लेकिन मुनाफे पर दबाव दिखा है। कंपनी के बोर्ड ने 14 फरवरी को कई अहम फैसले भी लिए।

बजट में मिली बंपर सौगात: 5 डिफेंस स्टॉक्स में तूफानी तेजी के आसार

मुंबई, एजेंसी। अगर आप डिफेंस कंपनियों के शेयर में पैसा लगाने की सोच रहे हैं तो यह समय आपके लिए बिल्कुल सही है। क्योंकि, वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में रक्षा के लिए रिकॉर्ड 7.84 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह है कि पूंजीगत खर्च में 21.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी करके 2.19 लाख करोड़ रुपये किया गया है। इसके अलावा, रक्षा अधिग्रहण परिषद ने हाल ही में 3.60 लाख करोड़ रुपये के अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी और बढ़ गई है।

चालू वित्त वर्ष में अब तक 3.3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है, जो पिछले साल के 2.2 लाख करोड़ रुपये से कहीं ज्यादा है। इस आधार पर ब्रोकरेज का मानना है कि रक्षा पीएसयू और चुनिंदा निजी कंपनियां निरंतर वृद्धि के

28 रुपये पर लुढ़क कर आ गया शेयर, 7 प्रतिशत गिरा भाव

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार में तेजी के बीच ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का भाव 7 प्रतिशत से अधिक आज सोमवार को टूट चुका है। इस स्टॉक के टारगेट प्राइस में भी भारी कटौती की गई है। ब्रोकरेज हाउस ने टारगेट प्राइस में 60 प्रतिशत की कटौती की है। बीएसई में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर 30.01 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में 7 प्रतिशत की गिरावट के बाद यह 28.73 रुपये के स्तर पर आ गया। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल भी है। बीएसई में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का 52 वीक हाई 71.24 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 12800 रुपये का है। ब्रोकरेज हाउस एमके ग्लोबल ने स्द्यद्य रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से पहले ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों को खरीदने की सलाह दी गई थी।एमके ग्लोबल ने टारगेट प्राइस को 50 रुपये से घटाकर 20 रुपये प्रति शेयर कर दिया है। बता दें, कंपनी को रेवन्यू के मोर्चे पर झटका लगा है। जिसकी वजह से निवेशकों के साथ-साथ ब्रोकरेज हाउस का विश्वास कमजोर हुआ है।

ईशान का बल्ला चला, पाकिस्तान में 'गूगल' क्रैश!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर जब भारत और पाकिस्तान की टीमें टकराती हैं, तो पारा सिर्फ स्टेडियम में ही नहीं, बल्कि इंटरनेट की दुनिया में भी चढ़ जाता है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के महामुकाबले में जब टीम इंडिया के युवा सितारे अभिषेक शर्मा शून्य पर आउट हुए, तो पाकिस्तानी खेमे ने राहत की सांस ली थी। उन्हें लगा कि खतरा टल गया, लेकिन असली 'आउट ऑफ सिलेबस' सवाल तो ईशान किशन के रूप में अभी बाकी था। ईशान ने जैसे ही चौकों-छक्कों की बरसात शुरू की, वैसे ही सरहद पार के क्रिकेट फैंस की बेचैनी गूगल सर्च इंजन पर दिखाई देने लगी।

मैदान पर धुनाई और गूगल पर 'ईशान' का राज

जैसे-जैसे ईशान किशन ने 40 गेंदों में 77 रनों की विस्फोटक पारी खेली, पाकिस्तान के गूगल ट्रेंड्स में अचानक 'ईशान किशन' टॉप पर आ गए। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तानी फैंस सिर्फ उनके क्रिकेट के बारे में ही नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी के बारे में भी जानने के लिए उतावले दिखे। गूगल डेटा के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में पाकिस्तान में ईशान किशन के नाम को लेकर सर्च में हजारों गुना की बढ़ोतरी देखी गई।

पाकिस्तानी फैंस के वो अजीबोगरीब सवाल?

गूगल ट्रेंड्स के आंकड़ों पर नजर डालें तो पाकिस्तान में ईशान को लेकर कई तरह के सवाल खोजे जा रहे थे। लोग न केवल उनके 'स्टैट्स' और 'नेट वर्थ' देख रहे थे, बल्कि उनकी 'हाइट' (फीट में) और 'उम्र' को लेकर भी काफी उत्सुकता दिखी। हैरानी की बात यह रही कि उनकी निजी जिंदगी से जुड़े कीवर्ड्स जैसे 'ईशान किशन गर्लफ्रेंड', 'ईशान किशन वाइफ' और यहाँ तक कि उनके 'धर्म' के बारे में भी खूब सर्च किया गया। कुछ यूजर्स तो उनकी स्पेलिंग में भी गलती करते नजर आए, लेकिन सर्च की रफ्तार थमी नहीं।

रोहित शर्मा ने पाकिस्तानी दिग्गज तेज गेंदबाज को लगाया गले

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले से पहले कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम को गले लगाया। यह पल मैच के नतीजे से भी ज्यादा चर्चा में रहा।

जब ट्रॉफी के साथ साथ दिखा सम्मान

प्री-मैच सेरेमनी के दौरान दोनों दिग्गज वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ मैदान पर उतरे। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता भी उनके साथ मौजूद थे। बातचीत, मुस्कान और फिर गर्मजोशी भरी झप्पी—यह वीडियो कुछ ही मिनटों में वायरल हो गया।

हैंडशेक विवाद के बीच खास संदेश

यह दृश्य इसलिए भी चर्चा में रहा क्योंकि भारत ने पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन के साथ पारंपरिक हैंडशेक नहीं किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय भी पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। ऐसे माहौल में रोहित और अकरम का मिलना अलग संदेश देता नजर आया। ध्यान देने वाली बात यह है कि अकरम पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट का हिस्सा नहीं, बल्कि पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर हैं।

मैदान पर भारत का दबदबा

मैच शुरू होते ही भारत ने एकतरफा प्रदर्शन किया। भारत - 175/7, पाकिस्तान 114 ऑलआउट; भारत ने 61 रन से जीत दर्ज कर सुपर 8 में जगह पक्की कर ली।

प्रतिद्वंद्विता से परे एक संदेश

भारत-पाकिस्तान मुकाबले अक्सर तनाव और राजनीति से जुड़े रहते हैं, लेकिन रोहित और अकरम का यह पल खेल भावना की मिसाल बन गया। यह झप्पी याद दिलाती है कि मैदान पर भले ही कड़ा मुकाबला हो, लेकिन महान खिलाड़ी एक-दूसरे का सम्मान करना जानते हैं।

भारत से करारी हार के बाद पाकिस्तान में हंगामा

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत से 61 रन की करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कोलंबो के क्र प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारत टीम ने पाकिस्तान को 114 रन पर समेट दिया। हार के बाद पाकिस्तान के दिग्गजों ने टीम चयन पर सवाल खड़े किए हैं।

शाहिद अफरीदी की बड़ी मांग

पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने साफ कहा कि अब समय आ गया है कि बाबर आजम, उनके दामाद शाहिन अफरीदी और शोएब खान को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जाए। पाकिस्तान का अगला मुकाबला 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ है, जो अब 'करो या मरो' बन चुका है। सुपर 8 में पहुंचने के लिए पाकिस्तान को हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अफरीदी ने सामा टीवी पर कहा- अगर फैसला मुझे करना होता तो मैं बाबर, शाहीन और शादाब को ड्रॉप करता। नामीबिया के खिलाफ नए खिलाड़ियों को मौका दो और उनका आत्मविश्वास बढ़ाओ। लंबे समय से सीनियर खिलाड़ी बड़ी टीमों के खिलाफ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

- **सीनियर खिलाड़ियों का फ्लॉप शो** - बाबर आजम- 5 रन बनाकर आउट, फिर एक बार टीम के पतन का हिस्सा बने। शाहीन अफरीदी- 2 ओवर में 31 रन दिए, केवल एक विकेट (अक्षर पटेल) लिया। बल्लेबाजी में 19 गेंदों पर 23* रन, लेकिन तब तक मैच हाथ से निकल चुका था। शादाब खान- एक ओवर में 17 रन लुटाए। बल्लेबाजी में 15 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट।
- **मोहम्मद यूसुफ ने भी उठाई आवाज** - शाहिद अफरीदी ही नहीं, पूर्व दिग्गज मोहम्मद यूसुफ ने भी सोशल मीडिया पर लिखा- शाहीन, बाबर और शादाब का समय खत्म हो चुका है। पाकिस्तान की टी20 टीम को अब नए प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की जरूरत है, कमजोर टीमों के खिलाफ खाली जीत नहीं।
- **नामीबिया मैच में कौन ले सकता है जगह** - अगर टीम मैनेजमेंट बदलाव करता है तो संभावित विकल्प- फखर जमान, सलमान मिर्जा, ख्वाजा नफेया नसीम शाह निचले क्रम में बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, जबकि ख्वाजा नफे बल्लेबाजी मजबूत करने का विकल्प हो सकते हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि कप्तान सलमान आगा किस संयोजन के साथ मैदान में उतरते हैं।

हार के बाद बाबर आज़म पर टूटा 'अफरीदी बम'

बोले मेरे हाथ में होता तो टीम में जगह भी न देता

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान की टी20 विश्व कप के मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से 61 रन की हार के बाद स्टार बल्लेबाज बाबर आजम आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं तथा देश के कई पूर्व खिलाड़ियों ने कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ उन्हें भी टीम से बाहर करने की मांग की है। पूर्व कप्तान बाबर, शादाब खान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी जैसे अनुभव खिलाड़ी रविवार रात कोलंबो में खेले गए एकतरफा मुकाबले में उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (40 गेंदों में 77 रन) ने पाकिस्तानी गेंदबाजी की

जमकर धुलाई की। दूसरी तरफ भारत के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के सामने पाकिस्तान के बल्लेबाज बगलें झांकते हुए नजर आए। पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा, अगर यह मेरे हाथ में होता तो मैं बाबर, शादाब और शाहीन को दोबारा टी20 टीम में नहीं चुनता। उन्हें पाकिस्तान के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के कई मौके मिले हैं, लेकिन कल वे फिर से नाकाम रहे।

अफरीदी ने कहा कि अब इस टी20 प्रारूप में युवा खिलाड़ियों को तैयार करने का समय आ गया है। शाहीन ने दो ओवर में 31 रन लुटाए वहीं बाबर को अक्षर पटेल ने पांच रन पर आउट किया। पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद हार पर विस्तार से बोलने को तैयार नहीं थे, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान की क्रिकेट टीम दबाव में आने पर चुनौती पेश करने में नाकाम रही है। मियांदाद ने कहा, भाई बड़े मैचों में ही खिलाड़ियों को अपना जज्बा दिखाना होता है। हमारे खिलाड़ी ऐसा नहीं कर पाए।

क्रिकेट विशेषज्ञों का बड़ा बयान

भारत-पाकिस्तान मैचों का महत्व जल्द ही कम हो जाएगा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला लगातार एकतरफा होने और भारत के दबदबे के कारण इन मुकाबलों का व्यावसायिक महत्व कम होता जा रहा है। भारत की रविवार को आसान जीत ने पाकिस्तान को पहले से कहीं ज्यादा झटका दिया है क्योंकि ऐसी उम्मीदें थीं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ हाल के गतिरोध के दौरान देश के प्रशासकों के कड़े रुख के बाद खिलाड़ी भी मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। लेकिन भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से करारी शिकस्त दी जिससे दोनों टीमों के बीच अंतर भी स्पष्ट हो गया। टी20 विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को 9 में से 8 मैचों में हराया है। इसके अलावा पिछले साल एशिया कप में सलमान अली आगा की अगुवाई वाली टीम को भारत से लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा था। भारत का पाकिस्तान पर सीमित ओवरों की क्रिकेट में दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जीत के बाद से पाकिस्तान अपने चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक भी वनडे मैच नहीं जीत पाया है।

बयान देने की बजाय क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए

कनेरिया ने पाक के खराब प्रदर्शन की आलोचना की

कोलंबो (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने टी20 वर्ल्ड कप मैच में भारत के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस नतीजे से पता चलता है कि लक्ष्य का पीछा करते समय टीम कितनी संघर्ष करती है। उन्होंने सुझाव दिया कि खिलाड़ियों को मैदान के बाहर बयान देने के बजाय अपने क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने रविवार को आर. प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान को 61 रन से हराकर

सुपर 8 के लिए क्वालीफाई किया। कनेरिया ने मीडिया से ??कहा, पाकिस्तान ने बहुत निराशाजनक क्रिकेट खेला। उन्हें बयान देने की बजाय आगे बढ़कर मैदान पर अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। उस्मान तारिक ने दावा किया था कि वह अकेले ही पाकिस्तान को जीत दिलाएंगे। इसके उलट, भारतीय खिलाड़ियों की एक अच्छी बात यह है कि वे ज्यादा बातें नहीं करते; वे मैदान पर अपने प्रदर्शन को खुद बोलने देते हैं। ईशान किशन की तूफानी शुरुआत की वजह से भारत ने कोलंबो में टी20 वर्ल्ड कप में भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले में 175/7 का सबसे बड़ा स्कोर बनाने में मदद की। जवाब में पाकिस्तान के टॉप चार स्पिनरों ने उन्हें मुश्किल से निकाला और मिलकर सिर्फ 15 रन बनाए जिसके बाद भारतीय स्पिनरों ने दो ओवर बाकी रहते जीत पक्की कर दी।कनेरिया ने कहा, पाकिस्तान जानता था कि टारगेट का पीछा करना आसान नहीं है। क्या उन्हें सच में यकीन था कि उनका बॉलिंग अटैक इतना मजबूत है कि वे इतने बड़े भारतीय बैटिंग लाइनअप को लगभग 100 रन पर आउट कर सकें और आराम से टोटल को पार कर सकें? मजेदार बात यह है कि भारत काफी समय से श्रीलंका में नहीं खेला है, जबकि पाकिस्तान पहले ही वहां कई मैच खेल चुका है और अभी भी श्रीलंका में है।

आईएसएल की शानदार शुरुआत, मोहन बागान ने केरला ब्लास्टर्स को 2-0 से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। गत चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट्स ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र की दमदार शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-0 से मात दी। मोहन बागान के लिए पहला गोल 36वें मिनट में जैमी मैकलारेन ने दागा। मैच के अंतिम क्षणों में दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (90+6 मिनट) में टॉम एल्ड्रेड ने गोल कर जीत पक्की कर दी। मैकलारेन को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस बीच, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बड़ा ऐलान करते हुए पुष्टि की कि इस सत्र से आईएसएल में पहली बार रेलीगेशन प्रणाली लागू की गई है। अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम को दूसरे स्तर की इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) में भेजा जाएगा, जबकि आईएफएल की चैंपियन टीम को अगले सत्र में आईएसएल में पदोन्नत किया जाएगा। एआईएफएफ के अनुसार, 12वें आईएसएल सीजन की चैंपियन टीम को अगले सत्र में एएफसी चैंपियंस लीग-2 के प्रारंभिक दौर में प्रवेश मिलेगा। दूसरे स्तर की आई-लीग का नाम बदलकर अब इंडियन फुटबॉल लीग कर दिया गया है, जिसकी शुरुआत 21 फरवरी से होगी।

उमरजई का ऑलराउंड प्रदर्शन | अफगानिस्तान ने 5 विकेट से दर्ज की शानदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप सी मुकाबले में अफगानिस्तान ने आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज कर ली। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में अफगानिस्तान ने यूएई को 5 विकेट से हराते हुए 161 रन का लक्ष्य 19.2 ओवर में हासिल कर लिया।

यूएई ने दिया था 161 रन का लक्ष्य - पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने 20 ओवर में 160/9 का स्कोर बनाया। सोहैब खान और अलीशान शराफू ने अहम पारियां खेलीं, लेकिन अफगान गेंदबाजों ने आखिर में रनगति पर लगाम लगा दी। अजमतुल्लाह उमरजई ने गेंद से भी शानदार योगदान दिया और यूएई को बड़ा स्कोर बनाने से रोका।

जादरान और उमरजई की मैच जिताऊ पारी - लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत संभली हुई रही। इब्राहिम जार्डन ने अहम रन जोड़े और पारी को स्थिरता दी। अंत में अजमातुल्लाहा ने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए जोरदार चौका लगाकर मैच खत्म किया। अफगानिस्तान ने 162/5 का स्कोर बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सुपर 8 की उम्मीदें बरकरार

यह जीत अफगानिस्तान के लिए बेहद जरूरी थी। लगातार दो हार के बाद टीम पर दबाव था, लेकिन इस जीत से सुपर 8 की उम्मीदें जिंदा हैं। अब अफगानिस्तान का आखिरी ग्रुप मुकाबला कनाडा के खिलाफ है, जहां जीत उन्हें अगले दौर के और करीब पहुंचा सकती है। अफगानिस्तान ने दिखा दिया कि दबाव में भी वह वापसी करना जानता है - और जादरान-उमरजई की जोड़ी ने टीम को टूर्नामेंट में नई जान दे दी।

राशिद खान ने रचा इतिहास, टी20 में ऐसा आंकड़ा छुआ जो कोई गेंदबाज नहीं छू सका

नईदिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए ग्रुप मुकाबले के दौरान अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने टी20 क्रिकेट में 700 विकेट पूरे कर इतिहास रच दिया। साथ ही वह इस फॉर्मेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए।

कैसे मिला ऐतिहासिक विकेट?

राशिद ने यह उपलब्धि यूएई के खिलाफ मैच के 16वें ओवर में हासिल की। उन्होंने मुहम्मद अरफान को हिट-विकेट आउट कर अपना 700वां शिकार किया। अरफान रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में अपना संतुलन खो बैठे और बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। राशिद ने इस मैच में चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया और अफगानिस्तान ने यूएई को 20 ओवर में 160/9 पर रोक दिया।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे का आरएसएस पर बड़ा हमला!

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार के कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रियंक खरगे ने

रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खरगे ने आरएसएस की कार्यप्रणाली, उनकी देशभक्ति और विशेष रूप से उनके वित्तीय लेन-देन पर सवाल खड़े किए। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर ''धन शोधन'' में लिप्त होने का रविवार को आरोप लगाया और इसकी आय के स्रोत पर भी सवाल उठाया। प्रियंक ने कहा कि वह चाहते हैं कि देश में सभी पर लागू होने वाला कानून और संविधान आरएसएस पर भी लागू हो। उन्होंने कहा, ''आरएसएस ने 52 वर्षों तक अपने कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया और हमें वे देशभक्ति का पाठ पढ़ाते है।'' यहां एक कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''इसके (आरएसएस के) पास 2,500 से अधिक संगठनों का नेटवर्क है, ये अमेरिका और इंग्लैंड से हैं। ये उनसे पैसे लेते हैं और मैं बता रहा हूं कि ये लोग धन शोधन में शामिल हैं।'' आरएसएस को पैसा कहां से मिल रहा है और कैसे मिल रहा है, इस सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा, ''वे चाहते हैं कि हम अच्छे नागरिक बनें, आयकर दें, लेकिन वे खुद स्वतंत्र रहना चाहते हैं। यह कैसे संभव है? हमें इस पर सवाल उठाना होगा। प्रियंक खरगे के इस बयान से कर्नाटक सहित राष्ट्रीय राजनीति में एक नया विवाद खड़ा होने की संभावना है। जहाँ कांग्रेस अक्सर आरएसएस की विचारधारा पर हमला करती रही है, वहीं 'मनी लॉन्ड्रिंग' जैसे सीधे वित्तीय आरोप इस टकराव को एक नए स्तर पर ले गए हैं। अब देखना यह होगा कि भाजपा और आरएसएस इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

गुरुग्राम-फरीदाबाद में घरों में चल रहे नर्सिंग होम वैध करवा सकेंगे

गुरुग्राम-फरीदाबाद। गुरुग्राम-फरीदाबाद में घरों में चल रहे नर्सिंग होम्स के लिए बड़ी राहत

भरी खबर है। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने घरों में नर्सिंग होम के संचालन के सिलसिले में नियम निर्धारित कर दिए हैं। इस सिलसिले में हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्व कुमार सिंह ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस नोटिफिकेशन के बाद घरों में बिना मंजूरी के चल रहे नर्सिंग होम को वैध करवा सकेंगे। नोटिफिकेशन के मुताबिक, नर्सिंग होम केवल बिल्डर की रिहायशी कॉलोनियों में निर्मित मकानों में खोले जा सकेंगे। प्लॉट मालिक योग्य डॉक्टर (एलोपैथी/आयुष) होना चाहिए। मेडिकल काउंसिल/आयुष काउंसिल में पंजीकृत होना जरूरी है। स्थानीय आईएमए शाखा से पंजीकरण और आवश्यक कन्वर्जन शुल्क जमा करना होगा। गुरुग्राम और फरीदाबाद जोन में कम से कम 350 वर्ग गज प्लॉट में मकान बना होना चाहिए। मुख्य सड़क के साथ सर्विस रोड अनिवार्य है। एक सेक्टर में चार से अधिक साइट की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसकी एफएआर, सेटबैक और ऊंचाई आदि हरियाणा बिल्डिंग कोड-2017 के अनुसार होनी चाहिए। स्टिल्ट पार्किंग अनिवार्य है। एंबुलेंस सहित सभी वाहनों की पार्किंग घर के अंदर होगी। बेसमेंट का उपयोग क्लीनिक, एक्स-रे और लैब के लिए किया जा सकेगा। अनुमति के लिए ऑनलाइन आवेदन हरियाणा सरकार के टीसीपी पोर्टल के माध्यम से करना होगा। मालिकाना दस्तावेज, शपथ पत्र और आवश्यक शुल्क जमा करना होगा। इसके अतिरिक्त ईडीसी जैसे अन्य शुल्क नहीं लगेंगे।

यूपी में बनेंगी 114 टाउनशिप, मिलेंगी कई सुविधाएं

आवासीय जरूरतें पूरी करने किए योगी सरकार का बड़ा प्लान

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में लोगों की आवासीय जरूरतें पूरी करने के लिए 114 टाउनशिप बसाने का खाका तैयार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 100 टाउनशिप बसाने का लक्ष्य दिया था। इस क्रम में आवास विभाग शहरवार 114 नई टाउनशिप बसाने जा रहा है, जिससे लोगों की आवासीय जरूरतें पूरी हो सकें। बताया जा रहा है कि नई टाउनशिप में सभी तरह की आधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी। बिजली के तार भूमिगत किए जाएंगे। पार्क के साथ पाथवे भी बनाए जाएंगे। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में तेजी से आबादी बढ़ रही है। इसके चलते शहर के आसपास के गांवों में प्रॉपर्टी डीलर अवैध रूप से प्लाटिंग कर कॉलोनियां बसा रहे हैं। शहरों के विकास का स्वरूप इससे बिगड़ रहा है। आए दिन प्राधिकरण और स्थानीय निकायों के स्तर पर विधिक कार्रवाई के चलते विवाद सामने आते रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेशभर में 100 नई टाउनशिप बसाने का निर्देश आवास विभाग को दिया था। इसके आधार पर शहरों में टाउनशिप बसाने के लिए विकास प्राधिकरणों से प्रस्ताव मांगे गए थे। आवास विभाग को मिली रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेशभर के विकास प्राधिकरण और आवास विकास परिषद द्वारा 114 टाउनशिप बसाने का प्रस्ताव दिया गया है। शहरों में आबादी के हिसाब से टाउनशिप का प्रस्ताव है। मनरेगा की जगह लेने वाली विकसित भारत रोजगार गारंटी और आजीविका मिशन (वीबी-जी राम जी) को इस साल ग्रामीण विकास विभाग को जारी कुल बजट में सबसे अधिक हिस्सा मिला है। विभाग के बजट का 40 प्रतिशत इसके लिए

तय है। 'पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च' की ओर से जारी रिपोर्ट में ग्रामीण विकास विभाग को जारी बजट का विश्लेषण है। राम जी के लिए बजट में 95,692 करोड़ आवंटित किए गए हैं। यूपी देश के सेमीकंडक्टर केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में 21 फरवरी को ऐतिहासिक कदम उठाया जाएगा। गौतमबुद्धनगर के यीडा क्षेत्र में इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड के सेमीकंडक्टर संयंत्र का शिलान्यास होगा। यह घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन को संबोधित करने के दौरान की। टेक्नोलॉजी ग्रुप द्वारा स्थापित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ेंगे जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव परियोजना स्थल पर उपस्थित रहेंगे।

28 फरवरी को राजस्थान आएंगे मोदी, अजमेर से देंगे विकास और रोजगार का डबल तोहफा

अजमेर , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 फरवरी को राजस्थान के अजमेर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे राज्य को 23,500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही 'रोजगार उत्सव' के तहत 21 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। प्रधानमंत्री की यह सभा अजमेर की कायड़ विश्राम स्थली में प्रस्तावित है, जहां बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री के दौरे की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि यह कार्यक्रम 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को नई ऊर्जा देगा और राज्य में विकास की गति को और तेज करेगा। मुख्यमंत्री ने इसे प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए व्यापक जनभागीदारी की अपील भी की है। 2 से 3 लाख लोगों के जुटने का अनुमान जयपुर से मिले मौखिक निर्देशों के बाद जिला प्रशासन ने कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रशासन के अनुसार सभा में 2 से 3 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है। भीड़ को ध्यान में रखते हुए सभा स्थल पर दो बड़े डोम तैयार किए जाएंगे, जिनमें मुख्य मंच और विशिष्ट अतिथियों की व्यवस्था की जाएगी। सार्वजनिक निर्माण विभाग को जल्द ही टेंडर जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने पार्किंग, पेयजल, सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और बिजली के तारों की शिफ्टिंग जैसे तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही मौजूदा हेलीपैड की मरम्मत और सुरक्षा मानकों के अनुरूप उसे तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री अजमेर के साथ धार्मिक नगरी पुष्कर का भी दौरा कर सकते हैं, हालांकि इसका अंतिम कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है। जिला कलेक्टर लोक बंधु ने बताया कि 28

फरवरी को प्रस्तावित सभा को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है और सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण 'रोजगार उत्सव' रहेगा। इसके तहत 21 हजार युवाओं को विभिन्न विभागों में नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। सरकार का दावा है कि इससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और राज्य में प्रशासनिक ढांचे को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिजनों के शामिल होने की संभावना है। प्रधानमंत्री के दौरे की घोषणा के साथ ही राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। अजमेर युवा कांग्रेस ने बैठक कर केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में काले झंडे दिखाने का ऐलान किया है। जिलाध्यक्ष मोहित मल्होत्रा ने कहा कि केंद्र सरकार ने युवाओं को रोजगार और अन्य मुद्दों पर भ्रमित किया है तथा वादों को पूरा नहीं किया। उन्होंने शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने की बात कही है। प्रशासन ने संभावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के संकेत दिए हैं। पुलिस और खुफिया एजेंसियां कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों पर नजर बनाए हुए हैं।

अजमेर की कायड़ विश्राम स्थली प्रधानमंत्री की पूर्व सभाओं का भी गवाह रही है। 6 अक्टूबर 2018 को यहां जनसभा आयोजित की गई थी। 31 मई 2023 को केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर महा जनसंपर्क अभियान की शुरुआत भी यहीं से की गई थी। इसके अलावा 6 अप्रैल 2024 को लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पुष्कर क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित किया था।

28 फरवरी का यह दौरा राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों दृष्टियों से अहम माना जा रहा है। एक ओर जहां सरकार इसे विकास और रोजगार से जोड़कर देख रही है,

20 रुपये के लिए युवक को मौत के घाट उतारा, 18 बार चाकू से गोदा फिर गला रेता

इंदौर , एजेंसी। मध्य प्रदेश के इंदौर में इंसानियत को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है। मोबाइल फोन और 20 रुपये लूटने के लिए एक 45 वर्षीय व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी गई। घटना 12 फरवरी की है, जब बाणगंगा थाना क्षेत्र के एमआर-4 मार्ग पर उसका शव बरामद हुआ। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मामूली लूट के इरादे से की गई इस वारदात में आरोपियों ने बेरहमी की सारी हदें पार कर दीं। युवक को 18 बार चाकू से गोदा गया। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश किया है। जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के देवरघाट शक्ती निवासी 45 वर्षीय खोजीराम नारंगे की मोबाइल फोन और महज 20 रुपये लूटने के लिए हत्या कर दी गई। खोजीराम इंदौर में लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के सामने किराए से रहता था और पोलोग्राउंड स्थित एक कलर लैब में बाईंडिंग का काम करता था। 12 फरवरी को बाणगंगा थाना क्षेत्र के एमआर-4 मार्ग पर उसका शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी।पुलिस ने रेडवाल कॉलोनी निवासी आर्यन उर्फ लड्डू वर्मा और भागीरथपुरा निवासी भरत वर्मा को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों की उम्र 20 और 21 वर्ष बताई जा रही है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल दो चाकू, 20 रुपये नकद, एक बाइक, टूटा हुआ मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। पूछताछ में

आरोपियों ने बताया कि घटना की रात खोजीराम शराब के नशे में था। उन्होंने उसे लूटने के इरादे से रोका, लेकिन जब उसने पुलिस में रिपोर्ट करने की बात कही तो आर्यन ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। शरीर पर कई वार करने के बाद उसका गला भी रेत दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि खोजीराम अपने भाई से 100 रुपये लेकर शराब खरीदने गया था और 80 रुपये की शराब लेने के बाद लौट रहा था। इसी दौरान वाइन शॉप के पास से आरोपी उसके पीछे लग गए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने भागीरथपुरा से एक युवक से पूछताछ की, जिसने बताया कि देर रात आर्यन और भरत उसके घर आए थे और पानी व सुई मांगी थी। पुलिस को शक हुआ कि सुई का इस्तेमाल सिम कार्ड निकालने के लिए किया गया होगा। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया।

आरोपियों ने मोबाइल और सिम कार्ड तोड़कर फेंक दिए थे। पुलिस के अनुसार दोनों कुछ दिन पहले राजस्थान में खाटू श्याम दर्शन कर लौटे थे और वहीं से चाकू खरीदकर लाए थे। वारदात के दौरान विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू से हमला किया और हत्या कर फरार हो गए थे। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया।

नोएडा में कपल की मौत: फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए फोन

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 107 में शनिवार को एक खड़ी कार के अंदर प्रेमिका के साथ युवक का शव मिला था। इस मामले में कई सवाल ऐसे हैं जिनकी गुत्थी सुलझाना बाकी है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। दोनों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी सामने आ चुकी है जिसमें कहा गया है कि मौत की वजह हेड इंजरी है और दोनों के सिर में गोली फंसी हुई थी। हिंदुस्तान टाइम्स में छपी खबर के मुताबिक, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ऐसा लगता है कि गोली बिल्कुल करीब से सटाकर मारी गई है। हालांकि, पुलिस अभी तक यह साफ नहीं कर पाई है कि यह मिलकर की गई आत्महत्या थी या फिर हत्या के बाद आत्महत्या का मामला है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक दोनों के मोबाइल एयरप्लेन मोड पर मिले थे जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। यानी अब हो सकता है कि स्मार्टफोन इस पूरे मामले की गुत्थी को सुलझाने में मदद करे। दोनों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी सामने आ चुकी है। कपल के शव को शनिवार सुबह करीब 11 बजकर 30 मिनट पर वहां मौजूद एक सफाई कर्मचारी ने टाटा अल्ट्रोज कार में देखा था। युवक के दाएं हाथ पर पिस्टल थी और दोनों कार की फ्रंट सीट पर बैठे हुए थे। दोनों के सिर पर गोली लगने के निशान पाए गए थे। वहीं पुलिस ने अबतक की जांच में ये भी बताया कि हाथापाई के भी कोई निशान नहीं मिले। कार की पिछली खिड़की का शीशा तोड़कर उनके शवों को बाहर निकाला गया था। युवक दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला एक बिजनेसमैन था, और लड़की नोएडा के सेक्टर 101 की रहने वाली थी, जो नोएडा के ही सेक्टर 62 में जॉब करती थी।

तारिक रहमान आज लेंगे प्रधानमंत्री पद की शपथ

सामने आई कैबिनेट के संभावित नामों की सूची

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में मंगलवार को तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की नई सरकार शपथ लेगी। कैबिनेट में 32 से 42 सदस्य हो सकते हैं, जिसमें अनुभवी और युवा नेताओं को जगह मिलने की उम्मीद है। वित्त, विदेश और गृह जैसे अहम मंत्रालयों के लिए संभावित नामों पर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बांग्लादेश में 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के नतीजे आने के बाद अब नई सरकार के गठन की तैयारी अंतिम दौर में है। मंगलवार, 17 फरवरी को नई कैबिनेट शपथ लेगी। चुनाव में भारी बहुमत हासिल करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने सरकार बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। सरकार ने चुने हुए सांसदों की सूची वाला आधिकारिक गजट भी जारी कर दिया है।

संविधान के अनुच्छेद 148 के अनुसार, चुनाव परिणाम घोषित होने के तीन दिनों के भीतर शपथ लेना जरूरी है। चुनाव आयोग के सचिव अख्तर अहमद ने बताया कि मंगलवार को ही सांसद और कैबिनेट सदस्य शपथ लेंगे। पार्टी

सूत्रों के अनुसार, तारिक रहमान प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे। उनकी कैबिनेट बहुत बड़ी नहीं होगी और इसमें 32 से 42 सदस्य शामिल हो सकते हैं। तारिक रहमान ने अनुभवी और युवा नेताओं को साथ लेकर चलने की योजना बनाई है। बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान ने कैबिनेट बनाने के बारे में सीनियर नेताओं से सलाह-मशविरा शुरू कर दिया है। बीएनपी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि कैबिनेट का आखिरी रूप देखने के लिए देश को थोड़ा और इंतजार करना होगा।

किसको मिलेगी क्या जिम्मेदारी?: मंत्रालयों की जिम्मेदारी को लेकर कई नामों की चर्चा है। हुमायूं कबीर को विदेश मंत्रालय और डॉ. रेजा किबरिया को वित्त मंत्रालय मिल सकता है। डॉ. किबरिया पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में वरिष्ठ अर्थशास्त्री रह चुके हैं। अमीर खसरू महमूद चौधरी को वाणिज्य मंत्रालय और बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को स्थानीय सरकार मंत्रालय की जिम्मेदारी दी जा सकती है। कानून मंत्रालय के लिए मोहम्मद असदुज्जमां और गृह मंत्रालय के लिए सलाहुद्दीन अहमद का नाम आगे है। मिर्जा अब्बास को सड़क परिवहन और ब्रिज मंत्रालय मिल सकता है।

उ. कोरिया का युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों को सम्मान

उनके परिवारों के लिए किम जोंग ने बनाई 'साएप्योल स्ट्रीट'

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों के परिजनों के लिए राजधानी प्योंगयांग में नई आवासीय सड़क का उद्घाटन किया है। सरकारी मीडिया के मुताबिक, इस सड़क का नाम 'साएप्योल स्ट्रीट' रखा गया है। सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, रविवार को हुए उद्घाटन समारोह में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन अपनी बेटी जु-ए और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूद थे।

अपने भाषण में किम ने कहा कि यह सड़क 'मातृभूमि की उस गहरी भावना का प्रतीक है, जो अपने उन वीर बेटों को हमेशा जीवित रखना चाहती है, जिन्होंने सबसे पवित्र मूल्यों की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।' उन्होंने इसे 'हमारी पीढ़ी का गौरव और प्योंगयांग व पूरे राष्ट्र की शान' बताया।किम ने यह भी कहा कि यह आवास उन परिवारों के लिए है, जिन्होंने युद्ध में अपने प्रियजनों को खोया है, साथ ही उन सैनिकों और इंजीनियर रेजीमेंट के जवानों के लिए भी, जिन्हें विदेशों में सैन्य अभियानों पर भेजा गया था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी और सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि शहीदों के परिवार सम्मान, विशेष सुविधाओं और पूरे समाज की देखभाल के साथ गर्वपूर्ण जीवन जिएं।

भाषण और रिबन काटने के बाद किम जोंग-उन ने कुछ परिवारों के घरों का दौरा किया और उन्हें सांत्वना दी।

बांग्लादेश की जेलें बनीं 'साइलेंट वेपन', पुलिस कस्टडी में एक और अवामी लीग नेता की जान गई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अवामी लीग के नेताओं की हिरासत में मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गैबांधा जिला जेल से सामने आया है, जहां पार्टी के एक और वरिष्ठ नेता शमीकुल इस्लाम की हिरासत में मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 60 वर्षीय शमीकुल इस्लाम, जो पलाशबाड़ी उपजिला में अवामी लीग के अध्यक्ष थे, रविवार को अचानक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उन्हें पहले सदर अस्पताल ले जाया गया और बाद में रंगपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। गैबांधा जिला जेल के प्रमुख एमडी अतिकुर रहमान ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि शमीकुल को समय रहते इलाज के लिए भेजा गया था, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। हालांकि, बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार ने जेल सूत्रों के हवाले से बताया कि अगस्त 2024 में अवामी लीग सरकार के सत्ता से हटने के बाद शमीकुल इस्लाम पर कई मामले दर्ज किए गए थे। उन्हें दिसंबर 2024 में ढाका से गिरफ्तार किया गया था और जमानत मिलने के बावजूद दोबारा एक अन्य केस में जेल भेज दिया गया।

यूनुस सरकार पर गंभीर आरोप- इस घटना के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर राजनीतिक दमन के आरोप और तेज हो गए हैं। अवामी लीग का कहना है कि यह मौतें संयोग नहीं, बल्कि सुनियोजित उपेक्षा का नतीजा हैं। इससे पहले 7 फरवरी को पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता रमेश चंद्र सेन की भी दिनाजपुर जिला जेल में पुलिस हिरासत के दौरान तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई थी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अवामी लीग ने आरोप लगाया कि जेलों को राजनीतिक विरोधियों को खत्म करने का 'मौन हथियार' बनाया जा रहा है। पार्टी ने कहा 'इसे प्राकृतिक मौत कहा जा रहा है, लेकिन सच यह है कि बुजुर्ग और बीमार नेताओं को जानबूझकर उन्नत इलाज से वंचित किया गया।

इमरान खान के इलाज को लेकर चिंता बढ़ी, बहन अलीमा खान ने लगाया आरोप

परिवार के डॉक्टर को मिलने से रोका गया

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की बहन अलीमा खान ने जेल में उनके इलाज और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अलीमा खानम ने कहा कि परिवार के डॉक्टर को इमरान खान से मिलने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे उनकी नाराजगी और बढ़ गई है। अलीमा ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पोस्ट में लिखा हमारी मांग शुरू से स्पष्ट रही है- इमरान खान का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उनके निजी डॉक्टर डॉ. असिम यूसुफ की मौजूदगी में होना चाहिए, साथ ही परिवार का एक सदस्य भी मौजूद हो। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने हमारे डॉक्टरों द्वारा सुझाए गए विशेषज्ञों को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद हमें अन्य नाम सुझाने के लिए कहा गया। हमने अपनी बहन उजमा खान का नाम दिया, लेकिन हमें

बताया गया कि इमरान खान की बहनें उपस्थित नहीं हो सकतीं। इसके बाद हमने अपने चचेरे भाई नौशेरवान बुर्की का नाम दिया, लेकिन उसे भी अस्वीकार कर दिया गया। इमरान खान की आंखों की रोशनी 15 फीसदी बची अलीमा खान ने सवाल उठाया कि यह अस्वीकार्य है! हमारी चिंता बढ़ रही है कि हमारे परिवार के सदस्य को क्यों नहीं होने दिया जा रहा? क्या दोनों नाम इसलिए अस्वीकृत किए जा रहे हैं क्योंकि वे अत्यधिक योग्य डॉक्टर हैं? पिछले रविवार को रावलपिंडी के अडियाला जेल में एक चिकित्सा टीम ने इमरान खान की आंखों की जांच की, जो लगभग एक घंटे तक चली। यह जांच सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद की गई, जो इमरान के 12 फरवरी के दावे के बाद हुई कि उनकी दाहिनी आंख में केवल 15त्न दृष्टि बची है। मेडिकल बोर्ड गठन और बच्चों से मिलने की अनुमति सुप्रीम कोर्ट ने एक मेडिकल बोर्ड बनाने का आदेश दिया और उनके बच्चों से मिलने की अनुमति 16 फरवरी से पहले देने को कहा था। हालांकि, सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को संकेत दिए कि इमरान को अस्पताल स्थानांतरित किया जाएगा, लेकिन रविवार दोपहर तक कोई ट्रांसफर नहीं हुआ। इमरान की बहन नूरीन नियाजी ने एक्स पर पोस्ट किया कि जेल में एम्बुलेंस आई थी, लेकिन उन्होंने कहा कि हम और खान साहिब के निजी डॉक्टरों को भरोसे में लिए बिना यह अस्वीकार्य है। जेल अधीक्षक ने ट्रांसफर की खबरों को अफवाह बताते हुए कहा कि इमरान केवल जांच के लिए हैं। उन्होंने बताया कि मेडिकल टीम उनकी आंखों की जांच करेगी, विभिन्न टेस्ट करेगी और तय करेगी कि उन्हें अस्पताल स्थानांतरित किया जाए या जेल में ही इलाज जारी रखा जा सके। जानकारी के अनुसार, पांच डॉक्टरों की टीम ने विस्तृत आंखों की जांच की, खून के नमूने लिए और रक्तचाप मापा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,